हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सोमनाथ अमृत महोत्सव

पीएम बोले-श्रद्धा और शक्ति के इस दृश्य ने हर भारतीय के मन को गर्व से भर दिया

गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के सोमनाथ में आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' सहित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। सोमनाथ अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। मोदी ने भारतीय वायु सेना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया है। जिसमें लिखा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर अपने फ्लाईपास्ट से केसरिया और तिरंगे की आभा बिखेर दी। श्रद्धा और शक्ति के इस दृश्य ने हर भारतीय के मन को गर्व से भर दिया। पीएम मोदी ने सोमनाथ में सरदार वल्लभभाई पटेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम ने ▶▶ शेष पेज 7 पर

भारतीय वायु सेना की 'सूर्य किरण' एरोबेटिक टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर अपने फ्लाईपास्ट से केसरिया और तिरंगे की आभा बिखेर दी

चेतक हेलिकॉप्टर ने मंदिर परिसर पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं

भारतीय वायुसेना की 'सूर्यकिरण' टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर दिल बनाया। सूर्यकिरण टीम के विमानों ने जामनगर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी और लगभग 182 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करके 18 मिनट के भीतर सोमनाथ पहुंचे। हॉक एमके-132 विमान उड़ाने वाले पायलट फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखा रहे हैं।भारतीय वायु सेना के एक चेतक हेलिकॉप्टर ▶▶ शेष पेज 7 पर

भगवान सोमनाथ का जलाभिषेक और विशेष पूजा करते पीएम मोदी

पीएम ने 11 तीर्थस्थलों के पवित्र जल से मंदिर के शिखर पर कुंभाभिषेक किया

वायु सेना की सूर्यकिरण टीम ने मंदिर के ऊपर 15 मिनट का एयर शो किया और चेतक हेलिकॉप्टर ने मंदिर पर पुष्प वर्षा की

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
जीटी एसआरएच
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

रेलवे ने खर्च किया 98 फीसदी बजट

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित अपने बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया था। यह परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को दर्शाता है। मंत्री ने साथ ही कहा कि ट्रेन सेवाएं आने वाले समय में देश के कई मार्गों पर उड़ानों से आगे निकल जाएंगी। वैष्णव ने कहा, पिछले वित्त वर्ष में लगभग पूरा पूंजीगत व्यय मार्च के पहले सप्ताह तक खर्च हो गया था।

जमानत याचिकाओं के जल्द निपटारे पर सुझाए उपाय

नई दिल्ली। देशभर के उच्च न्यायालयों में लंबित जमानत याचिकाओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने स्वतः सूचीबद्ध करने की व्यवस्था विकसित करने और ऐसे मामलों के निपटारे के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय करने जैसे उपाय का सुझाव दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि उसे उम्मीद और भरोसा है कि उच्च न्यायालय, राज्य सरकारें और जांच एजेंसियां मिलकर काम करेंगी।

दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों से जुड़ी है पीएम मोदी की ऊर्जा उत्पादों के संरक्षण की देशव्यापी अपील

देश में पेट्रोल पंपों की तरफ न भागें लोग, पर्याप्त स्टॉक है, नहीं बढ़ी कीमतें: राजनाथ सिंह

■ पश्चिम-एशिया संकट पर हुई आईजीओएम की पांचवीं बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ की देश की जमीनी स्थिति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आमजन से की गई पेट्रोल, डीजल जैसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादों के संरक्षण की अपील के बाद मचे राजनीतिक घमासान के बीच सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सामने आए और उन्होंने वस्तुस्थिति को तथ्यों के साथ स्पष्ट कर दिया है। सबसे पहले उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कोई किल्लत नहीं है। इसलिए लोगों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, पेट्रोल पंपों पर जाकर हड़बड़ाहट में गैर-जरूरी खरीद करने से बचें। कच्चे तेल (पेट्रोल, डीजल) और प्राकृतिक गैस का देश में दो महीने का स्टॉक मौजूद है। जबकि द्रवित पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का डेढ़ महीने का स्टॉक है। इसके अलावा उर्वरकों की मजबूत उपलब्धता के साथ आवश्यकता से अधिक सप्लाई बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऊर्जा संरक्षण को लेकर किया गया अनुरोध खासतौर पर उक्त संकट के और अधिक बढ़ने या अन्य वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर व्यापक सामूहिक जन भागीदारी के साथ उनसे मुकाबला करने से जुड़े हुए जरूरी ▶▶ शेष पेज 7 पर

ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना प्राथमिकता

उन्होंने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में केंद्र का पूरा ध्यान ऊर्जा की निर्बाध रूप से आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित बनाए रखने पर केंद्रित है। इसके अलावा हम समुद्री व्यापारिक मार्गों को भी सुरक्षित बनाए रखने के पक्ष में हैं। सप्लाई चेन में आ रही बाधाओं से बचाव के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है। जिसे देखते हुए फिलहाल लोगों को किसी भी प्रकार से डरने या चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे पास जनता के लिए अधिकता के साथ आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनी हुई है।

रणनीतिक संकट पूर्वानुमान पर है जोर

राजनाथ सिंह ने कहा कि हमें रणनीतिक संकट पूर्वानुमान, पूर्वानुमान का आकलन करने की क्षमता, परिदृश्य के मुताबिक योजना बनाने और समय पर सरकारी तैयारी को चाक-चौबंद बनाए रखने पर हमें जोर देने की आवश्यकता है। बैठक में संघर्ष से जुड़े हुए ताजा घटनाक्रम का विस्तार से आकलन किया गया। साथ ही इसके आम जनता पर पड़ने वाले प्रभावों को कम से कम करने के लिए जरूरी उपायों के संबंध में भारत की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया है।

पीएम की अपील के असल मायने

वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों के दौर में प्रधानमंत्री की अपील का सार यही है कि उन्होंने खासतौर पर लोगों से अंतरराष्ट्रीय आर्थिक बाधाओं, सप्लाई चेन की चुनौतियों और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी का मुकाबला करने के लिए देश की आम जनता को सामूहिक रूप से मदद करने के लिए कहा है। जिसमें उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने और उनके गैर-जरूरी इस्तेमाल से बचने पर जोर दिया है। क्योंकि इनकी मदद से मौजूदा समय से लेकर भविष्य में हमारा राजकोषीय घाटा कम होगा। मालूम हो कि पीएम मोदी ने आम लोगों से कहा है कि वह पेट्रोल, डीजल पर निर्भरता घटाएं और परिवहन के सार्वजनिक विकल्पों जैसे मेट्रो ट्रेन के इस्तेमाल, समूह में कार के प्रयोग, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचें और किसी भी तरह के समारोह या उत्सव आदि के लिए विदेश जाने के बजाय देश के भीतर ही किसी जगह का चुनाव करें, आगामी एक साल तक सोने की खरीद न करें। साथ ही उन्होंने पर्यटन के लिए भारत के अंदर मौजूद स्थलों पर जाने की अपील की है। किसानों से पीएम ने खेती के लिए हानिकारक कीटनाशकों के इस्तेमाल में 50% की कटौती कर उसकी जगह पर प्राकृतिक उर्वरकों का प्रयोग करने के लिए कहा है। जिससे आखिरकार का मृदा की उर्वरक क्षमता बढ़ेगी और मामले में आयात निर्भरता कम होगी। सिंचाई के लिए डीजल की जगह पर सौर ऊर्जा से चलने वाले पंपों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने केंद्र और राज्यों से इस संबंध जरूरी उपायों के जरिए समन्वित प्रयासों को बनाए रखने पर जोर दिया है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर रहे ध्यान

बैठक में रक्षा मंत्री ने अधिकारियों को पीएम की अपील के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता अपने ऊर्जा स्रोतों में मिश्रण के साथ विविधता लाने की है। जिसमें वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के तहत नवीकरणीय ऊर्जा का तीव्र गति से विस्तार करने, अधिक भरोसेमंद व विविध ऊर्जा सप्लाई, ऊर्जा क्षमता बढ़ाने वाली तकनीक में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। सप्लाई चेन में आने वाली दिक्कतों और भावी ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक कोष से जुड़ी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। बैठक में केंद्रीय रसायन-उर्वरक, पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस, रेल, नागर-विमानन, सूचना प्रसारण, जहाजरानी, संसदीय कार्य मंत्री और विज्ञान-प्रौद्योगिकी मंत्री समेत कई वरिष्ठ विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उर्वरकों की एमआरपी में कोई बदलाव नहीं, पीक सीजन के लिए सरकार ने कसी कमर

खरीफ सीजन से पहले उर्वरकों का रिकॉर्ड स्टॉक: 51 फीसदी भंडार सुरक्षित, कीमतें नहीं बढ़ेंगी

■ देश में उर्वरक संकट खत्म: घरेलू उत्पादन और आयात से पहुंचा 97 लाख टन स्टॉक, ग्लोबल टेंडर भी जारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश में उर्वरकों की सुरक्षा व्यवस्था वर्तमान में सुदृढ़, स्थिर और बेहतर ढंग से प्रबंधित है, जिसके कारण सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता मांग से लगातार अधिक बनी हुई है । आगामी खरीफ 2026 सीजन के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कुल 390.54 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की आवश्यकता का अनुमान लगाया है । यह जानकारी केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि इस मांग के मुकाबले, आज की तिथि में देश के पास 199.65 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जो कुल आवश्यकता का 51% से भी अधिक है । यह स्टॉक सामान्यतः रहने वाले 33% के स्तर से काफी अधिक है, जो सरकार की बेहतर योजना, अग्रिम भंडारण और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रबंधन को दर्शाता है । ▶▶ शेष पेज 7 पर

वैश्विक निविदाएं और भविष्य की तैयारी

पीक सीजन के दौरान पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय उर्वरक कंपनियों ने 12 लाख टन डीएपी, 4 लाख टन टीएसपी और 3 लाख टन अमोनियम सल्फेट की खरीद के लिए वैश्विक निविदाएं (ग्लोबल टेंडर) जारी की हैं । इसके अलावा, उर्वरक उत्पादन के कच्चे माल के लिए 5.36 लाख टन अमोनिया और 5.94 लाख टन सल्फर की निविदा प्रक्रिया भी प्रगति पर है ।

कीमतें स्थिर, सब्सिडी का समय पर भुगतान

किसानों के लिए बड़ी राहत की बात यह है कि प्रमुख उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया है । उर्वरक विभाग नियमित रूप से कंपनियों द्वारा उठाए गए सब्सिडी बिलों का साप्ताहिक आधार पर भुगतान कर रहा है । उपलब्धता की चुनौतियों से निपटने के लिए सचिवों के अधिकार प्राप्त समूह की अब तक 8 बैठकें हो चुकी हैं । भारत सरकार के प्रभावी प्रयासों से देश में घरेलू उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है । देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिससे किसानों को किफायती दरों पर उर्वरक आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कांग्रेस की कोशिश, पीएम मोदी की घेराबंदी

"त्याग की अपील" पर कांग्रेस का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, राहुल बोले- 'ये उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से बचत, संयम और संसाधनों के सीमित उपयोग की अपील के बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, और एआईसीसी संचार विभाग के प्रभारी महासचिव, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने अलग अलग सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मोदी सरकार की

आर्थिक नीतियों और मौजूदा हालात पर सवाल खड़े किए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की अपील को लेकर कहा कि "मोदी जी ने जनता से कहा है कि सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, खाद और खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो और घर से काम करो। ये उपदेश नहीं, बल्कि नाकामी के सबूत हैं।" राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 12 वर्षों में सरकार देश को ऐसे मोड़ पर ले आई है जहां जनता को बताया जा रहा है कि क्या खरीदना है और क्या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर बार जिम्मेदारी जनता पर डालकर जवाबदेही से बचने की कोशिश करती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जब "गरीबी में आटा गीला" जैसी स्थिति है, तब सरकार जनता को बचत का पाठ पढ़ा रही है। खरगे को ने कहा कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू ▶▶ शेष पेज 7 पर

युवा पायलटों को प्रशिक्षण देने के मामले में चुनौती बढ़ती जा रही है

पहली समय सीमा पार होने के बाद अब 2026 से की जानी थी वायुसेना को विमानों की आपूर्ति, लेकिन अब भी इंतजार जारी

वायुसेना में प्रभावित होता पायलटों का प्रशिक्षण एचएएल से नहीं मिले एचटीटी-40 विमान

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

पहले रूस-यूक्रेन युद्ध और अब पश्चिम-एशिया क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष से वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतों के बीच वायुसेना के सामने अपने नए और युवा पायलटों को प्रशिक्षण देने के मामले में चुनौती बढ़ती जा रही है। इसे लेकर उसके पास पिलाटस और किरण जैसे विमान तो मौजूद हैं। लेकिन पायलटों की लड़ाकू यानी युद्धक क्षमताओं को असल मायने में तराशने के लिए जरूरी स्वदेशी हिंदुस्तान टर्बो ट्रेनर-40 (एचटीटी-40) विमान की कमी बनी हुई है। सूत्रों ने बताया कि इसे लेकर देश के सार्वजनिक रक्षा क्षेत्र के प्रमुख डीपीएसयू, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ रक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2023 में कुल 70 एचटीटी-40 बेसिक ट्रेनर विमानों की वायुसेना के लिए खरीद के लिए 6 हजार 800 करोड़ रुपए से अधिक के एक

समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। जिसके तहत पहले पिछले साल 2025 के सितंबर महीने से एचएएल को वायुसेना को यह विमान सौंपने थे। लेकिन हनीवेल इंजन की आपूर्ति में देरी के कारण इस समय सीमा को बढ़ाकर एचएएल ने फरवरी-2026 कर दिया था। लेकिन अब मई महीने की शुरुआत होने के बाद भी एचएएल द्वारा वायुसेना को विमानों की डिलीवरी की शुरुआत नहीं की गई है। यहां बता दें कि अनुबंध के बाद इन विमानों का निर्माण एचएएल की बेंगलुरु और नासिक इकाइयों में चल रहा है। लेकिन वायुसेना फिलहाल इन विमानों के इंतजार में प्रतीक्षा में मुद्रा में बैठी हुई है। ▶▶ शेष पेज 7 पर

रिमांइडर भेजे गए हैं

सूत्रों ने कहा कि इस संबंध में वायुसेना की तरफ से एचएएल को रिमांइडर भी दिया गया है। जिसमें उनकी कोशिश मामले का लेकर डीपीएसयू पर किसी तरह का कोई आरोप-प्रत्यारोप लगाने का नहीं है। बल्कि वो चाहते हैं कि वायुसेना को जल्द से जल्द यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण विमान मिल जाए। ताकि युवा प्रशिक्षु पायलटों को इनका उचित लाभ मिल सके। बीते समय में आई एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में भी इस विषय पर चिंता जताई गई है।

तेजस विमानों की भी नहीं हुई डिलीवरी

यहां बता दें कि वायुसेना को एचटीटी-40 के अलावा अभी तक एचएएल से 83 स्वदेशी तेजस मार्क-1 ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी भी नहीं की गई है। जबकि इसे लेकर रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच 2021 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे और उसके हिसाब से कंपनी ने मार्च-26 तक दो दर्जन विमानों की वायुसेना को डिलीवरी करने का वादा किया था। लेकिन खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध की वजह से विमानों के लिए इंजन की आपूर्ति करने वाली अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने एचएएल को ये सूचित किया है कि अभी फिलहाल इसे लेकर देरी हो सकती है।

खबर संक्षेप

महिला पशु अधिकार कार्यकर्ता ने सुरक्षा गार्ड पर किया हमला

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में एक महिला पशु अधिकार कार्यकर्ता ने एक आवारा कुत्ते की कथित तौर पर पिटाई किये जाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक सुरक्षा गार्ड पर हमला कर दिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रमेश नगर निवासी तरुण घई ने आठ मई को कीर्ति नगर थाने में शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया था कि विनोद पासवान नामक सुरक्षा गार्ड ने सात मई की शाम कीर्ति नगर के जे ब्लॉक में एक आवारा कुत्ते पर लोहे की रॉड से हमला किया था। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कुत्ता बुरी तरह घायल हो गया था और उसे इलाज के लिए एक निजी पशु चिकित्सक के पास ले जाया गया और इसके बाद नजफगढ़ ले जाया गया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि हालांकि, बाद में कुत्ते की मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घायल कुत्ते का इलाज पशु चिकित्सालय में किया गया था, लेकिन संबंधित अस्पताल ने अब तक स्थानीय पुलिस को इस घटना के बारे में सूचित नहीं किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुद को पशु अधिकार कार्यकर्ता बताने वाली एक महिला ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई और थाने के बाहर सुरक्षा गार्ड पर कथित तौर पर हमला किया। अधिकारी ने हालांकि बताया कि कथित हमले के संबंध में सुरक्षा गार्ड द्वारा अब तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि दोनों घटनाओं की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कई युवा शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में हुए शामिल

नई दिल्ली। गुरुद्वारा चुनावों की आहट के साथ ही दिल्ली की सिख राजनीति भी तेज होने लगी है। इसी कड़ी में सोमवार को गुरुद्वारा कमेटी के वार्ड 8 के युवा नेता सविंदर सिंह कोहली की अगुवाई में अनेक युवा सविंदर सिंह कोहली की अगुवाई में शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट में शामिल हो गए। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका व अन्य मौजूद थे। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष कालका ने घोषणा करते हुए कहा कि सविन्दर सिंह कोहली को पार्टी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं का पार्टी में स्वागत है, हमें भरोसा है इनके आने से हम और मजबूत होंगे। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं और विशेष रूप से युवा वर्ग पार्टी के साथ जुड़कर गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोहली की प्रेरणा से बड़ी संख्या में युवा पार्टी में शामिल हुए हैं, उससे स्पष्ट है कि दिल्ली की संगत हमारी टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों से बेहद खुश है। हमारी टीम केवल गुरुद्वारा प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि मेडिकल एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है और युवाओं को गुरसिखी जीवन शैली से जोड़ने के लिए बड़े प्रयास किए जा रहे हैं। कालका ने कहा कि संगतों के सहयोग से ही हम प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं, जिसका बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिल रहा है।

हाशिम बाबा-रशीद केबलवाला गिरोह के छह गुर्गे दबोचे

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हाशिम बाबा-रशीद केबलवाला गिरोह से जुड़े छह सक्रिय सदस्यों और शूटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह गिरफ्तारियां अपराध शाखा ने एक अभियान के दौरान की । पुलिस के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर संगठित आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे और कुख्यात हाशिम बाबा-रशीद केबलवाला गिरोह के सक्रिय सदस्य और शूटर हैं। अभियान से संबंधित और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

कार डिवाइडर से टकराई, दो लोग घायल

एजेंसी, नई दिल्ली। लुटियंस दिल्ली के रायसीना रोड पर सोमवार को एक कार पांच सितारा होटल के निकट एक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे एक महिला और एक बच्चा घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर राजस्थान के एक व्यक्ति को लूटा

50 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में नाबालिग समेत तीन पकड़े

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर राजस्थान के एक व्यक्ति से 50 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन व्यक्तियों को पकड़ा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक नाबालिग को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 33.5 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, राजस्थान में सिरोही निवासी शिकायतकर्ता को उनके नियोक्ता ने उक्त रकम दिल्ली में किसी को पहुंचाने के लिए दी थी और वह अपने एक दोस्त के साथ नौ मई को राष्ट्रीय राजधानी आया था। पुलिस ने बताया कि यह घटना पीतमपुरा के वर्धमान प्लाजा के पास हुई, जब शिकायतकर्ता एक ऑटो रिक्शा से उतरा और नकदी से भरा बैग लेकर तरुण एन्क्लेव की ओर चलने लगा। एक अधिकारी ने बताया, ₹दो व्यक्ति शिकायतकर्ता के पास आए और खुद को पुलिस अधिकारी बताया। उन्होंने कथित तौर पर उससे पूछताछ करने लगे और नकदी से भरा बैग अपने कब्जे में ले लिया।₹ इसके बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता को वहीं इंतजार करने के लिए कहा और दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारी भी वहां आ रहे हैं, फिर वह पैसे लेकर मोटरसाइकिल पर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के भागने से पहले शिकायतकर्ता मोटरसाइकिल के पंजीकरण नंबर के कुछ अंक लिखने में कामयाब रहा। अधिकारियों के मुताबिक, शुरू में शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि बैग में नौ लाख रुपये थे। हालांकि, आगे की पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि बैग में वास्तव में 50 लाख रुपये थे और उसने डर की वजह से सही जानकारी नहीं दी थी। उसकी शिकायत के आधार पर मंगोलपुरी थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आगे की जांच शुरू की गई।

अधिकारी ने बताया कि मामले को सुलझाने के लिए हमने कई टीम बनाईं। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हरियाणा के सोनीपत में छापेमारी की और आरोपियों को रविवार को गोहाना से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनय उर्फ मोंटी (20) और कुलदीप (30) के रूप में हुई, दोनों सोनीपत के निवासी हैं। साथ ही एक नाबालिग को भी पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि 33.5 लाख रुपये नकद, चोरी की रकम से कथित तौर पर खरीदे गए दो आईफोन 17 मोबाइल फोन, अपराध में इस्तेमाल किया गया बैग और अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। अपराध में शामिल अन्य आरोपियों का पता लगाने और शेष राशि बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

10 लाख रुपये की ठगी के मामले में झारखंड से दो लोग अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ एपीके फाइल के जरिए किया फोन हैक

दिल्ली पुलिस ने 'एपीके फाइल' के माध्यम से फोन हैक करके 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति के बैंक खातों से 10 लाख रुपये निकालने के आरोप में झारखंड से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड के धनबाद जिले के निवासी दो आरोपियों अमरनाथ रबिदास (20) और विकास रबिदास (21) को नौ मई को गिरफ्तार किया गया । पुलिस के अनुसार, यह मामला उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मीत नगर निवासी राकेश कुमार द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया। कुमार ने आरोप लगाया कि 25 अप्रैल को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसने उनके बैंक खातों से जुड़े केवाईसी (अपने ग्राहक को जाने) विवरणों को अपडेट करने के लिए कहा। उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आशीष मिश्रा ने बताया कि फोन करने वाले ने उनसे अपने फोन में कथित तौर पर एक फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा। इसके तुरंत बाद, अनधिकृत तरीके से उनके बैंक खातों से धोखाधड़ी से 10,52,938 रुपये निकाल लिए गए। शिकायत के आधार पर 26 अप्रैल को एक ई-प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान, पुलिस की एक टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया और संदिग्धों में से एक का पता झारखंड में लगाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सबसे पहले अमरनाथ रबिदास को झारखंड के धनबाद जिले के पिथाक्यारी इलाके से गिरफ्तार करके उसके पास से तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान उसने अपने साथी विकास रबिदास की संलिप्तता का खुलासा किया, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से एक और मोबाइल फोन जब्त किया गया। अधिकारी के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वे एपीके फाइलों का उपयोग करके लोगों से ठगी करते हैं और धोखाधड़ी से प्राप्त धन को कई बैंक खातों में भेजते हैं और फिर रकम एटीएम के माध्यम से निकाल लेते हैं। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान ठगी से हासिल पैसे में से 2.05 लाख रुपये की राशि एक बैंक खाते में 'फ्रीज' कर दी गई है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्ट (एनसीआरपी) पर दर्ज पांच अन्य शिकायतें भी बरामद मोबाइल फोन से जुड़ी पाई गईं। आगे की जांच जारी है।

रेत में शव पाए जाने के मामले में पुलिस ने मृतक के रिश्तेदार समेत दो लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शाहदरा में एक निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल पर रखे रेत से 35 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर का सड़ा गला शव मिलने के मामले में उसके रिश्तेदार समेत दो लोगों को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपियों की पहचान मृतक के रिश्तेदार आकाश राय और उसके साथी मान सिंह राय के रूप में हुई है जो पास की अन्य निर्माणाधीन इमारत में चौकीदार था और उसपर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनके मुताबिक, आरोपियों ने नशे की हालत में मामूली बात पर पीड़ित रामसेवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी और उसके शव को निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल पर रखे रेत में दबा दिया। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश में टीकमगढ़ जिले के राम सेवक के रूप में हुई जो निर्माण स्थलों पर दिहाड़ी मजदूरी करता था। वह चार बच्चों का पिता था। पुलिस के अनुसार, हत्या की यह वारदात छह मई को तब सामने आई जब नवीन शाहदरा इलाके में निर्माणाधीन इमारत से दुर्गंध आने की सूचना मिली। पुलिस की एक टीम शाम करीब छह बजे मौके पर पहुंची और उसे इमारत की चौथी मंजिल पर मौजूद रेत के ढेर के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला। पुलिस ने बताया कि पीड़ित का चेहरा बुरी तरह सड़ चुका था, जिससे उसकी शिनाख्त करना मुश्किल हो गया था। घटनास्थल का मुआयना करने और सबूत इकट्ठा करने के लिए अपराध विभाग और फोरेंसिक विभाग की टीमों को बुलाया गया, जबकि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा, "पुलिस टीम ने इलाके में लगे लगभग 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मृतक की पहचान करने और संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए स्थानीय खुफिया जानकारी जुटाई।" सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी के विश्लेषण के दौरान, पास में ही बन रही एक अन्य इमारत में चौकीदार के रूप में काम कर रहे आकाश और रानू पर संदेह हुआ। डीसीपी ने बताया, ₹दोनों को दो मई की रात राम सेवक के साथ देखा गया था और बताया गया कि उनके बीच तीखी बहस हुई थी।₹ जांचकर्ताओं ने पाया कि दोनों संदिग्ध चार मई को मध्य प्रदेश स्थित अपने पैतृक गांव जाने के बहाने अचानक दिल्ली से चले गए और तब से उनके मोबाइल फोन बंद थे। तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर, पुलिस टीमों ने टीकमगढ़ में छापेमारी की और अंततः दोनों आरोपियों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने दावा किया, "पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात कबूल की और बताया कि राम सेवक आकाश का रिश्तेदार था। आरोपी ने बताया कि दो मई को तीनों ने साथ में शराब पी थी, तभी एक मामूली बात पर झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े के दौरान, पीड़ित ने कथित तौर पर दोनों को गाली दी और रानू के सिर पर ईंट से वार किया।

निगम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की कमी से मरीज परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन के लामपुर मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की भारी कमी को लेकर 'रिटायर्ड एम्प्लॉइज एंड सीनियर सिटीजंस वेलफेयर एसोसिएशन दिल्ली (रजि.)' ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की है। संस्था के महासचिव मनमोहन भारद्वाज ने बताया कि उन्होंने 24 अप्रैल 2026 को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि पिछले छह माह से अधिक समय पहले मुख्य चिकित्सक डॉ. इंद्रा के स्थानांतरण के बाद से नरेला पीयूएचसी डिस्पेंसरी में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत करीब 1500 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारी पंजीकृत हैं, जबकि प्रतिदिन लगभग 500 से 600 लोग दवाइयां और उपचार लेने के लिए यहां पहुंचते हैं। संस्था ने आरोप लगाया कि पिछले करीब दो वर्षों से कई विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद भी खाली पड़े हैं, जिससे मरीजों को उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार, निगमायुक्त दिल्ली नगर निगम, उपायुक्त नरेला क्षेत्र तथा सीएमओ नरेला को भी भेजी गई है। एसोसिएशन ने बताया कि नरेला क्षेत्र के साथ-साथ हरियाणा सीमा से लगे गांवों के लोग भी इलाज के लिए इसी स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर हैं। ऐसे में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को लंबी प्रतीक्षा और अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संस्था ने उपराज्यपाल से मांग की है कि नरेला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र के हजारों मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और आत्मनिर्भरता का मेल ही भारत के शहरी परिदृश्य का भविष्य तय करेगा: एलजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने राष्ट्रीय टेक्नोलॉजी डे पर कहा है कि टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी और आत्मनिर्भरता का मेल ही भारत के शहरी परिदृश्य का भविष्य तय करेगा। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली के शहरी बदलाव की नींव टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और वैज्ञानिक रिसर्च होंगे। एलजी ने बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस रीगल लॉज में इंद्रप्रस्थ विज्ञान भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय टेक्नोलॉजी दिवस कार्यक्रम में उक्त बातें कहीं। इस मौके पर एलजी ने दिल्ली के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में बदलाव लाने के लिए एआई आधारित अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम यानी शुरुआती चेतावनी प्रणाली बनाने का आह्वान किया। जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के लिए प्रेडिक्टिव सैंपलिंग के तहत पीसीआर टेस्टिंग और एआई-आधारित पूर्वानुमानों का इस्तेमाल करके, शहर प्रतिक्रियात्मक उपायों से हटकर एक सक्रिय स्वास्थ्य सेवा मॉडल की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जीवन की गुणवत्ता के लिए शहरी स्थिरता जरूरी है। एलजी ने माना कि यमुना नदी की बहाली को एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी और सभ्यतागत प्राथमिकता है। लैंडफिल पर बोझ कम करने और शहरी हरियाली को बढ़ावा देने के लिए एलजी ने विकेंद्रीकृत कचरा प्रबंधन, कचरे को स्रोत पर ही अलग करने और स्थानीय कंपोस्टिंग में वैज्ञानिक हस्तक्षेप की वकालत की। दिल्ली में बदलाव को लेकर उन्होंने कहा कि बुद्धिमान यातायात प्रबंधन और एकीकृत मोबिलिटी जरूरी है। जिसमें यात्रियों के लिए एक ऐसे अनुभव की कल्पना की, जिसमें रियल-टाइम जीपीएस ट्रांजिट सिस्टम, कॉमन ट्रांजिट कार्ड और मज़बूत लास्ट-माइल कनेक्टिविटी शामिल हों, जिससे भीड़भाड़ और प्रदूषण को कम किया जा सके। लगातार बढ़ती गर्मी को लेकर एलजी ने कहा कि शहरी हीट आइलैंड मतलब शहरी गर्मी के केंद्र और पानी की कमी की बढ़ती समस्याएं बड़ा कारण है। ऐसे में शहरी योजनाकारों और वैज्ञानिक संस्थानों से जलवायु-अनुकूल प्रक्रियाओं और व्यापक हरित बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने का मेरा आग्रह है। भारत की प्राचीन वैज्ञानिक परंपराओं पर विचार करते हुए एलजी ने कहा कि आधुनिक प्रगति की जड़ें हमेशा सामाजिक उद्देश्य और मानवीय मूल्यों में ही होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विज्ञान भारती जैसे संगठन शिक्षा जगत, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और समाज के बीच एक अहम कड़ी का काम करते हैं। इस मौके पर एलजी ने युवाओं को आह्वान किया कि आपकी पीढ़ी ही यह तय करेगी कि भारत एआई, बायोटेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में किस तरह आगे बढ़ेगा। हमारी असली ताकत नवाचार को ज़िम्मेदारी के साथ और आधुनिकता को निरंतरता के साथ जोड़ने में निहित है।

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज का वार्षिकोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज में सोमवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, प्रशासन तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक सलाहकार डॉ. राघव पी दास उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से सुमन, कॉलेज प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सुखबीर सिंह कालरा, कोषाध्यक्ष कुलबीर सिंह, सदस्य तेजेंदर पाल तथा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह सहित प्रबंधक समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राघव पी दास ने श्री गुरु नानक देव के शैक्षिक दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी का ज्ञान केवल पुस्तकीय शिक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि वह चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक सुधार पर आधारित था। कॉलेज प्रबंधक समिति के कोषाध्यक्ष कुलबीर सिंह ने विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट, 'सुरलोक' पत्रिका तथा 'सुरलोक समाचार पत्र' का विमोचन भी किया गया। साथ ही कॉलेज की विभिन्न शैक्षणिक समितियों के सक्रिय सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आर्ट एंड कल्चर से संबंधित समितियों साहित्य, कला, संगीत, रंगमंच, वाद-विवाद, तकनीकी क्लब, मीडिया सेल तथा समाजसेवा से जुड़ी इकाइयों को भी पुरस्कृत किया गया।

डीएम कार्यालय परिसर में लगे अग्निशमन सिलेंडर तीन माह से एक्सपायर

'अलीपुर राजस्व विभाग में 'फायर सेफ्टी' भगवान भरोसे!'

■ डीएम प्रशासन की तरफ से नहीं मिली कोई प्रतिक्रिया

दया राम ⏭ नई दिल्ली

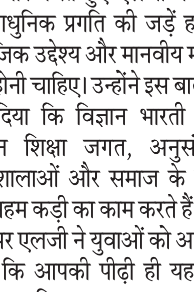

राजधानी दिल्ली के अलीपुर स्थित राजस्व विभाग कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां अग्निशमन के लिए लगाए गए फायर सिलेंडरों की वैधता समाप्त हुए तीन माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन प्रशासन ने अब तक उन्हें बदलने या रिफिल कराने की जरूरत तक नहीं समझी। चौंकाने वाली बात यह है कि इसी परिसर में 'डीएम, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार कार्यालय और आधार कार्ड केंद्र' संचालित हो रहे हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्र, दस्तावेज और अन्य कार्यों के लिए पहुंचते हैं। बावजूद इसके, सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। वहीं, इस संबंध में डीएम कार्यालय से संपर्क किया गया लेकिन डीएम प्रशासन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं

गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच आग लगने की घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में यदि किसी कारणवश आग लग जाती है तो एक्सपायर फायर सिलेंडर किसी काम नहीं आएंगे और बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। सवाल यह है कि जब आम लोगों को सुरक्षा नियमों का पालन न करने पर नोटिस और जुर्माना थमाया जाता है, तो सरकारी कार्यालयों में नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं

स्थानीय लोगों और कार्यालय आने वाले नागरिकों का कहना है कि यहां प्रशासन में हर स्तर के अधिकारी हैं और क्या इस तरफ किसी अधिकारी या केयर टेकर का इस तरफ ध्यान नहीं गया है। यहां जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। सरकारी दफ्तरों में सुरक्षा व्यवस्था की यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और जवाबदेही की कमी को उजागर करती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल** पुत्र धरमबीर निवासी मकान संख्या 922, नांगल कलां, थाना कुंडली, सोनीपत, हरियाणा ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 203/2023 धारा 498ए/406/34 भा.दं.सं., थाना बवाना, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रुप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr. P.C.** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 203/2023 धारा 498ए/406/34 भा.दं.सं., थाना बवाना, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.07.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री सान्या दलाल,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी,
उत्तर महिला न्यायालय-01,
कमरा संख्या 102, प्रथम मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/6194/ON/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी /84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि नामः **मो. फरमान, पुत्रः नन्हे उर्फ नसीम, निवासीः मकान नंबर 605, गली नंबर 08, बजरंग मोहल्ला मौजपुर, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरूद्ध **FIR No.450/2025 U/S 174 A IPC** के तहत एक मामला **थाना जाफराबाद, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **मो. फरमान** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मो. फरमान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.450/2025 U/S 174 A IPC, थाना जाफराबाद, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त उक्त **अर्जुन** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 08.07.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री अनुष्ठा श्रीवास्तव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
कमरा संख्या 07, दूसरी मंजिल
करकड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/6059/NE/2026
(अदालती मामला)

ऋण वसूली ट्रिब्यूनल-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओए नं. 582/2025

आईडीएफसी बैंक लि. — **आवेदक**
बनाम
नेहा रैना — **प्रतिवादी**

सेवा में,
(1) नेहा रैन
जी-19/7, ग्राउंड फ्लोर, निकट पार्क कचार मार्ग, डीएलएफ फेज-1, सिकंदरपुर, घोसी 68. सिल्वर ऑक्स अपार्टमेंट, गुड़गांव, हरियाणा-122002

चूंकि, ऊपर नामित आवेदक ने आपके विरूद्ध रु. 41,49,593/- (रुपये इकतालीस लाख उनचास हजार पांच सौ तिरानवे केवल) की वसूली हेतु एक केस दायर किया है और चूंकि ट्रिब्यूनल की संतुष्टि के लिए यह दर्शाया गया है कि आपको सामान्य तरीके से तामील करना संभव नहीं है। इसलिए, माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष 16.07.2026 को उपस्थित होने के लिए आपको निर्देशित करते हुए विज्ञापन द्वारा यह नोटिस दिया जाता है (अधिक विवरण के लिए कृपया डीआरटी वेबसाइट www.tribunal.gov.in पर पधारें फोन नं. : 011-23748473) संज्ञान लें कि इस ट्रिब्यूनल के समक्ष ऊपर वर्णित दिवस को उपस्थित होने में आपके विफल रहने के मामले में, मामला आपकी अनुपस्थिति में सुना जाएगा और निर्णित किया जाएगा।

(i) सभी सम्बन्धित हाईब्रिड मोड (कोर्ट में भौतिक उपस्थिति द्वारा अथवा CISCO WEBEX VC Link के माध्यम से) द्वारा अपने केसों में उपस्थित हो सकते हैं।
(ii) वीसी के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति हेतु सभी अधिवक्ता / मुकदमेबाज Cisco Webex एप्लीकेशन / सॉफ्टवेयर डाउनलोड करेंगे ;
(iii) माननीय पीठासीन अधिकारी / रजिस्ट्रार / वसूली अधिकारी-I/और वसूली अधिकारी-II द्वारा लिए जाने वाले मामलों की सुनवाई की अगली तिथि के लिए मीटिंग आईडी और पासवर्ड सार्वजनिक सूचना शीर्षक के तहत डीआरटी अधिकारिक पोर्टल अर्थात drt.gov.in पर अगली तिथि से एक दिन पूर्व उपलब्ध होंगे।
(iv) किसी अत्यावश्यकता में, अधिवक्ता/मुकदमेबाज फोन नं. 23748473 पर सम्बद्ध अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

दिनांक 5 मई 2026 को मेरे हस्ताक्षर और इस ट्रिब्यूनल की मोहर सहित जारी किया गया।

इस ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार एकबारगी खरीद आधार पर सर्जिकल स्टेंट्स और अलाइनर्स के लिए 3-डी प्रिंटर की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	11.05.2026 25.05.2026	रु. 15,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 [illegible]
2	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार एकबारगी खरीद आधार पर सर्जिकल स्कल मॉडल के लिए 3-डी प्रिंटर की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	11.05.2026 25.05.2026	रु. 45,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद-13/2027/60/45042/I/88/7 दि. 11.05.26

ALLEN Results Validated by
EY
Shape the future with confidence
ALLEN DELHI
THE LEAGUE OF
CHAMPIONS
In just our 3rd year of operations in Delhi/NCR, ALLEN Delhi has set a new benchmark by producing Delhi's Top Ranks across NEET, JEE & Olympiads.
NEET (UG) 2025
Star Performer from Delhi NCR
AIR 81 Shirin Gupta VMMC, DELHI
AIR 104 Vivek Kumar AIIMS, DELHI
AIR 105 Sukrit Sharma VMMC, DELHI
AIR 107 Bhavhya Jayna MAMC, DELHI
AIR 4 DELHI-NCT TOPPER
AIR 17 HARYANA TOPPER
Overall 100%ile
AIR 25 DELHI-NCT TOPPER
Overall 100%ile
NEET-UG 2025
MRINAL KISHORE JHA
AIIMS, DELHI
JEE MAIN 2026
ANAY JAIN
Classroom Course
JEE MAIN 2026
ATHARVA PANJABI
Classroom Course
JEE (Adv.) 2025
Star Performer from Delhi NCR
AIR 84 Saumy Maliwal IIT, DELHI
AIR 111 Samriddh Dahiya IIT, DELHI
AIR 128 Parsewar D. Sunil IIT, BOMBAY
AIR 209 Pratham Jain IIT, DELHI
AIR 210 Vansh Kumawat VMMC, DELHI
AIR 364 Ajay Raj Patel AIIMS, BHOPAL
AIR 555 Shviti Aggarwal MAMC, DELHI
AIR 665 Shresth Khokhar VMMC, DELHI
AIR 685 Riya Agarwal AIIMS, RISHIKESH
AIR 798 Ambbar Chanana VMMC, DELHI
AIR 931 Anshika VMMC, DELHI
AIR 969 Neha Gupta VMMC, DELHI
AIR 1016 Nidhi LHMC, DELHI
AIR 1044 Devashish Mudgal ESIC, FARIDABAD
AIR 1145 Tanushka Jain MAMC, DELHI
AIR 1160 Saksham garg KGMC, LUCKNOW
AIR 1181 Mohd Uwais AIIMS, GORAKHPUR
AIR 1222 Divyank Sharma MAMC, DELHI
AIR 1255 Vyoma Bansal MAMC, DELHI
AIR 1478 Arunima Pratap Singh AIIMS, BATHINDA
AIR 1517 Girija Dhingra MAMC, DELHI
AIR 1838 Shivangi MAMC, DELHI
AIR 1859 Farhan VMMC, DELHI
AIR 2001 Arnav Jain ABVIMS, DELHI
AIR 2006 Aryan Tyagi ABVIMS, DELHI
AIR 2078 Manav Mishra UCMS, DELHI
AIR 2110 Arnav Singh ABVIMS, DELHI
AIR 2121 Rao Atif Ali ABVIMS, DELHI
AIR 2177 Hunar ABVIMS, DELHI
AIR 2297 Shivi Geol ABVIMS, DELHI
AIR 2433 Ajitesh Singh Mann ABVIMS, DELHI
AIR 2474 Nirvaan Singhal ABVIMS, DELHI
AIR 2502 Ishant Srivastava ABVIMS, DELHI
AIR 2628 Kalash Sharma SNMC, JODHPUR
AIR 2636 Sveta Kumari BSAMC, DELHI
AIR 2789 Anushka Sharma LHMC,DELHI
AIR 2813 Aditi Arya IGMC, SHIMLA
AIR 2828 Rishikesh Kumar VMMC, DELHI
AIR 2841 Aravi Raj MAMC, DELHI
AIR 3016 Dia Gupta LHMC, DELHI
AIR 3060 Mansi Bharti UCMS, DELHI
AIR 3264 Yuvraj Singh DR. RMLIMS, LUCKNOW
AIR 3341 Kinjal Khandelwal LHMC, DELHI
AIR 3427 Vanalika Maan MAMC, DELHI
AIR 3436 Aditya Aggarwal VMMC, DELHI
AIR 3455 Nikshay UCMS, DELHI
AIR 3458 Riya Kaushik PGIMS, ROHTAK
AIR 3561 Harsh Sharma UCMS, DELHI
AIR 3570 Nupur Jain LHMC, DELHI
AIR 3733 Riddhima Mishra LHMC, DELHI
AIR 3787 Arkaprabha Sarkar UCMS, DELHI
...and many more
AIR 220 Ram Singhal IIT, BOMBAY
AIR 256 Jivansh Gupta IIT, DELHI
AIR 505 Vaibhav Vatsal IIT, ROORKEE
AIR 581 Saumya Shreyasee IIT, KANPUR
AIR 585 Kushagra Nath IIT, DELHI
AIR 648 Divyansh Verma IIT, DELHI
AIR 800 Gaurish Bansal IIT, BOMBAY
AIR 842 Apratim Tewari IISC, BANGLORE
AIR 977 Daksh Leekha IIT, KANPUR
AIR 978 Akshat Goel IIT, DELHI
AIR 1014 Adarsh Vardhan IIT, DELHI
AIR 1084 Navya Goyal IIT, DELHI
AIR 1085 Pratham Garg IIT, VARANASI
AIR 1110 Atharva Agrahari IIT, KANPUR
AIR 1115 Saurabh Rajput IIT, DELHI
AIR 1183 Adhyayan Saha IIT, BOMBAY
AIR 1404 Ayushman Ojha IIT, VARANASI
AIR 1407 Jatin IIT, ROORKEE
AIR 1414 Vatsal Khandelwal IIT, BOMBAY
AIR 1424 Aarush Gupta IIT, VARANASI
AIR 1450 Daksh Gupta IIT, ROORKEE
AIR 1470 Aaditya Bhatt IIT, ROORKEE
AIR 1513 Arsh Charagi IIT, ROORKEE
AIR 1582 Riddhimaa Mishra IIT, BOMBAY
AIR 1605 Harsh Mishra IIT, DELHI
AIR 1677 Sahil Bansal IIT, DELHI
AIR 1707 Rishita Kandpal IIT, ROORKEE
AIR 1748 Yashvesh Singh Dhakre IIT, DELHI
AIR 1778 Anurag Sethi IIT, DELHI
AIR 1923 Arav K Jha IIT, ROORKEE
AIR 2059 Saksham IIT, ROPAR
AIR 2175 Rajat Gupta IIIT, HYDERABAD
AIR 2187 Vasu Garg IIT, GANDHINAGAR
AIR 2280 Ritesh Choudhary IIT, VARANASI
AIR 2412 Divyansh Balooni NSUT, DELHI
AIR 2437 Harsh Verma IIT, GUWAHATI
AIR 2453 Chirag Swarnkar IIT, VARANASI
AIR 2490 Harsh Sharma
AIR 2560 Romir Karna BITS, PILANI
AIR 2579 Atharv Amrut Narache IIT, KANPUR
AIR 2773 Deepanshu IIT, KHARAGPUR
AIR 2891 Aryaman Gupta IIT, DELHI
AIR 2994 Aradhya Agrawal IIT, ROORKEE
AIR 3088 Moksh Dalal IIT, KANPUR
AIR 3147 Arnav Garg IIT, DELHI
AIR 3200 Dhanansh Pachauri IIT, ROPAR
AIR 3239 Amesh Bhushan IIT, DELHI
AIR 3508 Vinayak Majumder IIT, KANPUR
AIR 3511 Arun Kumar Gupta IIT, BOMBAY
AIR 3864 Abhinav Gupta IIT, BOMBAY
AIR 3886 Puru Raj Soni IIT, KANPUR
AIR 3903 Akshat Rana IIIT, HYDERABAD
AIR 3933 Daksh Mittal IIT, PATNA
...and many more
56th International Physics Olympiad (IPhO) 2026
to be held at Bucaramanga, Colombia 4th to 12th July 2026
RISHIT GARG Class 12th
A Moment of Pride!
ALLEN Delhi Classroom student selected among the Top-5 to represent Team INDIA at the IPhO
OFFICIAL INTERNATIONAL OLYMPIAD RESULT 2026 (Level-2)
17 Selections for OCSC & IMOTC
Qualified through Indian National Olympiad (INO) 2026
A Historic Milestone
First Time Ever. Two Class X students.
ONE GLOBAL STAGE
Asian Physics Olympiad 2026 Busan, Korea
HARSHIT SINGH Class 10th
SVANIK GOEL Class 10th
ADMISSIONS OPEN
JEE | NEET (UG) | OLYMPIADS | CLASSES 8TH TO 12TH & 12TH PASS
CLASS 11th Nurture Course
NEET(UG): 22 May
JEE(Main+Adv.): 15 May
CLASS 12th PASS Leader Course
NEET(UG): 11 & 26 May
JEE(Main+Adv.): 21 May
CLASS 8th to 10th PNCF Course
Pre-Nurture & Career Foundation: 22 May
Get Scholarship in Nurture Course (Class 11th JEE/NEET) based on your Class X Score
Also Get Scholarship in Leader Course (Class 12th Pass) based on your JEE (Main) 2026 Rank and Expected NEET (UG)* 2026 Score/Rank
SIGN UP FOR ASAT
GET UP TO 90% SCHOLARSHIP*
Test Dates 17 May 2026
ALLEN STUDY CENTRES IN DELHI NCR:
Dwarka | Faridabad | Ghaziabad-Vasundhara | Gurugram | Janakpuri | Kalu Sarai
Lajpat Nagar | Malviya Nagar | Noida | Greater Noida West | NSP | Preet Vihar | Punjabi Bagh | Rewari
ALLEN DELHI
95136 85900
allen.ac.in/delhi
ALLEN KOTA
86906 60111
allen.in
*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.
Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of full time paid courses.

खबर संक्षेप

नवप्रयास सेवा संगठन का 103वां रक्तदान

फरीदाबाद। समाज सेवा और मानव कल्याण के उद्देश्य से कार्य कर रहे नवप्रयास सेवा संगठन द्वारा गांव सारण स्थित यादराम नर्सिंग होम में 103वें विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा करीब 35 रक्तवीरों ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है और एक यूनिट रक्त कई लोगों को नया जीवन देने का कार्य करता है। शिविर में उपस्थित लोगों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दुवादी नेता भुवनेश्वर हिन्दुस्तानी, युवा नेता सचिन तंवर एडवोकेट, अवधेश कुमार ओझा, गौरव कपूर, नीरज नरूला, प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पिता ने 5 साल के मासूम की हत्या कर खुदकुशी की

फरीदाबाद । हरियाणा के फरीदाबाद के बल्लभगढ़ क्षेत्र के गांव दयालपुर में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां एक पिता ने अपने पांच साल के मासूम बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। परिवार के साथ झगड़ा करता था, मृतक की पहचान सागर के रूप में हुई है, जबकि उसके पांच वर्षीय बेटे का नाम रक्षित बताया गया है।

मदर्स डे समारोह में बनाया मुख्य अतिथि

सशस्त्र सीमा बल ने 81 वर्षीय ज्ञानवती देवी को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

जिला के गांव सुल्तानपुर निवासी 81 वर्षीय ज्ञानवती को मदर्स डे के अवसर पर आयोजित विशेष समारोह में सशस्त्र सीमा बल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जहां अधिकारियों एवं जवानों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उनके पुत्र प्रवेश चौहान, पुत्रवधु दीप्ति, पौत्र देवेंद्र और वंश भी उनके साथ उपस्थित रहे। कमानडेंट सुनील कुमार के दिशा-निर्देशन में 25 बीएन एसएसबी के आयानगर घिटोरनी (दिल्ली) स्थित मुख्यालय पर आयोजित इस समारोह में मातृत्व, संस्कार एवं समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका को लेकर विशेष चर्चा की गई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पंचदीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए ज्ञानवती देवी ने युवा पीढ़ी को परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। ज्ञात हो कि उनके पति स्वर्गीय जगत सिंह सशस्त्र सीमा बल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके योगदान एवं परिवार की देशसेवा की भावना को देखते हुए विभाग द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया।

खास बातें

- पति स्व. जगत सिंह सशस्त्र सीमा बल में दे चुके हैं सेवा
- ज्ञानदेवी ने युवा पीढ़ी को परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया

स्मृति चिन्ह भेंटकर मुख्य अतिथि का सम्मान किया

समारोह में सशस्त्र सीमा बल की ओर से संदीक्षा उपाध्यक्ष सुचि जोशी ने शाल, माता के पदचिन्हों वाली तस्वीर व स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। इस मौके पर कमानडेंट सुनील कुमार ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है तथा ऐसे परिवार समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने देश सेवा को सर्वोपरि रखा। मुख्यालय में मदर्स डे समारोह के सफल आयोजन के लिए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों एवं जवानों की सराहना भी की। वहीं, समारोह में सशत्र सीमा बल की ओर से मिले मान-सम्मान के लिए ज्ञानवती देवी व उनके परिवारजनों ने भी कमानडेंट सुनील कुमार सहित सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में सशस्त्र सीमा बल के वरिष्ठ अधिकारी, जवान और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत को मिल रही नई पहचान

सोमनाथ भारत की संस्कृति, आस्था और स्वाभिमान का अमर प्रतीकः कृष्ण पाल

सैनिक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति, आस्था, ज्ञान, शौर्य और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत प्रतीक है। सोमनाथ मंदिर भारतीय सभ्यता की उस अमर चेतना का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने अनेक आक्रमणों और संघर्षों के बावजूद अपनी पहचान, गौरव और आध्यात्मिक शक्ति को सदैव अक्षुण्ण बनाए रखा। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने सैनिक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

उनके साथ बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, बड़खल विधायक धनेश अदलखा, एनआईटी विधायक सतीश फागना, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, जिला परिषद चेयरमैन विजय लोहिया, राकेश कुमार धुन्ना भी मौजूद रहे। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत सर्वप्रथम सैनिक कॉलोनी स्थित कम्युनिटी सेंटर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, अन्य श्रद्धालु एवं विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं और संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़चढ़ भाग लिया। कलश यात्रा सैनिक कॉलोनी के प्रमुख मार्गों से होते हुए सैनिक कॉलोनी के शिव मंदिर पहुंची। इसके पश्चात राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन सोमनाथ से ऑनलाइन माध्यम से में किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित किया।

साथ ही मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से लाइव जुड़ें। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सोमनाथ को हमारे शास्त्रों में प्रथम ज्योतिर्लिंग का स्थान प्राप्त है। यह केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्रीय चेतना का जीवन प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस मंदिर को कई बार तोड़ा गयाए लेकिन हर बार भारत की जनता ने इसे और अधिक भव्य स्वरूप में पुनर्निर्मित किया। यह हमारे आत्मविश्वास, राष्ट्रीय एकता और अडिग संकल्प का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। सरदार पटेल ने स्पष्ट कहा था कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण भारत के स्वाभिमान का पुनर्जागरण है। इसी संकल्प के परिणामस्वरूप 11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में सोमनाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई, जो स्वतंत्र भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जन्म का प्रतीक बनी।

समाज को एकताए सेवा और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया

केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की वास्तुकला भारतीय शिल्प और स्थापत्य कला की महान परंपरा को दर्शाती है। समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर भारतीय संस्कृति की भव्यता और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश पूरे विश्व को देता है। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और सतत सभ्यता का राष्ट्र है। हमारे वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, ज्योतिष, दर्शन, शास्त्र और वैज्ञानिक परंपराएं विश्व को दिशा देने का कार्य करती रही हैं। वसुधैव कुटुंबकमश और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे विचार भारत की विश्व मानवता के प्रति उदात्त सोच को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के महापुरुषोंए संतों और वीर योद्धाओं ने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और गुरु गोबिंद सिंह जैसे वीरों ने राष्ट्र गौरव और धर्म रक्षा का संदेश दियाए वहीं संत परंपरा ने समाज को एकताए सेवा और आध्यात्मिकता का मार्ग दिखाया।

भव्य कलश यात्रा निकाली गई

भव्य कलश यात्रा व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शिवमय हुआ मंदिर प्रांगण। कार्यक्रम के दौरान निकाली गई भव्य कलश यात्रा एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे मंदिर प्रांगण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भगवान शिव के जयकारों के साथ वातावरण को शिवमय कर दिया।

आगामी चुनाव में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया

भाजपा चुनाव आयोग संपर्क विभाग की प्रथम बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी के चुनाव आयोग संपर्क विभाग जिला फरीदाबाद की प्रथम बैठक का आयोजन आज सेक्टर-15 स्थित अटल कमल भाजपा जिला कार्यालय में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच किया गया। बैठक की अध्यक्षता चुनाव आयोग संपर्क विभाग के जिला प्रमुख अश्विनी कुमार गुलाटी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला भाजपा महामंत्री प्रवीण चौधरी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत सभी कार्यकर्ताओं के परिचय के साथ हुई। इसके उपरांत अश्विनी कुमार गुलाटी ने कार्यकर्ताओं को एसआईआर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए संगठनात्मक कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर जनहित के कार्यों और मजबूत संगठन शक्ति के बल पर देशभर में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही है।

उद्देश्य आतंकवाद निरोध एवं कट्टरपंथ की रोकथाम

गाजियाबाद में प्रशिक्षण ले रहे बांग्लादेश, मालदीव मॉरीशस, सेशेल्स एवं श्रीलंका के अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

कमला नेहरू नगर स्थित केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को तीन दिन तक चलने वाले आतंकवाद निरोध एवं कट्टरपंथ उन्मूलन पर प्रशिक्षण शुरू हो गया। जिसका उद्घाटन भारत सरकार के संयुक्त सचिव नचकेता झा ने किया।

अपने उद्घाटन संबोधन में नचकेता झा ने वर्तमान वैश्विक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य में आतंकवाद एवं कट्टरपंथ की बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा प्रभावी खुफिया समन्वय के माध्यम से ही आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का व्यावहारिक उपयोग कर राष्ट्रीय सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत, संस्थान के उप-प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार जोशी ने किया। इस अवसर पर डॉ. सचिन गुप्ता निदेशक, केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान, गाजियाबाद ने मुख्य अतिथि को स्मृति स्वरूप पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आतंकवाद निरोध, कट्टरपंथ की रोकथाम, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, साइबर निगरानी तथा आधुनिक जांच तकनीकों के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों की क्षमता का संवर्धन करना है।

प्रदेश के सभी सिविल अस्पतालों के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक धरना व सीएमओ को देगें ज्ञापन

रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक बदहाल स्वास्थय सेवाओं को लेकर निकालेगें साईकिल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद रेफर मुक्त संघर्ष समिति की एक आवश्यक बैठक बीके अस्पताल के समीप धरना स्थल पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक सतीश चोपड़ा ने की। इस अवसर पर संयोजक सतीश चोपड़ा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाऐं पूरे हरियाणा में खराब है। जिसको लेकर वह एक जून से पूरे हरियाणा में साईकिल यात्रा निकालेगें और हरियाणा के प्रत्येक सिविल अस्पताल के सामने एक दिन का सांकेतिक धरना देंगे व साथ ही सभी जिलों के जिला सिविल सर्जन को ज्ञापन भी सौंपेगें। सभी सरकारी अस्पतालों की समस्याओं को केन्द्र व राज्य सरकार तक पहुंचाने का काम करें। श्री चोपड़ा ने कहा कि सभी सिविल अस्पतालों सीएचसी-पीएचसी को भी उपग्रेड करें, ट्रोमा केयर व ट्रोमा सेंटर का काम शुरू करें। उन्होंने कहा कि आज मजदूर वर्ग, आम आदमी, मिडिल क्लास व्यक्ति जिंदा रहने के लिए भी संघर्ष कर रहा है, प्राइवेट अस्पतालों के भारी भरकम बिल नही भर सकता है। सम्पूर्ण इलाज जांच आम आदमी का अधिकार है हर जिले को सरकार रैफरमुक्त बनाने की दिशा मे काम करके आम जनता को राहत पहुंचाये। उन्होंने कहा कि जल्द रूट प्लान जारी किया जाएगा। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने संयोजक सतीश चोपड़ा की 3500 किलोमीटर की नर्मदा यात्रा पूर्ण करने पर बधाई भी दी। इस बैठक में समाजसेवी सरदार प्रीतपाल माटा, युवा अनशनकारी अभिषेक गोस्वामी, अजय सैनी, अवधेश कुमार ओझा, प्रमोद भड़ाना, सतेन्द्र शर्मा, डिम्पल खुराना, प्रदीप कुमार, वंदना भारद्वाज, शैली बब्बर, मंजू आहूजा, संजय अरोड़ा, ज्योति कुमारी, गुलफाम सहित अन्य महिला सदस्यगण मौजूद रही।

हिट एंड रन का काला कानून रद्द किया जाए

रोडवेज कर्मचारियों की मांगों को लेकर 24 मई को परिवहन मंत्री आवास पर मिलेगा मास डेपुटेशनः जयपाल राठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की मीटिंग हुई का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता डिपो प्रधान जयपाल राठी ने की व संचालन डिपो सचिव मोहम्मद जुबेर ने किया। मीटिंग में विशेष रूप से राज्य उपप्रधान जयकुवांर दहिया व कार्यालय सचिव सतबीर मुंढाल उपस्थित रहे। मीटिंग में एजेंडे रखे गए जिनमें क्रमशः उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। पुरानी पेंशन लागू की जाए। विभाग में बसों कि संख्या 18000 कि जाए। हिट एण्ड रन का काला कानून रद्द किया जाए। रोड सेफ्टी बिल रद्द किया जाए। आठवां वेतन आयोग लागू किया जाए। 18 महीने का बकाया डीए दिया जाए। सभी कैटेगरी की वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए। धुलाई भत्ता पूर्व कि भांति दिया जाए। ई एल छुट्टियां पुराने नियम से दी जाएं आदि मुद्दों को लेकर फरीदाबाद डिपो से सैकडों कर्मचारी 24 मई को अम्बाला में परिवहन मंत्री के आवास पर मास डेपुटेशन के रूप में पहुंचेंगे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रवीण कुमार, पुत्रः** राम किशन, **निवासीः** म.नं. ई–33, हर्ष विहार, टंकी रोड, जैतपुर, नई दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 268/2017, U/s 392/323/506/34 IPC, थानाः बदरपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रवीण कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रवीण कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 268/2017, U/s 392/323/506/34 IPC, थानाः बदरपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रवीण कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद जोशी
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, दक्षिण–पूर्व जिला
कमरा नं. 515, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/6153/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रमोद उर्फ घंटू** पुत्र चंद्रमा प्रसाद निवासी मकान नंबर 386, निरंकारी कॉलोनी, प्रधान मार्केट, मुखर्जी नगर, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं.398/20 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना मुखर्जी नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रमोद उर्फ घंटू** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रमोद उर्फ घंटू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 398/20 धारा 25/54/59 शस्त्र अधिनियम, थाना मुखर्जी नगर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **प्रमोद उर्फ घंटू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **20.07.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री अमरदीप कौर,
अति. मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (उत्तर),
कमरा नं. 117,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली,

DP/6132/NW/2026

शहर में लगे गंदगी के ढेर, सीवर भी हो रहे है चोक, जनता परेशान

सफाई कर्मचारियों को सरकार ने नहीं बुलाया वार्ता के लिए, बढ़ा दी 14 मई तक हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सरकार ने सफाई कर्मचारियों को वार्ता के लिए नहीं बुलाया नाराज नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा ने 14 मई वीरवार तक तीन दिन आगे बढाई हड़ताल। 16 फरवरी की आगजनी में घायल होने के बाद मृतक भवीचंद रणबीर व कालका जी स्टील कंपनी के मजदूर प्रदीप कुमार, बृजपाल के आश्रितों ने हड़ताली कर्मचारियों के बीच मीडिया को अपना दुखड़ा सुनाया। मृतकों के आश्रितों ने बताया कि सरकार एवं प्रशासन द्वारा उनसे कई वादे किए गए थे लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया। आज वह अपने परिवारों को चलाने व बच्चों को पढने सहित अन्य गृहस्थी की जिम्मेदारियां को पूरा करने के लिए असहाय हो गई है।

आज नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के नेतृत्व में पालिका एवं फायर कर्मचारी की चल रही। हड़ताल को उस वक्त अत्यधिक बल मिला, जब अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा व राष्ट्रीय महासचिव ए. कुमार ने पालिका एवं फायर की हड़ताल का समर्थन करते हुए आगामी 14 मई को पूरे देश की सभी जिला मुख्यालयों पर भोजन अवकाश के समय विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की।

गौरतलब है कि नगर निगम मुख्यालय हड़ताल स्थल पर सुबह से ही दलित सामाजिक संगठनों धार्मिक एवं अलग-अलग विभागों के कर्मचारी संगठनों ने भी हड़ताल कर रहे फायर व पालिका कर्मचारियों का समर्थन करते हुए मीठे पानी की स्टाल एवं भंडारे भी लगाए। डॉ अम्बेडकर सामाजिक एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान्यवर शेर सिंह, सचिव रामधर, कोषाध्यक्ष अशोक नरवाल, खजान सिंह, आदर्श कॉलोनी वाल्मीकि अखाड़ा संस्थापक राजकुमार वाल्मीकि, सुनील कंडेरा, रणधीर चिंडालिया, इंद्रपाल, वाल्मीकि समाज सुधार ट्रस्ट के प्रधान किशोरी लाल, राकेश धिक्याब, अमित, कल्याण, हरीश कुमार के अलावा झाड़ू छोड़ो, कलम उठाओ, मिशन के संस्थापक करण वाल्मीकि रोहतकिया व उनकी समस्त टीम तथा हरियाणा वाल्मीकि महासभा रजिस्ट्रेशन नंबर 25 के जिला प्रधान बाबूलाल नंबरदार सहित दर्जनो संगठनों ने समर्थन किया। आज के 11 दिन की हड़ताल की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान दिलीप बोहत ने की तथा मंच का संचालन जिला सचिव अनिल चंडाल ने किया। धरना स्थल पर एसडीएम को बृजपाल व प्रदीप कुमार के आश्रितों को न्याय दिलाने के लिए उपायुक्त के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने सरकार पर अडियल रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पालिका, परिषद, निगमों के कर्मचारियों की सरकार के प्रति बढ़ रही, नाराजगी को लेकर आगामी 14 मई वीरवार तक तीन दिन आगे हड़ताल को बढ़ाने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री ने विशेष एम्बुलेंस और रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दिल्ली सरकार ने शुरू किया 'सेवा एवं रेस्क्यू अभियान'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने बेसहारा, बीमार और असहाय लोगों का सहारा बनने के लिए सोमवार को विशेष 'सेवा एवं रेस्क्यू अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री सेवा सदन' से विशेष एम्बुलेंस और रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह पांच दिवसीय सघन अभियान 11 मई से 15 मई तक दिल्ली के सभी 13 जिलों में चलाया जाएगा। इस विशेष अभियान के माध्यम से दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 300 से अधिक जरूरतमंद लोगों को तत्काल सहायता प्रदान की जाएगी। यह पहल दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग, अपना

घर आश्रम और सेवा भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर शकूर बस्ती के विधायक श्री करनैल सिंह, अपना घर आश्रम के संस्थापक डॉ. बी एम भारद्वाज, सेवा भारती दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित सभी सबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने उन विशेष एंबुलेंस एवं रेस्क्यू वाहनों को रवाना किया है, जो पूरे शहर में सड़कों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रहने वाले निराश्रित, बीमार एवं असहाय लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। ऐसे लोगों को अपना घर आश्रम में लाकर उनका उपचार, देखभाल, भोजन, चिकित्सा एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। अगर किसी जरूरतमंद व्यक्ति का परिवार उपलब्ध होगा और वह उन्हें वापस अपने साथ ले जाने के लिए तैयार होगा तो स्वस्थ होने के बाद उन्हें परिवार से पुनः जोड़ा जाएगा। वहीं, जिन लोगों का कोई सहारा नहीं है, उनकी देखभाल आश्रम में ही पूरी संवेदनशीलता और मानवता के साथ की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपना घर आश्रम संस्था सही मायनों में मानवता की सेवा का कार्य कर रही है। हजारों बुजुर्ग, महिलाएं और बेसहारा लोग इस संस्था के माध्यम से नया जीवन और सम्मानजनक देखभाल प्राप्त कर रहे हैं। कई लोग गंभीर बीमारियों, शारीरिक तकलीफों और उपेक्षा की स्थिति में सड़कों के किनारे रहने को मजबूर हैं, उन्हें समय पर उपचार, भोजन और आश्रय तक नहीं मिल पाता। ऐसे लोगों तक सहायता पहुंचाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। दिल्ली सरकार पुलिस प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे।

असहाय, बीमार, दिव्यांग एवं बेसहारा महिला और पुरुषों को किया जा रहा है रेस्क्यू

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से शुरू किए गए इस अभियान के तहत दिल्ली के सभी 13 जिलों में सड़कों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे असहाय, निराश्रित, बीमार, दिव्यांग एवं बेसहारा महिला और पुरुषों का रेस्क्यू किया जा रहा है। अभियान में टीबी, कैंसर, एड्स जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित आश्रय, उपचार और देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए 19 विशेष रेस्क्यू एंबुलेंस, 10 सहयोगी वाहन, लगभग 100 सदस्यीय स्टाफ और 50 समर्पित वालंटियर लगातार कार्यरत हैं।

भाजपा का हर कार्यकर्ता है हमारा गौरवः सचदेवा

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की हुई शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा का हर कार्यकर्ता हमारा गौरव है और यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को संगठन के इतिहास विकास से लेकर ए.आई. तक की जानकारी देकर उनके संगठन कौशल को, तर्क शक्ति को और मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रबंधन को नई धार देगा। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सोमवार को कार्यकर्ता विकास एवं दायित्व बोध विषय पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत भाजपा के कार्यकर्ताओं और संगठन निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 11-12 मई को खाटूधाम, अलीपुर में आयोजित उत्तर पश्चिम जिले के प्रशिक्षण शिविर में दीप प्रज्वलन करके प्रथम उद्घाटन सत्र को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सम्बोधित किया। इसके साथ ही केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम, वरिष्ठ प्रचारक दयानंद, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज, वरिष्ठ नेता यासिर जिलानी एवं पुनीत अग्रवाल आदि ने विभिन्न संगठनात्मक सत्रों को सम्बोधित।

खबर संक्षेप

मौसम में बदलाव, पारा 37 डिग्री पार

नई दिल्ली। दिल्ली वालों को कई दिनों कूल कूल राहत के बाद रविवार व सोमवार को सूरज के बिगड़े तेवरो ने परेशान किया है। सोमवार की सुबह बेहद गर्म रही और न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है। दूसरी तरफ दिन में बेशक अधिकतम तापमान बढ़कर 37 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया हो, लेकिन अब भी सामान्य से नीचे ही है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सोमवार को राजधानी की सुबह बेहद गर्म रही , जो गत कई दिनों में सबसे गर्म कही जा सकती है। दिन में आसमान पर बादलों का देखा गया, लगा कि बरसेंगे, लेकिन बिन बरसे ही आगे निकल गए। रात के समय कई जगह हल्की बारिश की खबर है।

बिजली की मांग बड़ी, एक दिन में 640 मेगावाट से ज्यादा हुई खपत

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ती गर्मी का असर बिजली की मांग पर पड़ा, जिससे एक ही दिन में 640 मेगावाट की बड़ी उछाल दर्ज हुई। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) दिल्ली के अनुसार सोमवार को दोपहर 3.15 बजे बिजली की अधिकतम खपत का आंकड़ा बढ़कर 6343 मेगावाट पहुंच गया। जबकि ठीक एक दिन पहले रविवार को बिजली की यह मांग 5701 मेगावाट दर्ज हुई थी। आंकड़े बताते है कि एक ही दिन में बिजली की मांग में 640 मेगावाट की बड़ी मांग दर्ज हुई है। मांग बढ़ने के साथ ही दिल्ली में कई क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती की शिकायतें भी सामने आई है। बिजली की मांग में 640 मेगावाट की एकाएक बढ़ोत्तरी को लेकर दोनों निजी बिजली आपूर्ति कंपनी बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल के आला अधिकारियों का कहना है कि यह कोई अप्रत्याशित आंकड़े नहीं है।

'निर्माण-तोड़फोड़ साइट्स पर 100 जीएसएम मोटाई वाला ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य'

नई दिल्ली। दिल्ली के सभी निर्माण और तोड़फोड़ साइट्स पर कम से कम 100 जीएसएम मोटाई वाला ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस बात की जानकारी सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी है। सिरसा ने बताया कि इस बाबत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) निर्देश जारी कर दिए हैं। यह फैसला निर्माण और तोड़फोड़ गतिविधियों से होने वाले भारी धूल प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सिरसा ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई पूरी तेजी से आगे बढ़ रही है।

महापौर ने सिविल लाइन जोन के बादली क्षेत्र का किया निरीक्षण

'सफाई व्यवस्था में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को सिविल लाइन ज़ोन के अंतर्गत बादली क्षेत्र का गहन निरीक्षण कर क्षेत्र की सफ़ाई व्यवस्था एवं नागरिक सुविधाओं की जमीनी हकीकत का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा कर नागरिकों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएँ सुनीं तथा मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बादली क्षेत्र में जगह-जगह फैली गंदगी, सड़कों पर पड़े मलबे तथा बदहाल सफ़ाई व्यवस्था को देखकर महापौर प्रवेश वाही ने गहरी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि सफ़ाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिविल लाइंस ज़ोन के अंतर्गत बादली क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान विधायक, दीपक चौधरी, क्षेत्रीय निगम पार्षद गायत्री यादव, क्षेत्रीय उपायुक्त शशि प्रताप सिंह सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

'मंगोलपुरी की कतरन मार्केट पर चला बुलडोजर'

कारोबारियों का फूटा गुस्सा, बिना नोटिस कार्रवाई और पुलिस पर मारपीट के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके स्थित मशहूर कतरन मार्केट में एमसीडी द्वारा बड़े स्तर पर बुलडोजर कार्रवाई किए जाने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कथित अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, जिसके दौरान कई दुकानों और अस्थायी ढांचों को तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में कारोबारी, महिलाएं और स्थानीय लोग मौके

पर इकट्ठा हो गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। लोगों का आरोप था कि उन्हें किसी प्रकार का पूर्व नोटिस नहीं दिया गया और अचानक बुलडोजर चलाकर उनकी रोजी-रोटी पर चोट की गई। यहां के कारोबारी लोगों का कहना है कि यह मार्केट पिछले करीब 40 वर्षो से संचालित हो रही है और यहां हजारों परिवारों का पालन-पोषण होता है। लोगों ने दावा किया कि बाजार में करीब 3 से 4 हजार दुकानें हैं और लाखों लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हुए हैं। कारोबारियों और महिलाओं ने पुलिस प्रशासन पर अभद्र व्यवहार और मारपीट के आरोप भी लगाए। कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और थप्पड़ तक मारे। वहीं मार्केट के प्रधान ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारी भी कथित रूप से मारपीट में शामिल थे।

वर्षों से कर रहे हैं यहां रोजगार

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे यहां वर्षों से रोजगार कर रहे हैं। उनका आरोप है कि एमसीडी अधिकारी बातचीत को तैयार थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने किसी प्रकार की राहत नहीं दी। मौके पर मौजूद निगम पार्षद ने भी दावा किया कि उन्हें कार्रवाई की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि लोगों के रोजगार और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई जारी रहेगी। कारोबारियों ने केंद्र सरकार के स्ट्रीट वेंडिंग कानून और टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें रोजगार का अधिकार प्राप्त है और सरकार को उन्हें सुविधाएं देने के बजाय लगातार परेशान किया जा रहा है।

यमुना सफाई के लिए कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स पर फोकस : प्रवेश वर्मा

जल मंत्री ने पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली सरकार ने अपने प्रयास और तेज कर दिए हैं। वर्षों से प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए अब ठोस और समन्वित रणनीति पर काम हो रहा है। इसके तहत सरकार कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स पर फोकस कर रही है।

इस बात की जानकारी दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के साथ एक अहम बैठक करने के बाद कही। इस बैठक में राजधानी में संचालित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपीएस की भूमिका और उनकी कार्यक्षमता की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सामने आया कि औद्योगिक कचरा यमुना प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसे में सीईटीपीएस की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि ये वह व्यवस्था है जहां प्रदूषित पानी को नदी में जाने से पहले ही ट्रीट किया जा सकता है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि बैठक में सीईटीपीएस को और अधिक मजबूत करने और उनकी निगरानी को सख्त बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अगर सीईटीपीएस सही ढंग से काम करें, तो यमुना को पुनर्जीवित होने का वास्तविक मौका मिल सकता है और हम उसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यमुना सफाई के लिए बहु-स्तरीय योजना पर काम कर रही है।

दिल्ली को आग की घटनाओं से सुरक्षित बनाने के लिए फायर विभाग का होगा आधुनिकीकरण : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली को आग की घटनाओं से सुरक्षित बनाने के लिए फायर विभाग का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इस बात की जानकारी सोमवार को दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में फायर विभाग की एक अहम बैठक करने के बाद दी। इस बैठक में फायर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सभी छह डिवीजनों के डिविजनल अधिकारी भी उपस्थित थे।

- दिल्ली के गृह मंत्री ने दिल्ली फायर सर्विसेज के वरिष्ठ अधिकारियों और डिवीजनल अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

बैठक के दौरान मंत्री सूद ने राजधानी में आग की घटनाओं की रोकथाम तथा आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से फायर प्रिपेयर्डनेस प्लान, फायर प्रिवेंशन में आने वाली बाधाओं (बॉटलनेक), नवीनतम फायर उपकरणों की उपलब्धता, नए फायर वाहनों की खरीद, फायर विभाग के आधुनिकीकरण की योजनाओं तथा फायर फाइटिंग मास्टर प्लान पर विस्तार से चर्चा की। इसके अतिरिक्त बैठक में फायर विभाग के रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने, इंटरनल कम्युनिकेशन सिस्टम को अत्याधुनिक बनाने, मॉडर्न कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम विकसित करने तथा फायर अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। मंत्री सूद ने सभी डिवीजनल अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के प्रभारी होते हैं, इसलिए आग की घटनाओं की रोकथाम और उन पर नियंत्रण की सीधी जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। इसके साथ ही मंत्री सूद ने सभी डिवीजनल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में आरडब्ल्यूए, मार्किट एसोसिएशन, धार्मिक समितियों, पार्क क्लबों तथा अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के सहयोग से आग की घटनाओं के समय बचाव संबंधी जागरूकता अभियान जैसे मॉक ड्रिल, आग के समय क्या करें और क्या न करें, और आग रोकने संबंधी उपायों पर चर्चा कराएं। गृह मंत्री सूद ने सभी डिवीजनल अधिकारियों को फायर प्रिवेंटिव स्ट्रेटेजी, जागरूकता कार्यक्रमों तथा इमरजेंसी प्रिपेयर्डनेस को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

प्रति एकड़ सहायता 2.55 लाख से बढ़ाकर 3.8 लाख रुपये करने का प्रस्ताव

पार्कों और उद्यानों के रखरखाव के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाएगी दिल्ली सरकार : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बढ़ती लागत और श्रमिकों की मजदूरी को ध्यान में रखते हुए पार्कों और उद्यानों के रखरखाव के लिए दी जाने वाली वार्षिक सहायता को दिल्ली सरकार ने 2.55 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 3.8 लाख रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष करने का प्रस्ताव किया है। इस बात की जानकारी सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की इस पहल से न केवल राजधानी में हरित आवरण का विस्तार होगा, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी और समग्र शहरी पर्यावरण में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। यह वृद्धि साफ-सफाई, सिंचाई, हरियाली के संरक्षण और समग्र रखरखाव को बेहतर बनाएगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि नए पार्कों के निर्माण और विकास के लिए दी जाने वाली एकमुश्त सहायता को 1.0 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 2.9 लाख रुपये प्रति एकड़ करने का प्रस्ताव है। यह कदम तेजी से शहरीकरण के बीच हरित क्षेत्रों के संरक्षण और विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे राजधानी के विभिन्न इलाकों, विशेषकर नई विकसित कॉलोनियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में नए पार्कों के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि सुनियोजित हरित स्थल न केवल शहर की सौंदर्यात्मक पहचान को मजबूत करते हैं, बल्कि नागरिकों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बढ़ती गर्मी, प्रदूषण और भागदौड़ भरी जीवनशैली के बीच पार्क लोगों को स्वच्छ हवा, सुकून भरा वातावरण और सामुदायिक जुड़ाव का अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मौजूदा 90:10 के वित्तीय साझेदारी मॉडल को समाप्त कर 100 प्रतिशत सरकारी सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखा गया है। वर्तमान 90:10 मॉडल के तहत कुल लागत का 90 प्रतिशत सरकार वहन करती थी, जबकि शेष 10 प्रतिशत आरडब्ल्यूए/संस्थाओं को देना पड़ता था, जिससे छोटे संगठनों की भागीदारी सीमित रहती थी।

'नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक हरित स्थल होंगे उपलब्ध'

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार मौजूदा पार्कों के उत्थान के लिए भी एकमुश्त वित्तीय सहायता देने पर विचार कर रही है। आरडब्ल्यूए और सोसायटियों की मांग के आधार पर डिस्प्ले बोर्ड, डस्टबिन और यूपीवीसी सिंचाई पाइप लाइन जैसी सुविधाओं के लिए 2.5 लाख रुपये प्रति एकड़ तक की सहायता प्रदान की जा सकती है। यह सहायता संबंधित संस्थाओं के अनुरोध पर उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग का कहना है कि दिल्ली के पार्क और उद्यान अधिक स्वच्छ, सुव्यवस्थित और टिकाऊ बन सकेंगे। इससे नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक हरित स्थल उपलब्ध होंगे और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिलेगी।

यादव का एलजी को पत्र, यमुना घाट पर परिवारों को उजाड़ने से बचाने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को पत्र लिखकर यमुना बाजार घाट क्षेत्र में अंग्रेजों के समय से रह रहे परिवारों को उजाड़ने से बचाने और उनकी आजीविका की रक्षा करने की अपील की है। यादव ने बताया कि पत्र में लिखा है कि रेखा गुप्ता सरकार यमुना घाटों के सौंदर्यकरण के नाम पर यहां घाटों के नजदीक रहने वाले लोगों को उजाड़कर उन्हें बर्बाद करना चाहती है। इसलिए एलजी से अपील है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा निगम बोध घाट के पास यमुना बाजार घाट क्षेत्र में लगभग 310 परिवारों को जारी किए गए नोटिस से तोड़ फोड़ को रोकने के लिए हस्तक्षेप करें। दिल्ली सरकार ने बाढ़ के मैदानों (ओ-जोन) पर अतिक्रमण और उच्च बाढ़ जोखिम का हवाला देते हुए उन्हें घर खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दिया, जो पूरी तरह अमानवीय और अवैध है। क्योंकि इनमें से अधिकांश परिवार अंग्रेजों के समय से ऐतिहासिक यमुना घाट, सिविल लाइंस 32 घाटों पर रह रहे हैं। इनमें निगम बोध शमशान घाट में अंतिम संस्कार संबधी कार्य द्वारा अपनी अजीविका चलाने वाले पंडे सहित अन्य लोग शामिल है। यह परिवार 100 वर्षों से अधिक समय से यमुना घाटों पर रह रहे हैं और समय-समय पर विभिन्न पूर्ववर्ती सरकारों के संबधित विभागों द्वारा यमुना बाजार क्षेत्र यमुना किनारें घर बनाने की अनुमति दी जाती थी। उन्होंने कहा कि इन लोगों को ब्रिटिश शासन से अब तक मौजूदा स्थान पर घर बनाने और रहने की अनुमति दी जाती रही है। यादव ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार और पिछली आप सरकार ने यमुना की सफाई और मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए। बावजूद इसके अभी तक यमुना नदी में प्रदूषण उच्च स्तर पर बना हुआ है।

सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

बचपन को शीतल छांव देते पारिवारिक मूल्य

इस बार अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम है- परिवार, असमानताएं और बाल कल्याण। बाल कल्याण के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है, परिवार में पारिवारिक मूल्य हों। इस तरह के स्वस्थ और खुशगवार माहौल में बच्चे अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे, उनका सर्वांगीण विकास होगा।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

छीजते पारिवारिक मूल्य आज एक बड़ी चिंता बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा खामियाजा नई पीढ़ी को भोगना पड़ रहा है। परिवार के बिखराव ने बच्चों से बड़ों का स्नेह और सहज सुरक्षा की छांव छीन ली है। आपाधापी में गुम अभिभावक और छोटे होते जाते परिवारों के इस दौर में बच्चों की मासूमियत खो रही है। बालमन की मनुहार करने का माहौल कहीं गुम हो गया है। सही मार्गदर्शन देने वाला अपनेपन का परिवेश नहीं बचा है। वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस की थीम फैमिली सिस्टम के बदलते पैटर्न और बचपन को सहेजने वाले विषय पर ही केंद्रित है। इस साल का विषय 'फैमिलीज, इनइक्वेलिटी एंड चाइल्ड वेलबीइंग' है। असल में परिवार, असमानता और बच्चों का वेलफेयर आपस में गहराई से जुड़े हैं। ऐसे में पारिवारिक मूल्य और सामंजस्यपूर्ण परिवेश ही नई पीढ़ी को सही सुरक्षा और संबल दे सकता है।

पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी सुरक्षा

चाइल्ड वेलबीइंग का सबसे अहम पहलू है- सुरक्षा। बच्चों की हिफाजत के मोर्चे पर परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। नवजात की देखभाल से लेकर टीन एज के बदलावों भरे पड़ाव तक, अपने आंगन में मिली सुरक्षा की छांव से बढ़कर कुछ नहीं होता। हर परिस्थिति में परिवारजनों से मिला स्नेह अनमोल होता है। तकलीफदेह है कि सुरक्षा का यह साया अब सिमट रहा है। पारिवारिक मूल्य का खत्म होना इसकी सबसे बड़ी वजह है। ध्यान रहे कि परिवार से मिले जीवन मूल्य बच्चों का मन थामने का काम करते हैं। बड़ों के बर्ताव में बच्चों की सेफ्टी से जुड़ा साझा भाव लाते हैं। इस वैल्यू सिस्टम के खत्म होने से बच्चों में अपराध, अकेलापन, अवसाद और आत्महत्या के आंकड़े बढ़े हैं। यह स्थिति समग्र समाज में भयभीत करने वाली है। वहीं दूसरी ओर बहुत से परिवारों में अपने ही बच्चों के मन-जीवन को घाव देने लगे हैं, जिससे अविश्वास का परिवेश बन रहा है। कुल मिलाकर पारिवारिक मूल्यों के फीके पड़ते रंग नई पीढ़ी को असुरक्षा के स्याह घेरे में ला रहे हैं। सामने आने वाली घटनाएं भी बताती हैं कि असमानता को झेलने वाले कमजोर परिवारों में बच्चे अधिक असुरक्षित होते हैं। निम्न आय वर्ग वाले घरों में पैरेंट्स अपने बच्चे की शिक्षा और मूल्यों से पहले रोजी-रोटी के बारे में सोचते हैं। यही वजह है कि चाइल्ड वेलबीइंग के लिए आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक समानता का परिवेश भी आवश्यक है।

मनोबल बढ़ाते पारिवारिक मूल्य

बाल कल्याण और विकास के लिए ही नहीं, बच्चों के दिलो-दिमाग को सही दिशा देने के लिए भी पारिवारिक मूल्य बहुत महत्वपूर्ण हैं। परिवार से मिले संस्कार बच्चों का व्यक्तित्व और विचार दोनों बनाते हैं। पारिवारिक संस्कार न केवल चुनौतियों का सामना करने बल्कि दूसरों की भावनाओं की कद्र करने की संवेदनशीलता भी लाते हैं। इमोशनली स्वस्थ रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अध्ययन के मुताबिक बच्चे हों या वयस्क, परिवार का समर्थन दोनों के भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परिवार ही बच्चों को सोशल स्किल्स सीखाता है। परिवार से मिलने वाले गाइडलाइंस अपने देश से जोड़ने वाली सही समझ पोसते हैं। बच्चों को पालन-पोषण की जिम्मेदारी उठाने के साथ आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी परिवार ही देता है। फैमिली से मिला साथ-स्नेह और मार्गदर्शन देश के भावी नागरिकों के जीवन को मनोबल की मजबूत बुनियाद देता है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट का रिसर्च कहता है कि परिवार के नजदीकी संबंध इंसान को खुशहाल बनाते हैं। फिर नई पीढ़ी के लिए तो परिवार ही पूरा संसार होता है। इस संसार में करीबी अपनों से मिली हर सार्थक सीख जिंदगी को हिम्मत से जीने का बल देती है। नेशनल काउंसिल ऑफ फैमिली रिलेशंस के मुताबिक, 'पारिवारिक मूल्य इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे सुरक्षा, मार्गदर्शन, स्नेह और समर्थन के स्रोत के रूप में एक आधार प्रदान करते हैं। पारिवारिक मूल्य सिखाकर बच्चों को भविष्य में गलत निर्णय लेने से बचाया जा सकता है।'

सरोकारी सोच को बल

इंटरनेशनल-डे ऑफ फैमिलीज, परिवार के प्रति प्रेम और समर्पण को रेखांकित करने के साथ ही सामाजिक संरचना में परिवार की भूमिका को याद करने के लिए भी मनाया जाता है। पारिवारिक मूल्य ही सोशल सिस्टम में परिवार के रोल को महत्वपूर्ण बनाते हैं। देखने में आ रहा है कि पारिवारिक मूल्यों का सिमटना, सरोकारी सोच और समानता के भाव को भी कम कर रहा है। किसी भी स्तर पर असमानता और जिम्मेदार सोच की कमी व्यक्तिगत जीवन ही नहीं, समाज और देश के लिए भी नुकसानदेह है। ऐसे में समाज, देश और स्वयं इंसानों के अस्तित्व को बचाने के लिए भी पारिवारिक मूल्यों को बचाना आवश्यक है। फैमिली सिस्टम में समानता का होना, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर सहजता का परिवेश बनाता है। 'जरनल ऑफ एडोल्सेंस' में छपी रिसर्च के मुताबिक गरीब पृष्ठभूमि वाले परिवार के बच्चों को विशेष मदद की दरकार होती है। ऐसे बच्चे जानकारी जुटाने में भी कमजोर होते हैं। उनमें भावनात्मक और व्यावहारिक परेशानियां अधिक होती हैं। अभावों के बीच पलने वाले बच्चे डिप्रेशन और एंग्जाइटी के ज्यादा शिकार हो सकते हैं। ऐसे में पारिवारिक परिवेश में सरोकारी समझ पोसने के साथ ही आय, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की इनइक्वेलिटी मिटाने का संदेश देने वाली इस वर्ष की थीम बहुत अहम है। बच्चों को बेहतर जीवन देने के लिए समानता का धरातल बनाते हुए परिवारों को मजबूत सामाजिक और आर्थिक सहायता सिस्टम से जोड़ने के प्रयास भी किए जाएंगे। स्पष्ट है कि पारिवारिक सिस्टम को मजबूती दिए बिना बच्चों को सुरक्षित भविष्य नहीं दिया जा सकता। ऐसे में जिन परिवारों के हालात कमजोर हों, समाज की सरोकारी सोच हर तरह से सहारा दे सकती है।

चुनौती और चेतावनी

आज के समय में एक ओर पारिवारिक मूल्यों को बचाना चुनौती है तो दूसरी ओर इनसे बढ़ती दूरी एक बड़ी चेतावनी है। इस स्थिति से जूझने के लिए हर परिवार को अवेयर होना होगा। नई पीढ़ी को पारिवारिक मूल्यों के सिखाने के साथ ही, सामाजिक लेवल पर भी बराबरी और आपसी समझ का परिवेश बनाना होगा। यूं भी अच्छे पारिवारिक मूल्य ही अच्छा समाज बनाते हैं। सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र बनाता है। आम से लगने वाले ये नैतिक दिशा-निर्देश सदा से ही खास मानवीय भावों को खाद-पानी देते हैं। स्वस्थ जीवन और स्पष्ट-सधी सोच वाले नागरिक बनाते हैं। मौजूदा दौर की अधिकतर समस्याओं का हल फैमिली सिस्टम के जुड़ाव से निकाला जा सकता है।

मिड एज में दिखेंगी स्मार्ट

अकसर बढ़ती उम्र में महिलाएं सोचने लगती हैं कि अब सजने-संवरने की उम्र बीत गई, अब सजे-संवरे तो लोग क्या कहेंगे? लेकिन आप अगर स्मार्ट लुक मेंटेन करती हैं तो आपकी पर्सनालिटी निखरने के साथ ही आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। इसके लिए क्या करें, जानिए।

जीवनशैली
प्रतिभा अग्निहोत्री

अकसर 45-50 की उम्र पार करते ही महिलाएं यह कहते सुनी जाती हैं, 'अरे इस उम्र में क्या सजना-संवरना!' देखा जाए तो उम्र सिर्फ एक नंबर होता है, आप किसी भी उम्र की हों सजना, संवरना, फैशनेबल ड्रेस पहनना न सिर्फ आपका अधिकार है बल्कि आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के लिए भी बहुत आवश्यक है। उम्र के हर पड़ाव पर मौसम, फैशन और अवसर के अनुकूल स्टाइल करके आप हर कहीं स्मार्ट-अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

उम्र को भूल जाएं: कोई ड्रेस पहनते समय अपनी उम्र को याद रखने की जगह इसे भूल जाएं। जो भी फैशन और स्टाइल करने का आपका मन कर रहा है, उसे बिना हिचक के अपनाएं। लोग क्या कहेंगें की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनें, क्योंकि आप चाहे जो भी करें लोगों को तो कुछ न कुछ कहना ही होता है।

मनमाफिक हो ड्रेस कलर: मिड एज की महिलाएं आमतौर पर मानती हैं कि इस उम्र में डार्क कलर्ड ड्रेसेस अच्छी नहीं लगती हैं। ऐसी सोच सही नहीं है। आप ब्लैक, नेवी ब्लू, मैरून और डार्क ग्रीन जैसे कलर्स की ड्रेसेस बेफिक्र होकर पहनें। ये आप पर बहुत फबेंगे। ध्यान रखिए कि उम्र का रंग से कोई संबंध नहीं होता। आप हर उस कलर की ड्रेस को पहन सकती हैं, जो आपको पसंद हो और आपकी पर्सनालिटी को आकर्षक बनाए।

अपने वजन पर रखें कंट्रोल: उम्र बढ़ने के साथ-साथ अकसर महिलाएं अपने बढ़ते वजन के प्रति भी लापरवाह हो जाती हैं। अपनी डाइट को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ प्रतिदिन योगा, वॉकिंग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, जिससे आपका शरीर एक्टिव और वजन नियंत्रण में रहेगा। इससे हर तरह की ड्रेस आप पर सूट करेगी। आप स्मार्ट नजर आएंगी।

फैशन का रखें ध्यान: आजकल बड़े ज्योमेट्रिकल, फ्लोरल और पोल्का डॉट्स प्रिंट के साथ-साथ हैवी एंब्रॉयडरी वाले प्रिंट्स वाली ड्रेसेस भी खूब चलन में हैं। आप इनमें से किसी भी प्रिंट के आउटफिट का चुनाव कर सकती हैं। आजकल कोर्ड सेट भी फैशन में हैं, इन्हें पहनकर आप फैशनेबल ही नहीं स्टाइलिश भी लगेंगी।

हेयर स्टाइल से नया लुक: आउटफिट के साथ-साथ हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। आमतौर पर मिडएज महिलाएं चोटी या जूड़ा बांधना पसंद करती हैं। इसकी जगह खुले बाल या लेयर्ड और शॉर्ट हेयर कट से आप अपने बालों को नया लुक दे सकती हैं। इससे बढ़ी उम्र में भी आप यंग और स्मार्ट लगेंगी। बालों के वॉल्यूम को बढ़ाने के लिए हमेशा अच्छे ब्रांडेड हेयर प्रोडक्ट्स का ही प्रयोग करें। इससे आपके बाल कमजोर नहीं होंगे और उनकी शाइन बनी रहेगी, जो आपकी बढ़ी उम्र को कम करके दिखाएगी।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- मेकअप ऐसा करें, जो आपके कॉम्प्लेक्शन को निखारे और आपकी पर्सनालिटी को यंग लुक दे।
- अपने आउटफिट और अवसर के अनुकूल ऑक्सिडाइज्ड, गोल्ड, सिल्वर या एंटीक ज्वेलरी पहन सकती हैं।
- आपके ओवरऑल लुक पर फुटवियर भी अफेक्ट करता है, आप ब्लॉक हील, हाई हील, किटेन हील या फिर स्नीकर्स को पहन सकती हैं।
- मिड एज में भी आप अपनी कोई भी मनपसंद आउटफिट पहन सकती हैं, बशर्ते उसे पहनकर अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें।
- आउटफिट से मैच करता कोई भी स्लिंग या साइड बैग आपकी लुक को यंग टच देगा।

लिविंग रूम घर का एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर फैमिली मेंबर्स आराम से बैठकर टाइम स्पेंड करते हैं, रिलैक्स होते हैं। अगर आप चाहती हैं आपका लिविंग रूम, कंफर्टेबल होने के साथ स्टाइलिश भी दिखे तो यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

स्टाइल-कंफर्ट का कॉम्बिनेशन आपका लिविंग रूम दिखेगा अट्रैक्टिव

इंटीरियर
ललिता गोयल

अगर घर में सुकून के कोने की बात करें तो वह लिविंग रूम ही होता है। लिविंग रूम किसी भी घर का दिल होता है। यही वह जगह होती है, जहां न केवल आप मेहमानों का स्वागत करती हैं, शाम या फुर्सत के पलों में परिवार के साथ सुकून के पल बिताती हैं। दिन भर की बातों को एक-दूसरे के साथ शेयर करते हैं। ऐसे में घर के इस खास जगह का इंटीरियर सुकून भरा होना और स्पेशल होना भी जरूरी हो जाता है। आइए जानते हैं कुछ आसान तरीके, जिनसे आप अपने लिविंग रूम को बना सकती हैं, स्टाइल और सुकून का परफेक्ट कॉम्बिनेशन।

कुशन कवर: लिविंग रूम को हल्के और कंट्रास्ट कलर के अलग-अलग टेक्सचर और पैटर्न वाले कुशन कवर से रिच लुक दें। यह बदलाव पूरे कमरे की वाइब बदल देता है।

फर्नीचर का प्लेसमेंट: लिविंग रूम का फर्नीचर ऐसा रखें, जो आपस में कलेक्टेड हो लेकिन यह रूम में चलने-फिरने की जगह को न रोके।

कलर ऑप्शंस: अगर लिविंग रूम छोटा है, तो व्हाइट, क्रीम या लाइट ग्रे कलर चुनें। इससे कमरा बड़ा और प्यारा दिखता है।

दीवारें: खाली दीवारें रूम को बोरिंग बनाती हैं। दीवारों पर पुराने फोटो फ्रेम या प्रिंटेड पोस्टर लगाएं। आप फैमिली फोटो का कोलाज या कुछ बजट-फ्रेंडली पेंटिंग्स से भी डेकोरेट कर सकती हैं। पुरानी कांच की कुछ बोतलों को खुद से पेंट करके इनमें लाइट लगाकर अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स: ग्रीनरी हमेशा लग्जरी फील देती है। इंडोर प्लांट्स न सिर्फ खाली कोनों को लाइटअप करते हैं, बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छे होते हैं। इसके लिए इंडोर प्लांट्स जैसे मनी प्लांट, स्नेक प्लांट या एलोवेरा एकदम परफेक्ट रहते हैं। ये न केवल हवा को शुद्ध करते हैं, बल्कि कमरे के खाली कोनों को एक नेचुरल और प्रीमियम लुक भी देते हैं। इंडोर प्लांट्स को पुराने चाइना कप में लगाकर सजाया जा सकता है। अगर जगह कम है, तो आप हैंगिंग पॉट्स का ऑप्शन भी चुन सकती हैं।

मॉडर्न थीम: यह थीम उन लोगों के लिए होती है, जो स्टाइल और लग्जरी पसंद करते हैं। इसमें डेकोरेशन का सामान सीधी लाइंस और जियोमेट्रिक आकारों का होता है। रंगों की बात करें तो ब्लैक, व्हाइट, ग्रे और मेटल (गोल्ड या क्रोम) फिनिश कलर्स का अधिक यूज किया जाता है। कम ऊंचाई वाले सोफे और कांच या मार्बल टॉप वाली टेबल्स से रूम को सजाया जाता है। यह थीम देखने में बहुत ही पॉलिश्ड और क्लासी लगती है।

ट्रेडिशनल-एथनिक थीम: अगर आपको भारतीय संस्कृति और कला से लगाव है और आप इस थीम से लिविंग रूम डेकोरेट करना चाहती हैं तो नक्काशीदार लकड़ी का फर्नीचर और पीतल के सजावटी सामान से लिविंग रूम को सजाएं। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग का कलर डार्क और वाइब्रेंट जैसे मैरून, यलो, सेफ्रॉन या डार्क ग्रीन रखें। दीवारों पर मधुबनी या वारली पेंटिंग्स, फर्श पर हाथ से बुने कालीन और पारंपरिक दीए से रूम को सजाएं।

मिनिमलिस्ट थीम: यह थीम छोटे अपार्टमेंट्स के लिए बेहतरीन है। लिविंग रूम में केवल उतना ही फर्नीचर और सामान रखें, जितनी जरूरत हो। इससे कमरा बहुत खाली और शांत महसूस होता है। कमरे की दीवारों और फर्निशिंग के लिए व्हाइट, क्रीम और लाइट पेस्टल शेड्स का एक ही कलर चुनें।

(इंटीरियर डिजाइनर मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

स्किन की करें प्रॉपर केयर फेस रहेगा पिंपल्स-फ्री

स्किन केयर
निधि गोयल

आपकी त्वचा साफ-सुथरी और चमकदार तभी नजर आती है, जब आप अपनी त्वचा का ख्याल सही तरीके से रखती हैं। ज्यादातर महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं, जिस कारण उनके चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। ये मुंहासे फेशियल अपीयरेंस को बिगाड़ देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि अपनी त्वचा की देखभाल ऐसे करें, जिससे आपकी त्वचा मुंहासों से बची रहे।

फेसवॉश से चेहरे को साफ करें: सबसे जरूरी है कि आप अपने चेहरे को नियमित अच्छी तरह से साफ करें। धूल, मिट्टी चेहरे पर चिपकने के कारण मुंहासे होने की आशंका बढ़ जाती है। आपको दिन में कम से कम दो बार चेहरा अच्छी तरह साफ करना चाहिए। त्वचा के अनुसार ही फेसवॉश का इस्तेमाल करें, क्योंकि सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस वॉश सूट नहीं करता है। अपनी त्वचा को ध्यान में रखते हुए फेस वॉश को खरीदें। बार-बार चेहरे को हाथों से छूने से बचें, क्योंकि जब आप चेहरे पर बार-बार हाथ लगाती हैं तो हाथों की गंदगी और बैक्टीरिया चेहरे की त्वचा पर लग जाते हैं। इससे मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए हाथों को बार-बार चेहरे पर न लगाएं।

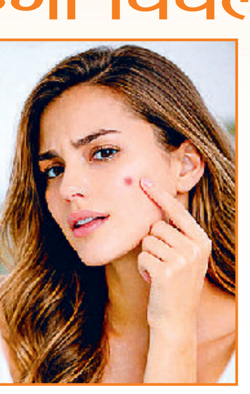

खूब पानी पिएं: पानी पीना पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। आपको ध्यान रखना चाहिए कि पूरे दिन में आपको आठ से दस गिलास पानी पीना है। इससे आपकी बॉडी डिटॉक्स होती है। साथ ही शरीर में से विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे त्वचा ग्लो करने लगती है और आपको मुंहासों से भी छुटकारा मिलता है। आपका चेहरा चमकदार और साफ नजर आने लगता है।

लें न्यूट्रीशस डाइट: अच्छी डाइट लेना हेल्थ के लिए ही नहीं, स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। यदि आप तला-भुना और जंक फूड ज्यादा खाती हैं तो इसका असर आपकी स्किन पर भी दिखने लगता है और आपकी त्वचा पर मुंहासे निकलने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बाहर बिकने वाले स्ट्रीट फूड्स और जंक फूड्स का सेवन बंद कर दें। घर के बने ताजे, पौष्टिक खाने के अलावा फल और सब्जियों का भी अधिक सेवन करें।

तकिए का कवर साफ रखें: अकसर हम रोज जिन चीजों का इस्तेमाल कर रहे होते हैं, वो भी हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। तकिए का कवर भी इनमें से एक है। कवर को दो-तीन दिन के अंतराल पर धो लेना चाहिए, जिससे तकिए के कवर पर जमा गंदगी और तेल आपके चेहरे पर न लग सके, क्योंकि इससे मुंहासे होने का रिस्क कम हो जाएगा।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

सजेशन
प्रतिभा

अपनी या किसी अपने की तबियत खराब होने पर जब आप डॉक्टर के पास जाएं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

जब जाएं डॉक्टर के पास रखें इन बातों का ध्यान

हम सभी को अकसर ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। लेकिन कई लोग डॉक्टर के क्लीनिक या हॉस्पिटल जाते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखते हैं। इससे डॉक्टर या मेडिकल स्टाफ को परेशानी हो सकती है, आपके ट्रीटमेंट में असुविधा हो सकती है या आपके अगल-बगल बैठे दूसरे पेशेंट असहज महसूस कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर कुछ महिलाएं हॉस्पिटल में भी ओवर मेकअप, एक्सपोजर वाली ड्रेसेस या स्ट्रॉन्ग स्मेल वाले परफ्यूम स्प्रे करके पहुंच जाती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो वे किसी हॉस्पिटल में नहीं, फैशन शो या फंक्शन में आई हों। इसी तरह कुछ लोग अपनी बीमारी से जुड़े जरूरी कागजात, पुरानी प्रिस्क्रिप्शन या टेस्ट रिपोर्ट या मेडिकल हिस्ट्री लेकर नहीं जाते हैं। या डॉक्टर के पास ले जाना भूल जाते हैं। पर्याप्त जानकारी के अभाव में डॉक्टर को रोग समझने और इलाज शुरू करने में बहुत परेशानी होती है।

रखें ध्यान: आप जब भी किसी प्रकार की बीमारी का इलाज करवाने डॉक्टर के पास जाएं तो यहां बताई जा रही इन बातों का ध्यान अवश्य रखें।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल फाइल के समस्त कागजों को अपडेट करें और इसे अपने साथ अवश्य ले जाएं, क्योंकि इसके माध्यम से ही डॉक्टर आपकी केस हिस्ट्री जानकर इलाज प्रारंभ कर सकेंगे।
- डॉक्टर के पास जाते समय ड्रेस सलीकेदार पहनें। बहुत टाइट या फैशनेबल ड्रेस पहनने से बचें।
- अगर आपको डेंटल प्रॉब्लम हो तो डेंटिस्ट के पास हमेशा मुंह अच्छी तरह साफ करके जाएं। दांतों के इलाज के दौरान आपको बार-बार पानी से कुल्ला करना पड़ता है, इसलिए अपने साथ एक रूमाल ले जाएं।
- फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाते समय हमेशा लूज ड्रेसेस पहनें। साथ ही क्लोज्ड या हाईनेक गले का कुर्ता या ब्लाउज पहनकर न जाएं क्योंकि ऐसे में आपके कंधे और पीठ पर मशीन लगाने में डॉक्टर को परेशानी हो सकती है। फिजियोथेरेपी के लिए साड़ी पहनकर जाने से भी बचें। यदि आप सलवार-सूट नहीं पहनती हैं तो साड़ी के अंदर लेगिंग्स या पैंट पहनकर जाएं ताकि आप पैर और कमर की एक्सरसाइज के दौरान सहजता से ऊपर उठा सकें।
- गायनी संबंधित प्रॉब्लम होने पर गायनेकोलॉजिस्ट के पास जाने से पहले अपने प्राइवेट पार्ट्स को अच्छी तरह साफ करके और साड़ी पहनकर ही जाएं। इससे डॉक्टर को चेकअप करने में सुगमता रहती ही है।
- पैथोलॉजिकल टेस्ट करवाने जाते समय फुल स्लीव्स की टाइट ड्रेस के बजाय हाफ स्लीव या लूज ड्रेस पहनकर ही जाएं ताकि बांह से सुगमता से ब्लड सैंपल लिया जा सके।
- डॉक्टर के पास कभी-भी हैवी ज्वेलरी पहनकर और मेकअप करके न जाएं।
- एक्स-रे, सीटी स्कैन या एम.आर.आई. करवाने जाते समय किसी भी प्रकार की धातु का गहना, सेफ्टी पिन, हेयर पिन या हेयर बैंड आदि न पहनें।
- डॉक्टर के पास जाने से पहले घर पर शांति से बैठकर अपनी समस्याओं के बारे में अच्छी तरह सोच लें, ताकि आप डॉक्टर को विस्तार से अपनी समस्या के बारे में बता सकें। इसके आधार पर ही डॉक्टर आपका इलाज प्रारंभ कर सकेंगे। डॉक्टर को अपनी समस्या से जुड़ी छोटी से छोटी बात और लक्षण के बारे में जरूर बताएं।

(जे. पी. हॉस्पिटल, भोपाल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधा अस्थाना से की गई बातचीत पर आधारित)

मप्र में हुआ देश में सर्वाधिक 10 लाख से अधिक किसानों से गेहूं का उपार्जन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश में गेहूं उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन मप्र में होने जा रहा है। मप्र में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। शनिवार 9 मई को ही 4 लाख 86 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हुआ है। उपार्जन की गति से स्पष्ट है कि 23 मई तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार की ओर से 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन 23 मई तक किया जाएगा। अभी तक 14 लाख 83 हजार किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग कराई है। किसानों को 11623.43 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है।

खास बातें

- प्रतिदिन हो रहा लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन
- पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन करेगा मध्यप्रदेश
- अभी तक 63 लाख मीट्रिक टनक हुआ गेहूं उपार्जन

फाइल फोटो।

मुख्यमंत्री कर रहे हैं सतत निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में हो रहे गेहूं उपार्जन की सतत मॉनिटरिंग कर रहे है। वे स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं। उन्होंने स्वयं तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया है। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली जा रही है। मुख्यमंत्री के इन औचक निरीक्षण से उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाएं और अधिक अनुकूल और सहज हो रही हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सभी मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में हो रहे सर्वाधिक किसान लाभान्वित

इन आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा में अभी तक 9.10 लाख किसान, पंजाब में 7.5 लाख किसान, उत्तर प्रदेश में 2 लाख किसान और राजस्थान में 1.67 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। वहीं मध्यप्रदेश में अभी तक 10 लाख से अधिक किसान उपार्जन प्रक्रिया में लाभान्वित हो चुके हैं।

16-17 को होगा भाजपा का जिला प्रशिक्षण वर्ग

भोपाल। भोपाल नगर भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर प्रदेश भाजपा कार्यालय स्थित मीडिया सेंटर में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 अंतर्गत 16 एवं 17 मई को सन स्काई गार्डन, कोलू खेड़ी सीहोर रोड पर आयोजित होने वाले जिला प्रशिक्षण वर्ग की व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने कहा कि संगठन की रीति-नीति, विचारधारा एवं कार्यपद्धति को मजबूती देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में अनुशासन, व्यवस्थाओं एवं कार्यकर्ता सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम सफल एवं प्रेरणादायी बन सके। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालने वाले कार्यकर्ताओं को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए तथा आवास, भोजन, सुरक्षा, मंच, पंजीयन, चिकित्सा एवं अनुशासन व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

- प्रदेश भाजपा कार्यालय के मीडिया सेंटर में हुई तैयारियों को लेकर बैठक
- संगठन की रीति-नीति, विचारधारा, कार्यपद्धति को मजबूती देना बैठक का उद्देश्य

अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री का शिलान्यास, 4 मिलियन टन सीमेंट का होगा उत्पादन

गुना क्षेत्र में सीमेंट निर्माण इकाई से डेढ़ हजार लोगों को मिलेगा रोजगार: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी तरह के उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। मप्र सरकार युवाओं के लिए रोजगार को प्राथमिकता देते हुए किसानों, महिलाओं और गरीबों के साथ सभी वर्गों के कल्याण के लिए सक्रिय है। पर्यटन और पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करेगा। गुना क्षेत्र में सीमेंट निर्माण इकाई से डेढ़ हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। अडाणी समूह की ओर से 32 हैक्टेयर भूमि पर इस इकाई की स्थापना के फलस्वरूप 4 मिलीयन टन सीमेंट उत्पादन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को गुना जिले में अम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास, अधोसंरचनात्मक सुदृढ़ीकरण और रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों से गुना जिले में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर सेवाओं का लाभ मिलेगा।

खास बातें

- सभी तरह के उद्योगों की स्थापना पर दिया जा रहा जोर
- प्रथम चरण में किया 1060 करोड़ रुपए का निवेश
- आधारभूत सुविधा बढ़ने से लोगों को मिलेगा लाभ

अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री।

मप्र में औद्योगिक क्षेत्र हो रहा सशक्त

उद्योगपति प्रणव अदाणी ने कहा कि मप्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से विकास को नई रफ्तार मिली है। अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, ट्रांसपोर्ट और अन्य सुविधाओं से मध्यप्रदेश में उद्योग क्षेत्र की मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। पिछले वर्ष भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी समूह के चेयरमेन गौतम अदाणी ने एक लाख हजार करोड़ से अधिक निवेश का संकल्प व्यक्त किया था, जिसे साकार करने के लिए सीमेंट इकाई की आधारशिला रखी जा रही है। प्रथम चरण में एक हजार 60 करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जो आगामी चरणों में तीन गुना से अधिक होगा। अदाणी ने मप्र में कटनी, कैमोर सहित अन्य क्षेत्रों में सीमेंट और अन्य इकाइयों की स्थापना की पहल की गई।

कृषि वर्ष में प्रदेश में समृद्धि के प्रयास किए तेज

खाद्य मंत्री एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में विकास का पहिया तीव्र गति से घूम रहा है। उद्योग वर्ष के बाद कृषि वर्ष में प्रदेश में समृद्धि के प्रयास तेज किए हैं। परियोजनाओं के लिए जिन किसानों की भूमि ली जाएगी उन्हें चार गुना मुआवजा देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने के बाद 78 लाख मीट्रिक टन के स्थान पर 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। किसानों को उनकी मेहनत की पूरी कीमत दी जा रही है। कार्यक्रम में जिले के विधायकगण और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएम साय ने किया भगवान शिव का रुद्राभिषेक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के महादेवघाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर में सोमवार को सोमनाथ स्वाभिमान दिवस मनाया गया। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। महादेवघाट मंदिर परिसर बैठकर सोमनाथ मंदिर से जुड़े कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि आज ही के दिन 75 वर्ष पहले सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ था। उन्होंने कहा कि इतिहास में कई बार सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण हुए, लेकिन मंदिर की आस्था और अस्तित्व कभी नहीं डगमगाया। महमूद गजनवी के आक्रमण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय मंदिर के पुजारियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी, लेकिन मंदिर नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति को नई मजबूती मिल रही है और लोग गर्व के साथ स्वयं को सनातनी कह रहे हैं।

साझा करने का विज्ञान
डॉ. अच्युत सामंत

देने का सुखः जो इंसान को भीतर से पूर्ण बना देता है

एक प्रश्न है, जिसने सदियों से दार्शनिकों, संतों और वैज्ञानिकों को समान रूप से सोचने पर मजबूर किया है। प्रश्न इतना सरल है कि कोई बच्चा भी पूछ सकता है आख़िर देने से अच्छा क्यों लगता है? यह अच्छा लगना वैसा नहीं है जैसा कुछ पाने पर होता है। पाने का सुख क्षणिक होता है। वस्तु मिलते ही उसका आकर्षण धीरे-धीरे कम होने लगता है, लेकिन देने से जो अनुभूति होती है, वह बिल्कुल अलग होती है। वह एक शांत, स्थायी और गहरी ऊष्मा होती है, जो लंबे समय तक मन में बनी रहती है। ऐसा संतोष जो बदले में कुछ नहीं मांगता, और आश्चर्य यह कि जो हमें खाली नहीं बल्कि और अधिक पूर्ण बना देता है। हर सभ्यता ने इस प्रश्न का उत्तर खोजने की कोशिश की है, और लगभग हर सभ्यता एक ही निष्कर्ष पर पहुँची है। भागवत गीता इसे निष्काम कर्म कहती है फल की इच्छा के बिना कर्म करना। दो, और फिर उसे छोड़ दो। श्रीकृष्ण कहते हैं—फल तुम्हारा अधिकार नहीं, कर्म तुम्हारा अधिकार है। और देने का कर्म अपने आप में पूर्ण है। गौतम बुद्ध ने तो उदारता यानी दान को ध्यान, अनुशासन और ज्ञान से भी पहले रखा। क्योंकि जो हाथ केवल संग्रह करना जानते हैं, वे ध्यान नहीं कर सकते। जो हृदय हर चीज़ से चिपका रहता है, वह कभी शांत नहीं हो सकता। उदारता कोई ऐसा गुण नहीं जो ज्ञान प्राप्ति के बाद आता हो; वह तो वह द्वार है जिससे ज्ञान भीतर प्रवेश करता है। साझा करना कोई विशेष उदारता नहीं; यह उस संतुलन की पुनर्स्थापना है जिसे संग्रह करने की प्रवृत्ति ने बिगाड़ दिया है। और अब, इन शिक्षाओं के लगभग ढाई हजार वर्ष बाद, आधुनिक विज्ञान भी उसी निष्कर्ष तक पहुँच गया है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के शोध बताते हैं कि जब कोई व्यक्ति दूसरों को कुछ देता है, तो मस्तिष्क का वही भाग सक्रिय हो जाता है जो भोजन, संगीत या प्रिय व्यक्ति के चेहरे को देखकर सक्रिय होता है। मार्टिन सेलिंगमैन ने अपने शोध में पाया कि उदारता मानव जीवन की स्थायी प्रसन्नता का सबसे विश्वसनीय आधार है। प्राचीन लोग यह सब बिना प्रयोगशालाओं के जानते थे। उन्होंने जीवन को देखा और समझा। उन्होंने उस किसान को देखा जो अपना अनाज बाँटता था और पाया कि उसके खेत कभी सूखे नहीं। उन्होंने उस माँ को देखा जो पूरे मोहल्ले के बच्चों को खिलाती थी और पाया कि उसके अपने बच्चे कभी भूखे नहीं रहे। उन्होंने उस साधु को देखा जिसके पास कुछ नहीं था, फिर भी उसे किसी चीज की कमी नहीं थी। और उन्होंने निष्कर्ष निकाला साझा करने से कुछ घटता नहीं, बल्कि बढ़ता है। वही भावना आगे चलकर कीट बनी पाँच हजार रुपये और दो किराए के कमरों से शुरू हुआ एक विश्वविद्यालय। वही भावना कीस बनी अस्सी हजार आदिवासी बच्चों का घर और विद्यालय। और 2013 में वही भावना 'आर्ट आफ गिविंग' बन गई। 'आर्ट आफ गिविंग' कोई संगठन नहीं, बल्कि एक अनुभूति है। यह समझ कि देने की इच्छा हर मनुष्य के भीतर पहले से मौजूद है। वह उस दादी में है जो सुबह पक्षियों को दाना खिलाती है। उस ऑटो चालक में है जो बुजुर्ग यात्री से किराया नहीं लेता। उस छात्र में है जो अपने कमजोर सहपाठी को पढ़ाने के लिए रुक जाता है। यह भावना हर जगह है; उसे केवल अभिव्यक्ति की अनुमति चाहिए।

पेज एक का शेष

गौरव और शौर्य ...

कहा कि जिनकी दूरदृष्टि और संकल्प ने इस मंदिर के पुनर्निर्माण में एक निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने सोमनाथ को एक बार फिर अपनी पूरी भव्यता के साथ उठते देखने का सपना देखा था। भारत के सभ्यतागत गौरव और आध्यात्मिक निरंतरता के प्रतीक के रूप में। हम अपने राष्ट्र के लिए उनकी इस दूरदृष्टि को साकार करने के प्रति सदैव समर्पित रहेंगे। गौर हो कि सोमनाथ अमृत महोत्सव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

चेतक हेलिकॉप्टर ने ...

ने भी मंदिर परिसर पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। सूर्य किरण टीम का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन अजय दशारथी कर रहे थे और इसमें 13 पायलटों के साथ-साथ परिचालन सहायता कर्मी भी शामिल थे। सोमनाथ अमृत महोत्सव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

देश में पेट्रोल पंपों की...

दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों और क्षमता विकास से संबंधित है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने पश्चिम-एशिया संकट पर सरकार द्वारा गठित किए गए उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी समूह (आईजीओएम) की पांचवीं बैठक को संबोधित करते हुए दी है। इस दौरान उन्होंने सभी भागीदारों से हालात पर कड़ी निगरानी रखते हुए हर परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए चौबीसों घंटे तैयार रहने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

युद्ध के 70 दिन बाद भी नहीं बढ़ी कीमतें : अधिकारियों ने बैठक में मंत्रियों के समूह को बताया कि देश पूरी तरह से सुरक्षित है और हमारे पास किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कोई कमी नहीं है। रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान-अमेरिका के बीच इस संघर्ष की शुरुआत होने के 70 दिन से अधिक बीत जाने के बाद भी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है और वह अभी भी स्थिर बनी हुई हैं। वहीं, इसी समय के बीच दुनिया के बाकी देशों में इन उत्पादों की कीमतों में 30 से 70 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई है। हमारी तेल मार्केटिंग कंपनियां प्रतिदिन करीब 1 हजार करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं। इसके अलावा साल की पहली तिमाही में उन्हें लगभग 2 लाख करोड़ का वित्तीय घाटे का भार वहन करना पड़ा है। मतलब साफ है कि केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का प्रभाव आम जनता पर नहीं डाला है। ऐसे में उन्हें किसी तरह की शंका में रहने या घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब तब है, जब दुनिया के कई देशों ने अपनी घरेलू खपत को बनाए रखने के लिए कई आपातकालीन कदम उठाए हैं। जबकि भारत के पास 60 दिन का कच्चे तेल, 60 दिन का प्राकृतिक गैस और 45 दिन का एलपीजी का स्टॉक मौजूद है। इतना ही नहीं नई दिल्ली का विदेशी मुद्रा भंडार (एफईआर) 703 बिलियन डॉलर पर सुरक्षित स्थिति में बना हुआ है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल परिष्कृत करने वाला और पेट्रोलियम उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ ही हम 150 से अधिक देशों को इनसे जुड़े उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। लेकिन वैश्विक बाजारों में तेल की तेजी से बढ़ती कीमतों के बीच हम पर भी प्रभाव पड़ रहा है। ईंधन की बचत या संरक्षण से हालांकि इस दबाव को कम किया जा सकता है।

खरीफ सीजन से पहले...

संकट के बाद घरेलू उत्पादन और आयात की स्थिति (लाख टन में) : पश्चिम एशिया में चल रहे हालिया संकट की स्थिति के बाद देश में कुल 97 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है । घरेलू उत्पादन ने इसमें 76.78 लाख टन का योगदान दिया, जबकि 19.94 लाख टन उर्वरक आयात के जरिए भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचा है । भारत ने मई और जून के दौरान भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने के लिए स्टॉक-ऑन-हैंड से लगभग 7 लाख टन एनपीके भी सुरक्षित कर लिया है ।

"त्याग की अपील" पर...

होने के बाद कांग्रेस ने लगातार अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चेताया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों, उर्वरकों की कमी, खाद्य सुरक्षा, दवाइयों की बढ़ती कीमतों और छोटे, मनझोले उद्योग सेक्टर के संकट का मुद्दा उठाया था तब सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। खरगे ने सवाल किया कि जब ये संकट गहरा रहा था तब प्रधानमंत्री चुनावी प्रचार और रोड शो में व्यस्त क्यों थे। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद अब जनता को "ये मत खरीदिए, वो मत करिए और वर्क फ्रॉम होम कीजिए" जैसे संदेश दिए जा रहे हैं। उन्होंने तुलसीदास की पंक्ति "पर उपदेश कुशल बहुतेरे" का उल्लेख करते हुए सरकार पर जनता पर अपनी विफलताओं का बोझ डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की अपील के राजनीतिक और आर्थिक संकेतों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश के दो अर्थ हो सकते हैं। पहला, देश की आर्थिक स्थिति सरकार के दावों से कहीं अधिक गंभीर है। दूसरा, आने वाले समय में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी और खर्चों में कटौती जैसे सख्त कदम उठाए जा सकते हैं, जिसके लिए माहौल तैयार किया जा रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि वास्तविक मजदूरी में ठहराव, परिवारों पर बढ़ते कर्ज और रोजगार पैदा करने वाले निजी निवेश में कमी जैसे मुद्दे जमीनी आर्थिक संकट को दर्शाते हैं, जबकि सरकार लगातार विकास के दावे करती रही है। उन्होंने कहा कि अब "हिसाब-किताब का समय" आ गया है। कांग्रेस के इन हमलों के बाद राजनीतिक गलियारों में केंद्र सरकार की आर्थिक रणनीति और प्रधानमंत्री की अपील को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। विपक्ष इसे आर्थिक संकट का संकेत बता रहा है, जबकि भाजपा की ओर से अब तक इस पर औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

वायुसेना में प्रभावित...

प्रशिक्षण के लिए होता सिम्युलेटर का इस्तेमाल : सूत्रों ने बताया कि एचएएल द्वारा वायुसेना को एचटीटी-40 विमानों की समयबद्ध आपूर्ति न किए जाने के चलते उसकी प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए उसने सिम्युलेटर (आधुनिक वर्चुअल प्रशिक्षण) का इस्तेमाल भी शुरू किया गया है। लेकिन इसमें पायलट को विमान को उड़ाने यानी उसका संचालन का वर्चुअल अनुभव अधिक होता है। जबकि विमान संचालन के जमीनी और हवाई अनुभव से वो कहीं न कहीं अछूता ही रहता है।

इन 3 चरणों से होकर गुजरता प्रशिक्षण : सूत्रों के मुताबिक, वायुसेना के युवा पायलटों को अपनी-अपनी शाखाओं में औपचारिक रूप से कमीशन (तैनाती) होने से पहले कुल 18 महीने का व्यापक प्रशिक्षण (पोस्ट कमीशन ट्रेनिंग) दिया जाता है। जिसे छह-छह महीने के तीन चरणों में पूरा किया जाता है। शुरुआती पहले और उसके बाद के दूसरे चरण में पायलटों को वायुसेना के पिलाटस (पीसी-7 मार्क-2) और किरण मार्क-1 विमानों को उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे पूरा करने के बाद उन्हें उनके प्रदर्शन के आधार पर लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान जैसी तीन शाखाओं में बांटा जाता है। यहां पर भी उनका 6 महीने का प्रशिक्षण होता है। जिसे लड़ाकू शाखा के पायलट वायुसेना के हॉक विमानों पर पूरा करते हैं। हेलीकॉप्टर वाले पायलट चेतक हेलीकॉप्टर पर और परिवहन विमान के लिए चुने गए पायलट डोर्नियर विमानों पर अपने हवाई प्रशिक्षण से जुड़ी हुई हर छोटी-बड़ी बारीकी को समझते हैं। एक बार प्रशिक्षण कार्य पूरा होने के बाद पायलटों को उनकी विभिन्न शाखाओं से जुड़े हुए विमानों की स्क्वाड्रन में तैनात

पांच लाख की इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश के बॉर्डर पर लंबे समय से सक्रिय डीकेएसजेडसी सदस्य लक्ष्मी ने आंध्रप्रदेश के अल्लुरी सीताराम राजू जिले में पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके इस कदम से नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा है। लक्ष्मी पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के अल्लुरी सीताराम राजू के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। महिला नक्सली पोडियम लक्ष्मी बीजापुर जिले के उसुर थाना क्षेत्र की निवासी थी। वह डीकेएसजेडसी की सदस्य थी और लंबे समय से छत्तीसगढ़ व आंध्रप्रदेश बॉर्डर में सक्रिय थी। उसने पुलिस अधिकारियों के समक्ष हथियार डाले। पुलिस अधिकारियों ने उसे मुख्यधारा में जोड़ते हुए पुनर्वास राशि भी सौंपी।

रिलायंस फाउंडेशन के प्रयासों से 3 हजार गांवों में बदला जीवन

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन ने ग्रामीण विकास पर दस वर्षों के कार्य का एक बड़ा अध्ययन जारी किया है। इस अध्ययन में देश के चार राज्यों के 3 हजार गांवों में हुए बदलावों का आकलन किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि मजबूत स्थानीय संस्थाओं, लोगों की भागीदारी और मिलकर किए गए प्रयासों से गांवों में आजीविका और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। यह अध्ययन ओडिशा के बलांगीर, मध्य प्रदेश के मंडला, आंध्र प्रदेश के आदोनी और गुजरात के राधनपुर क्षेत्रों में किए गए कार्यों पर आधारित है। इसमें 2,100 से अधिक परिवारों के जीवन में आए बदलावों को समझा गया। नई दिल्ली में आयोजित चर्चा में नीति विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और विकास कार्यों से जुड़े लोगों ने आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर विचार-विमर्श किया। ओआरएफ के उपाध्यक्ष डॉ. नीलांजन घोष ने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार काम करना जरूरी है। वहीं रिलायंस फाउंडेशन के मुख्य विकास अधिकारी सुदर्शन सुची ने कहा कि गांव तब आत्मनिर्भर बनते हैं जब लोग मिलकर समाधान तैयार करते हैं और स्थानीय संस्थाएं मजबूत होती हैं। अभिनव सेन ने कहा कि आंकड़ों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लोगों की भागीदारी के जरिए ग्राम पंचायतों को और मजबूत बनाया जा सकता है। चर्चा में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और डिजिटल तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग पर भी जोर दिया गया।

एसजीटीयू-इंडो जापान एमओयू का असर

भारत और जापान सहयोग के लिए एजुकेशन-स्किल सेल स्थापना

गुरुग्राम। एसजीटी विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीयकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए जापान एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट सेल (जेईएसडीसी) का उद्घाटन किया। यह पहल एसजीटी विश्वविद्यालय और इंडो जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजेसीसी) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत रणनीतिक सहयोग से विकसित की गई। इस पहल का उद्देश्य भारत और जापान के बीच शैक्षणिक सहयोग, कौशल विकास तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करना है।उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा ने की। उन्होंने कहा कि वैश्विक शैक्षणिक साझेदारियां छात्रों को प्रतिस्पर्धी और आपस में जुड़े विश्व के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संरचित सहयोग छात्रों के लिए भविष्य उन्मुख अवसरों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।इस अवसर पर जापान की प्रतिष्ठित संस्थाओं एवं संगठनों से आए विशिष्ट प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख वक्ताओं में इंडो जापान चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन राहुल मिश्रा, जेट्रो के चीफ डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुजुकी, द जापान फाउंडेशन के डायरेक्टर जनरल कोजी सातो, एनएसडीसी में प्रतिनियुक्त जिका विशेषज्ञ कुरियामा अकीरा तथा जेसीसीआईआई के सीनियर गवर्नमेंट लायजन ऑफिसर टोमोया मियामोटो शामिल रहे।

सोमनाथ मंदिर भारत की आस्था और स्वाभिमान का अमर प्रतीक : सैनी

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना, अटूट आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान का अमर प्रतीक है, जिसने हर आक्रमण, हर संघर्ष और हर विपत्ति के बाद राष्ट्र को पुनः खड़े होने की शक्ति दी है। मुख्यमंत्री सोमवार को कुरुक्षेत्र के पिहोवा स्थित श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के कार्यक्रमों से जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता स्थली ज्योतिसर में पूजा भी की। पिहोवा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को मंदिर कमेटी पदाधिकारियों और संत समाज ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया।

चिंतन

विदेशी मुद्रा पर दबाव कम करने के प्रयास

उपभोग और आर्थिक जिम्मेदारी के बीच राष्ट्रहित में संतुलन बनाया जाना बेहद जरूरी है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अनिश्चितताओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील को केवल राजनीतिक बयान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने, अनावश्यक सोना खरीदने से बचने, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने, विदेशी यात्राओं में कटौती और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर देना दरअसल, एक व्यापक आर्थिक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है। इसका मूल उद्देश्य विदेशी मुद्रा भंडार पर संभावित दबाव को कम करना और देश को वैश्विक आर्थिक झटकों के लिए तैयार करना है। यह सच है कि वर्तमान में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से अधिक है और स्थिति किसी तत्काल संकट जैसी नहीं है, लेकिन आर्थिक प्रबंधन केवल वर्तमान हालातों को देखकर नहीं किया जाता, बल्कि संभावित जोखिमों को पहले से पहचानकर तैयारी करना ही दूरदृष्टि कहलाता है। मध्य पूर्व में जारी तनाव और हार्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। ऐसे में तेल कीमतों में वृद्धि का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और व्यापार घाटे पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री की अपील का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें जनता की भागीदारी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़ा गया है। यदि नागरिक सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, कार पूलिंग अपनाएं और अनावश्यक ईंधन खर्च कम करें तो इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। इसी प्रकार, इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों को बढ़ावा देना भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में सकारात्मक कदम हो सकता है। सोने की खरीद को लेकर की गई अपील भी आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत अपनी लगभग पूरी सोने की जरूरत आयात के माध्यम से पूरी करता है। यही कारण है कि जब सोने का आयात बढ़ता है तो डॉलर की मांग भी बढ़ती है और व्यापार संतुलन प्रभावित होता है। जीटीआरआई द्वारा इस अपील का समर्थन यह दर्शाता है कि यह केवल भावनात्मक राष्ट्रवाद नहीं, बल्कि आर्थिक यथार्थ से जुड़ा विषय है। यदि एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना खरीदने से परहेज किया जाए तो इससे विदेशी मुद्रा पर पड़ने वाला दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल जनता से संयम की अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार को भी वैकल्पिक निवेश साधनों को मजबूत और आकर्षक बनाना होगा, ताकि लोग सोने के बजाय वित्तीय निवेश की ओर बढ़ें। साथ ही, आयात आधारित उपभोग कम करने के लिए घरेलू उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाना भी जरूरी है। विपक्ष द्वारा इस अपील को सरकार की विफलता बताना राजनीतिक दृष्टि से स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय चुनौतियों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इतिहास गवाह है कि संकट के समय सामूहिक अनुशासन और मितव्ययिता ने भारत को मजबूत बनाया है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का 'सप्ताह में एक दिन उपवास' का आह्वान हो या कोरोना काल में जनता की भागीदारी देश ने हर चुनौती में एकजुटता दिखाई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक जिम्मेदारी को केवल सरकार की नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्य के रूप में भी देखा जाए।

अब फिर 'आदतें' बदलने का वक्त

अभिजात्य भारद्वाज

पीएम की ताजी अपील

पीएम मोदी की ताजा सलाह दरअसल, फिलहाल भारत का पैसा भारत में रखने के प्रयास व खर्च के आनुपातिक सिद्धांत को अनुशासित करने से ही प्रेरित है। इसकी रोशनी में सरकारों के सोशल वेलफेयर को भी नए सिरे से बुना जा सकता है। कैश स्कीम को काम के बदले पैसे में बदला जा सकता है ताकि देश के विनिर्माण और उत्पादन क्षेत्र में एक नई इबारत लिखी जा सके। इस सलाह के आधार पर सरकारी फिजूलखर्ची, कारों के लंबे काफिले व राजनीतिक रैलियों को लेकर भी मंथन किया जा सकता है। पीएम की इस नसीहत में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का मंत्र भी है, जिसे केंद्र व राज्य सरकारें अपना भी रही हैं। इसके सार्थक नतीजे भी आ रहे हैं।

भारत इस समय एक ऐसे आर्थिक मोड़ पर खड़ा है, जहां भीतर ही भीतर कई तरह के दबाव घुमड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताजा सलाहें-विदेशी यात्राएं टालिए, सोने की खरीद कुछ समय के लिए कम कीजिए और जहां तक संभव हो वर्क फ्रॉम होम अपनाइए-सामान्य नहीं हैं। इसके पीछे अर्थव्यवस्था का गहरा गणित छिपा हुआ है। इन तीनों बातों को ध्यान से देखें, तो एक समान धागा दिखाई देता है-डॉलर। विदेश यात्रा में डॉलर खर्च होता है, सोना आयात करने में डॉलर खर्च होता है और अधिक तेल (ईंधन व खाद्य तेल) खपत का अर्थ है अधिक तेल आयात, यानी फिर डॉलर का खर्च। तो, क्या सरकार वास्तव में भारत से बाहर जा रहे डॉलर के प्रवाह को धीमा करना चाहती है? यहीं से कहानी भारत से निकलकर दुनिया की सबसे संवेदनशील समुद्री पट्टी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तक पहुंचती है। आज इस क्षेत्र में तनाव केवल युद्ध की खबर नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन पर असर डालने वाला संकट बन चुका है। लगभग 1,550 जहाज इस क्षेत्र में प्रभावित हुए हैं और करीब 22,500 नाविक फंसे हुए हैं। कुछ दिनों में जहाजों की आवाजाही सामान्य स्तर के केवल 5 फीसदी तक सिमट गई। अब प्रश्न यह है कि यदि दुनिया के तेल का रास्ता धीमा पड़ जाए, तो क्या केवल पेट्रोल महंगा होगा? या पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था हिलने लगेगी?

यही वह बिंदु है जहां भारत की चिंता शुरू होती है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 फीसदी आयात करता है। अर्थात, हमारे घरों की रसोई से लेकर ट्रक, ट्रेन, विमान, उद्योग और खेती तक सब कुछ उस तेल पर निर्भर है जो समुद्र के रास्ते बाहर से आता है। अब यदि तेल महंगा होता है या उसकी सप्लाई बाधित होती है, तो भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। और जब डॉलर अधिक खर्च होते हैं, तो देश की विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व पर दबाव बढ़ता है। यहीं पर भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका सामने आती है। कुछ ही सप्ताह पहले भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 728.5 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। लेकिन कुछ ही समय में यह घटकर लगभग 690.7 बिलियन डॉलर रह गया। यानी लगभग 38 बिलियन डॉलर कम हो गए। इसका अर्थ है कि आरबीआई लगातार डॉलर बेचकर रुपए को संभालने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि यदि आरबीआई हस्तक्षेप न करे, तो रुपया और तेजी से गिर सकता है। अब यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-रुपया गिरने से आम आदमी पर क्या असर पड़ेगा? जब रुपया कमजोर होता है, तब आयात महंगे हो जाते हैं। तेल महंगा होता है, परिवहन महंगा होता है, और फिर धीरे-धीरे सब्जी, दूध, दाल, दवाई, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स-हर चीज की कीमत बढ़ने लगती है। यानी विदेशी मुद्रा का संकट अंततः घर की रसोई तक पहुंच जाता है। लेकिन, कहानी यहीं खत्म नहीं होती। तेल की बढ़ती कीमतों का सबसे बड़ा दबाव इस समय भारत की तेल कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लंबे समय से पूरी तरह नहीं बढ़ाया गया। परिणाम यह हुआ कि कंपनियों को प्रति

लीटर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ अनुमान बताते हैं कि पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 से 35 रुपए प्रति लीटर तक का दबाव बन रहा है। अब सरकार के सामने विकल्प क्या हैं? पहला- टैक्स कम कर दे। लेकिन, इससे सरकारी आय घटेगी। दूसरा- कंपनियों को सब्सिडी दे। लेकिन, इससे सरकारी खर्च और फिस्कल डेफीसिट बढ़ेगा। तीसरा-पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दे। लेकिन, इससे महंगाई और जनता की नाराजगी दोनों बढ़ेंगी। तो, फिर सरकार क्या करे? शायद यही कारण है कि सीधे कीमतें बढ़ाने के बजाए लोगों के व्यवहार को बदलने की कोशिश हो रही है। यानी कम यात्रा करें, कम ईंधन खर्च करें, कम आयातित सोना खरीदें और डॉलर की बचत करें। इसी बीच एक और संकेत आया है। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 14 वर्षों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ यह नहीं कि भारत कमजोर देश बन गया है। बल्कि इसका अर्थ यह है कि वैश्विक निवेशक इस समय सुरक्षित जगहों पर पैसा रखना चाहते हैं। जब विदेशी निवेश कम होता है, तब भारत में डॉलर का प्रवाह भी कम होता है। यानी एक तरफ तेल के लिए डॉलर चाहिए और दूसरी तरफ निवेश से डॉलर कम आ रहे हैं। अब यदि इन सभी घटनाओं को एक साथ जोड़ें तो एक बड़ा चित्र सामने आता है। यह केवल आर्थिक संकट नहीं, बल्कि भारत की इंपोर्ट डिपेंडेंसी का आइना है। वर्षों से भारत विकास कर रहा है, लेकिन उसके साथ-साथ उसकी बाहरी निर्भरता कम नहीं हो रही। ऊर्जा बाहर से, सोना बाहर से, इलेक्ट्रॉनिक्स बाहर से, और कई बार निवेश भी बाहर से। प्रश्न यह है कि यदि दुनिया लंबे समय तक अस्थिर रही, तो क्या केवल विकास दर भारत को सुरक्षित रख पाएगी? शायद यही कारण है कि अब स्वदेशी, आत्मनिर्भरता, नवकरणीय ऊर्जा, स्थानीय और आयात प्रतिस्थापन (एक ऐसी आर्थिक रणनीति, जिसमें विदेशी वस्तुओं के आयात को कम करके उन्हें घरेलू स्तर पर निर्मित (स्वदेशी) वस्तुओं से बदला जाता है) जैसे शब्द केवल राजनीतिक नारे नहीं रह गए हैं। वे अब आर्थिक आवश्यकता बनते जा रहे हैं।

आज भारत के सामने चुनौती केवल ग्रोथ बनाए रखने की नहीं है, बल्कि ऐसी ग्रोथ बनाने की है जो बाहरी झटकों से टूटे नहीं। क्या भारत आने वाले वर्षों में अपनी तेल निर्भरता कम कर पाएगा? क्या भारतीय परिवार सोने की जगह प्रोडक्टिव फाइनेंशियल असेट्स में निवेश बढ़ाएंगे। इसका मतलब ऐसी वित्तीय संपत्तियों से है, जो समय के साथ आय उत्पन्न करती हैं या उनके मूल्य में वृद्धि होती है, जिससे आपका धन बढ़ता है। भारत को अपने मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट को इतना मजबूत बनाना होगा कि डॉलर कमाने की क्षमता आयात के दबाव से अधिक हो जाए?

क्योंकि, अंततः अर्थव्यवस्था केवल शेयर बाजार के उत्साह से नहीं चलती। वह चलती है भरोसे से, ऊर्जा से, विदेशी मुद्रा से और उन अदृश्य आर्थिक संतुलनों से जिन्हें आम लोग रोज महसूस नहीं करते। लेकिन, जब हमारे प्रधानमंत्री नागरिकों से विदेशी यात्राएं टालने, सोना कम खरीदने और ईंधन बचाने की अपील कर रहे हों तो समझ लेना चाहिए कि हम एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाले वक्त से गुजर रहे हैं। कोविड काल में हमने इससे बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। तब हमने अपनी आदतें बदली थीं। अब फिर हम सबको अपनी आदतें बदलनी हैं। प्रधानमंत्री ये नसीहत देकर सिर्फ नागरिक बोध ही नहीं जगा रहे हैं बल्कि वे राज्य सरकारों और राजनेताओं से भी अपेक्षा कर रहे हैं कि वे भी आसन्न चुनौतियों के लिए अपने को तैयार करें ताकि 'बरताव' में बदलने का उदाहरण सिर्फ नागरिक तक ही सीमित न रह जाए।

(युवा लेखक अंतरराष्ट्रीय व आर्थिक मामलों के अध्येता हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

श्वेता गोयल

मानवता की निःस्वार्थ धड़कन और स्वास्थ्य का भविष्य हैं नर्स

जब भी मानवता की सेवा का उल्लेख होता है तो श्वेत परिधान में लिपटी एक ऐसी छवि मानस पटल पर उभरती है, जिसमें करुणा, धैर्य और समर्पण का अनूठा संगम होता है। यह छवि है 'नर्स' की। समाज के स्वास्थ्य ढांचे में नर्सें वह रीढ़ हैं, जिनके बिना चिकित्सा विज्ञान की गगनचुंबी इमारतें ढह सकती हैं। प्रतिवर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाकर धरती के इन 'फरिश्तों' के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग की जननी 'लेडी विद द लैंप' फ्लोरेंस नाइटिंगेल की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने क्रीमिया युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की सेवा कर नर्सिंग को एक गरिमामय पेशे के रूप में स्थापित किया। वर्ष 2026 में इस दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज (आईसीएन) ने इस वर्ष के लिए 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' जैसा अत्यंत सार्थक विषय चुना है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों को बचाने और उन्हें संवारने का एक रोडमैप है। नर्सिंग का पेशा केवल दवाइयां देने या घावों पर पट्टी बांधने तक सीमित नहीं है। चिकित्सा जगत में डॉक्टर को यदि मस्तिष्क माना जाए तो नर्सें निश्चित रूप से उस तंत्र की धड़कन हैं। अस्पताल के बंद कमरों में जब एक मरीज अपनी बीमारी से जूझ रहा होता है और उसके परिजन भी साथ नहीं होते, तब एक नर्स ही उसकी मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक बनती है। वे मरीजों के स्वास्थ्य संकेतकों की चौबीसों घंटे निगरानी करती हैं, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि वे मरीज के टूटते हौसले को अपनी मुस्कान और सांत्वना से जीवित रखती हैं। यही कारण है कि नर्सिंग को विश्वभर में सबसे भरोसेमंद और पवित्र पेशों में शुमार किया जाता है। एक सशक्त नर्स न केवल रोगी की शारीरिक व्याधि को दूर करने में सहायक होती है, बल्कि अपने नैदानिक कौशल और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता से मृत्यु के द्वार पर खड़े व्यक्ति को जीवनदान भी देती है। भारत के संदर्भ में देखें तो नर्सों के योगदान को पहचान देने के लिए सरकार ने 1973 में 'राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की थी। प्रतिवर्ष 12 मई को देश के महामहिम राष्ट्रपति उन नर्सों को सम्मानित करते हैं, जिन्होंने अपनी ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा से समाज में एक मिसाल कायम की है। अब तक सैंकड़ों नर्सिंग कर्मियों को यह सम्मान मिल चुका है, जो इस पेशे की महत्ता को दर्शाता है। हालांकि, पुरस्कारों और सम्मानों से परे नर्सों की वास्तविक स्थिति पर विमर्श करना भी आवश्यक है। आज भी दुनिया के कई हिस्सों में प्रशिक्षित नर्सों की भारी कमी है। विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्टें अक्सर इस ओर इशारा करती हैं कि विकासशील देशों से नर्सों का पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है। इसके पीछे बेहतर वेतन, बेहतर जीवन स्तर और कार्य की अधिक अनुकूल परिस्थितियां मुख्य कारण हैं। यह पलायन विकासशील देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि नर्सों की कमी का सीधा प्रभाव शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर पर पड़ता है। किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य व्यवस्था का पैमाना यह नहीं है कि वहां कितने आधुनिक अस्पताल हैं, बल्कि यह है कि वहां प्रति व्यक्ति कितनी प्रशिक्षित नर्सें उपलब्ध हैं। वर्तमान में भारत में लगभग 1100 की आबादी पर एक नर्स है, जो आदर्श मानकों से काफी पीछे है। नर्सों के सामने आने वाली चुनौतियों में सबसे प्रमुख कार्यस्थल पर अत्यधिक दबाव और उचित सुविधाओं का अभाव है। विशेष रूप से निजी क्षेत्रों और छोटे शहरों में नर्सों को लंबे समय तक काम करना पड़ता है और इसके बदले उन्हें वह सम्मान या वेतन नहीं मिल पाता, जिसकी वे हकदार हैं। इस वर्ष की थीम 'सशक्त नर्सें' हमें अहसास कराती है कि हमें नर्सों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। एक थकी हुई और उपेक्षित नर्स कभी भी अपनी पूरी क्षमता से सेवा नहीं दे सकती। इसलिए, उन्हें नेतृत्व के पदों पर बिठाना और उनके लिए शोध एवं प्रशासनिक कार्यों के द्वार खोलना समय की मांग है। नर्सों का कार्य केवल बिस्तर के पास खड़े रहना नहीं है बल्कि वे स्वास्थ्य शिक्षा, सामुदायिक स्वास्थ्य और नीति निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वर्ष 1953 में जब डोरोथी सुथरलैंड ने पहली बार इस दिवस का प्रस्ताव रखा था, तब उद्देश्य केवल एक पेशे का जश्न मनाना नहीं था बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार लाना था। आज 2026 में जब हम इस दिवस को मना रहे हैं तो हमें यह समझना होगा कि नर्सें ही हमारे भविष्य की स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी हैं। सशक्त नर्सें ही एक सशक्त और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करेंगी।

(लेखिका शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चरित्र गठन की व्यायामशाला है संसार

संकलित

दर्शन

संसार न तो अच्छा है, ना बुरा। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए अपना-अपना संसार बना लेता है। हमारी मानसिक अवस्था के अनुसार ही हमें यह संसार भला या बुरा प्रतीत होता है। अग्नि स्वयं में अच्छी है न बुरी। जब यह हमें गर्म रखती है, तो हम कहते हैं यह कितनी अच्छी है, जब हमारी अंगुली जल जाती है, तो हम इसे दोष देते हैं। यही हाल संसार का है। संसार स्वयं पूर्ण है। पूर्ण का अर्थ यह है कि इसमें अपने सभी प्रयोजन पूर्ण करने की क्षमता है। हमें जान लेना चाहिए कि हमारे बिना भी यह संसार बड़े मजे से चलता जाएगा। हमें उसकी सहायता करने के लिए माथापच्ची करने की आवश्यकता नहीं। परंतु फिर भी हमें सदैव परोपकार करते ही रहना चाहिए। यदि हम सदैव यह ध्यान रखें कि दूसरों की सहायता करना एक सौभाग्य है, तो परोपकार करने की इच्छा एक सर्वोत्तम प्रेरणा शक्ति है। एक दाता के ऊंचे आसन पर खड़े होकर अपने हाथ में दो पैसे लेकर यह मत कहो, 'ऐ भिखारी, ले, मैं तुझे यह देता हूं।' तुम स्वयं इस बात के लिए कृतज्ञ होओ कि इस संसार में तुम्हें अपनी दयालुता का प्रयोग करने और इस प्रकार पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हुआ। धन्य पाने वाला नहीं, देने वाला होता है। भलाई के सभी कार्य हमें शुद्ध और पूर्ण बनाने में सहायता करते हैं। यह संसार न तो तुम्हारी सहायता का भूखा है और ना मेरी। परंतु फिर भी हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए, परोपकार करते रहना चाहिए। क्योंकि इससे हमारा ही भला है। यही एक साधन है, जिससे हम पूर्ण बन सकते हैं।

मन की शांति कैसे प्राप्त करें?

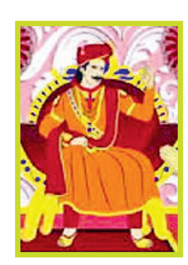

संकलित

प्रेरणा

सेठ अमीरचंद को हर पल कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहां उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वही बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले- कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोला- बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोले- घबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जाएगी। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला- चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और सेठ। बुरी तरह चिल्लाने लगे। यह देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले- तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया।

अंतर्मन

आज की पाती

एक वोट की ताकत

लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि जन-जन की भागीदारी का जीवंत प्रतीक है। इसमें हर नागरिक का वोट समान महत्व रखता है, चाहे वह गरीब हो या अमीर, शिक्षित हो या अशिक्षित। हाल ही में तमिलनाडु की तिरुपत्तूर विधानसभा सीट का परिणाम इस सत्य को फिर से प्रमाणित करता है, जहां मात्र एक वोट के अंतर से चुनाव का परिणाम तय हुआ। टीवीके के उम्मीदवार सीनिवसा सेतुपति आर ने डीएमके के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री केआर पेरियाकरुप्पन को केवल एक वोट से हराया। यह घटना केवल एक चुनावी आंकड़ा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गहराई और उसकी शक्ति का सशक्त संदेश है। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार लोकसभा में विश्वास मत के दौरान केवल एक वोट से गिर गई थी। उस एक वोट ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी। -आकाश शर्मा, भिवानी

ट्रेंड

सनातन संस्कृति का दिव्य प्रतीक

प्रभास पाटन के तट पर सोमनाथ मंदिर श्रद्धा, भक्ति और भारत की सनातन संस्कृति का दिव्य प्रतीक बनकर आज भी अडिग खड़ा है। इस पावन मंदिर ने बर्बर आक्रमणों, विदेशी हमलों और सदियों के चुनौतीपूर्ण कालखंड को पार करते हुए अपनी अमर चेतना को अक्षुण्ण रखा है। **-नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप

पेट्रोल-डीजल के उपयोग में संयम, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा और केमिकल फर्टिलाइजर को छोड़ नेचुरल फार्मिंग को अपनाने का प्रधानमंत्री आह्वान भारत को आत्मनिर्भर और ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्र बनाने का स्पष्ट रोडमैप है। **-अमित शाह**, गृहमंत्री

युवाओं का भविष्य छीन रहे

एक बार फिर से नीट-यूजी परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी को लेकर खबरें छप रही हैं। भाजपा राज में कई साल से परीक्षाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार देश के युवाओं से उनका भविष्य छीन रहा है। इस बार भी तकरीबन 23 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। **-प्रियंका गांधी**, कांग्रेस सांसद

मैं हार नहीं मानूंगी

डब्ल्यूएफआई में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि मैं इस खेल को छोड़ दूं, लेकिन मैं हार स्वीकार नहीं करूंगी। उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने दूंगी। आप मुझे 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' कह रहे हैं। क्या आपने अपनी भाषा देखी है? क्या आपको लगता है कि मैं वहां सुरक्षित हूं? **-विनेश फौगाट**, पहलवान

करंट अफेयर

गणित में भारत के योगदान वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर आज संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे, जिसमें सहस्राब्दियों के दौरान गणित के क्षेत्र में भारत के ऐतिहासिक और समृद्ध योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रदर्शनी का शीर्षक है 'फ्रॉम शून्य टू अनंत (ज़ीरो टू इन्फिनिटी)- भारतीय सभ्यता का गणित में योगदान' जिसमें 2,000 से अधिक वर्षों में गणित के क्षेत्र में भारत के व्यापक योगदान और विचार, अनुप्रयोग तथा विकास की विरासत को उजागर किया जाएगा। जयशंकर दो से 10 मई तक जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो की आधिकारिक यात्रा पर थे। वह सोमवार को न्यूयॉर्क जाएंगे और इस संक्षिप्त यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। सूत्रों ने बताया कि यह प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों, राजनयिकों, आगंतुकों और अन्य अधिकारियों को भारत की गणितीय विरासत और योगदान को मानवता की साझा धरोहर के रूप में देखने का अवसर प्रदान करेगी। यह विशेष प्रदर्शनी आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कर जैसे महान भारतीय विद्वानों से लेकर केरल के खगोलशास्त्र और गणित विद्यालय तक की गौरवशाली परंपरा को सम्मानित करेगी।

ऑफ बीट

बंद शहर से हैं क्रूज, इसलिए तेजी से फैलता है संक्रमण

समुद्री क्रूज यात्राओं को आम तौर पर आरामदायक और विलासितापूर्ण छुट्टियों के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए ये जहाज यह समझने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं कि संक्रामक बीमारियां किस तरह तेजी से फैल सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, क्रूज जहाज अस्थायी तैरते शहरों की तरह होते हैं, जहां हजारों लोग कई दिन तक एक ही जगह पर रहते, खाते, घूमते और मनोरंजन करते हैं। रेस्तरां, थिएटर, लिफ्ट, केबिन, रसोईघर, जल प्रणाली और बंद सामुदायिक स्थान संक्रमण के प्रसार को आसान बना देते हैं। एक बार कोई संक्रमण जहाज पर पहुंच जाए तो उसे रोकना बेहद कठिन हो सकता है। 'डायमंड प्रिंसेस' जहाज से कोविड 19 का प्रसार इसका सबसे चर्चित उदाहरण माना जाता है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान 'डायमंड प्रिंसेस' जहाज पर 619 यात्री और चालक दल के सदस्य संक्रमित पाए गए थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि जहाज की परिस्थितियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को तेज किया। हालांकि पृथकवास और अलगाव जैसे कदमों से संक्रमण को कुछ हद तक नियंत्रित किया गया, लेकिन अध्ययन में यह भी कहा गया कि यदि शुरुआती प्रतिक्रिया और तेज होती तो मामलों की संख्या और कम हो सकती थी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोन: 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

बंगाल में ममता सरकार में नियुक्त सभी मनोनीत अधिकारी बर्खास्त, केंद्र की योजनाएं शुरू

सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार पिछली सरकारों द्वारा 10 या 34 साल पहले शुरू की गई सामाजिक योजनाओं को बंद नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को पहली कैबिनेट बैठक की। इस दौरान कई बड़े फैसले लिए। उन्होंने राज्य सरकार के अधीन गैर-सांविधिक निकायों, बोर्डों, संगठनों और सार्वजनिक उपक्रमों में नियुक्त सभी मनोनीत सदस्यों, निदेशकों और अध्यक्षों के कार्यकाल को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्देश जारी किया। इसके साथ ही राज्य सरकार ने 60 वर्ष की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु के बाद एक्सटेंशन या री-अपॉइंटमेंट पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त करने को कहा है। सीएम ने यह भी ऐलान किया कि राज्य में केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत योजना' को लागू किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र की अन्य योजनाओं को भी राज्य में लागू करने का फैसला लिया गया है।

सीएम सुवेंदु ने पहले दिन लिए कई अहम फैसले

सेवानिवृत्ति के बाद एक्सटेंशन पर कार्यरत लोगों की सेवाएं तत्काल समाप्त

सीएम सुवेंदु ने कोलकाता स्थित राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में पहली कैबिनेट बैठक की

स्कूल में नौकरी के लिए आयु सीमा बढ़ी

बंगाल सरकार की कैबिनेट ने गवर्नमेंट स्कूलों में नौकरी के लिए आवेदन करने वालों की आयु सीमा में 5 साल की बढ़ोतरी को भी मंजूरी दे दी है। यह वादा चुनाव अभियान के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। कैबिनेट ने केंद्र सरकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने के निर्देश देने का अधिकार दिया है।

राज्य में बीएनएस लागू

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि टीएमसी सरकार ने संविधान का उल्लंघन करते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को राज्य में लागू नहीं किया था। अब राज्य सरकार ने इसे लागू करने का फैसला लिया है। जून 2025 की जनगणना की अधिसूचना को अब तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

'आयुष्मान भारत योजना' शुरू

पीएम जन आरोग्य योजना, पीएम किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और उज्ज्वला योजना समेत कई केंद्रीय योजनाओं को राज्य में तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई। सभी लंबित आवेदनों को शीघ्र केंद्र को भेजने का निर्देश दिया गया।

'लक्ष्मी भंडार' योजना जारी रहेगी

सीएम ने कहा कि उनकी सरकार पिछली सरकारों द्वारा 10 या 34 साल पहले शुरू की गई सामाजिक योजनाओं को बंद नहीं करेगी। इन योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'लक्ष्मी भंडार' योजना जारी रहेगी।

पीएम मोदी, शाह और रक्षा मंत्री रहेंगे मौजूद

आज असम में सीएम पद की शपथ लेंगे हिमंता

असम में हिमंता बिस्वा सरमा 12 मई सुबह 11 बजे सीएम पद की शपथ लेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और एनडी शासित राज्यों के सीएम इस समारोह में शामिल होंगे। शपथ लेने के बाद, पहली कैबिनेट बैठक होगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह भाजपा में हुए शामिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई और आम आदमी पार्टी के पूर्व रणनीतिकार ज्ञान सिंह सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। उनका यह कदम पंजाब की राजनीति में एक महत्वपूर्ण फेरबदल का संकेत है, क्योंकि वे पहले भी मान सरकार की नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में ज्ञान सिंह भाजपा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के भाई होने के बावजूद, ज्ञान सिंह ने पहले भी राज्य प्रशासन की आलोचना की है, विशेष रूप से पंजाब में आई बाढ़ से निपटने के तरीके की, और दावा किया है कि प्रशासनिक विफलताओं ने जनता की पीड़ा को और बढ़ा दिया।

एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का उपयोग करके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों पर सवाल उठाए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उनके इस निर्णय से भाजपा को शासन और आंतरिक मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी प्रशासन पर हमले करने में और मजबूती मिलेगी। एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर महत्वपूर्ण सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का इस्तेमाल किया, और अक्सर ऐसे रुख का समर्थन किया जो पार्टी की आधिकारिक स्थिति के विपरीत थे।

पीएम मोदी ने 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में भाग लिया, विपक्षी दलों पर गरजे

कुछ शक्तियां राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व दे रहीं

पीएम मोदी ने कहा कि राम मंदिर निर्माण का भी विरोध किया गया, लेकिन अब देश विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम और अयोध्या में राम मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों का भव्य विकास हुआ है

एजेंसी ▶▶ गिर सोमनाथ

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में हिस्सा लिया। यह महोत्सव भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज भी कुछ शक्तियां राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण का भी विरोध किया गया, लेकिन अब देश विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम और अयोध्या में राम मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों का भव्य विकास हुआ है। ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर में आयोजित इन समारोहों में मंदिर के जीर्णोद्धार और 1951 में भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा किए गए इसके उद्घाटन को याद किया गया।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और सरदार पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति से हुआ पुनर्निर्माण

भारतीय परंपरा में शिव-शक्ति की आराधना साथ में होती

कलश स्थापना के समय पीएम मोदी सोमनाथ मंदिर के शिखर को प्रणाम करते हुए

पुनर्निर्माण का नेहरू ने किया था विरोध
नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार को लेकर राजनीति हुई। उन्होंने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद और सरदार पटेल ने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए प्रयास किए, लेकिन उन्हें तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू के विरोध का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मंदिर भारतीय समाज की आध्यात्मिक शक्ति हैं।

दबाव में आए बिना किया परमाणु परीक्षण

पीएम मोदी ने 11 मई 1998 को हुए पोखरण परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के दबाव के बावजूद भारत ने अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में शिव और शक्ति की आराधना साथ-साथ चलती है।

रोड शो में किया भव्य स्वागत

पीएम का स्वागत करने के लिए हेलीपैड से लेकर मंदिर के पास स्थित वीर हमीरजी सर्कल तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबे रास्ते पर हजारों लोग जमा हो गए। जब पीएम का काफिला उस इलाके से गुजरा, तो समर्थकों ने झंडे लहराए।

'कुंभाभिषेक' समारोह संपन्न

देशभर के 11 पवित्र तीर्थस्थलों से लाए गए पवित्र जल का उपयोग करके एक 'कुंभाभिषेक' समारोह संपन्न किया गया। पीएम को चांदी के कलश में यह जल सौंपा गया। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तिपूर्ण प्रार्थनाओं के बीच, औपचारिक रूप से ध्वजारोहण और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए।

सरदार धाम भवन-3 का उद्घाटन किया

वडोदरा। पीएम नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में करीब 150 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सरदार धाम भवन-3 का उद्घाटन किया। यह परियोजना सरदार धाम परिसर के विस्तार का हिस्सा है, जिसे विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को आवासीय और शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के लिए नए छात्रावास परियोजना की आधारशिला भी रखी और 500 करोड़ रुपए की शिक्षा सहायता योजना लॉन्च की। पीएम ने वर्चुअल माध्यम से धर्मशी हरजी मोरडिया गर्ल्स छात्रालय फेज-2 की आधारशिला भी रखी। इस परियोजना का उद्देश्य छात्राओं के लिए हॉस्टल सुविधाओं का विस्तार करना है।

रमेश चेन्निथला हो सकते हैं विस अध्यक्ष

केरल के नए सीएम होंगे वेणुगोपाल! सतीशन ने बढ़ाया दबाव, फैसला जल्द

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कमोबेश तय है, केरलम के अगले मुख्यमंत्री केसी वेणुगोपाल होंगे। अधिकतर विधायकों और सांसदों का समर्थन उन्हें प्राप्त है। शीर्ष नेतृत्व का भी आशीर्वाद है।

अमेठी से राहुल गांधी के हार जाने के बाद वेणुगोपाल ने वायनाड सीट खाली कर राहुल गांधी को जिताकर लोकसभा पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान किया था। तभी से वे संगठन का कामकाज बतौर संगठन महासचिव देख रहे हैं। राहुल गांधी जब पार्टी अध्यक्ष थे वेणुगोपाल तब भी संगठन महासचिव थे, खरगे अध्यक्ष बने तो उनके साथ भी वे जिम्मेदारी निभा रहे हैं। एक नेता ने बताया कि बुधवार को खरगे की बंगलोर से पहले वापसी के बाद अंतिम फ़ैसला हो सकता है।

ये बात अलग है की मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीडी सथीशन ने अपने रुख को और सख्त कर लिया है और साफ संकेत दिए हैं कि वह मुख्यमंत्री पद के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व की योजना सतीशन को संभावित सरकार में एक अहम मंत्री की भूमिका देने की है, जबकि मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी आलाकमान की पहली पसंद केसी वेणुगोपाल ही हैं। वहीं, एक अन्य दावेदार रमेश चेन्निथला विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव भी चर्चा में है।

हालांकि, सतीशन किसी "दूसरी भूमिका" के लिए तैयार नहीं दिख रहे। सूत्रों का कहना है कि उन्हें जनता के एक बड़े वर्ग के साथ-साथ कांग्रेस की सहयोगी पार्टी इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि कांग्रेस नेतृत्व के लिए स्थिति पेचीदा बन गई है।

जहां सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच चली लंबी रस्साकशी ने पार्टी के भीतर लगातार तनाव पैदा किया था। कांग्रेस नेतृत्व अब केरल में वैसी स्थिति दोहराने से बचना चाहता है।

सूत्रों के मुताबिक, इस विवाद को सुलझाने के लिए राहुल गांधी ने कल केरल कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों की एक अहम बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि इस बैठक में मुख्यमंत्री चेहरे पर सहमति बनाने की कोशिश होगी।

पार्टी हाईकमान सतीशन और चेन्नीथला के समर्थकों द्वारा अपनाई जा रही "दबाव की राजनीति" से नाराज बताया जा रहा है। तिरुवनंतपुरम में जहां वेणुगोपाल के पोस्टर और कटआउट पार्टी कार्यालयों में लगाए जा रहे हैं, वहीं सतीशन समर्थक शक्ति प्रदर्शन के लिए विरोध-प्रदर्शन और रैलियां कर रहे हैं।

कांग्रेस नेतृत्व इस बात को भी लेकर सतर्क है कि यदि सतीशन नाराज होते हैं तो इसका राजनीतिक नुकसान हो सकता है। सतीशन लंबे समय से राज्य में वाम मोर्चे के खिलाफ पार्टी की लड़ाई का प्रमुख चेहरा रहे हैं। यदि वेणुगोपाल को सीएम बनाया जाता है, तो उन्हें विधानसभा उपचुनाव लड़ना होगा। साथ ही उनकी लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव कराना पड़ेगा, जिससे हाल ही में लंबा चुनावी दौर पूरा कर चुकी कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

आईआईटी रुड़की के शोधार्थी का शव बरामद

हरिद्वार। भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में शोध कर रहे नैनीताल के एक छात्र का शव हरिद्वार में गंगनहर से बरामद हुआ है। जिसकी शिनाख्त आईआईटी रुड़की के शोधार्थी मोहित आर्य (40) के रूप में हुई जो नैनीताल का रहने वाला था। मोहित पिछले तीन-चार दिन से लापता था, लेकिन उसकी गुमशुदगी के सिलसिले में पुलिस या उसके परिजन को कोई सूचना नहीं थी।

नड्डा और चौहान ने सेहत मिशन लॉन्च किया

आईसीएआर-आईसीएमआर के साथ से खुला हेल्दी फूड, हेल्दी फार्म, हेल्दी इंडिया का रास्ता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में 'सेहत मिशन' लॉन्च किया गया। खेती से स्वास्थ्य तक भारत की नई बड़ी पहल है। यह आईसीएआर आईसीएमआर की साझेदारी से प्रारंभ हेल्दी फूड, हेल्दी फार्म और हेल्दी इंडिया का नया महत्वपूर्ण मिशन है। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि 'सेहत मिशन' भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। यह पहल बताती है कि भारत अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'सेहत मिशन' का शुभारंभ ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कदम है, जो खेती, पोषण और स्वास्थ्य को एक साथ जोड़कर स्वस्थ भारत के निर्माण की मजबूत दिशा तय करेगा।

सुवेंदु अधिकारी पीए हत्याकांड

टोल पर यूपीआई पेमेंट करना बना गिरफ्तारी का अहम सुराग

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की एक अदालत ने सोमवार को चंद्रनाथ राय हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को 13 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। चंद्रनाथ रथ सीएम सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक थे। पुलिस ने इस हत्याकांड के सिलसिले में तीन आरोपियों मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह को गिरफ्तार किया था। इन सभी को सोमवार को अदालत में पेश किया गया था। चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में पुलिस के हाथ एक महत्वपूर्ण सुराग लगा था। निवेदिता सेतु पर एक टोल प्लाजा पर किए गए यूपीआई भुगतान ने पुलिस को हत्या के तीन संदिग्धों तक पहुंचने में मदद की है। इन आरोपियों को उत्तर प्रदेश और बिहार से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का मानना है कि इस साजिश और हत्या में कम से कम आठ लोग शामिल थे। पुलिस ने बताया कि हत्या में इस्तेमाल की गई सिल्वर रंग की हैचबैक को झारखंड से खरीदा गया था। दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं।

भारत-श्रीलंका सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को साझा करते हैं: बिरला

श्रीलंका के महिला सांसद कॉकस ने संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष बिरला से भेंट की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत और श्रीलंका गहरे सभ्यतागत, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों से बंधे हुए हैं, जो सदियों से विकसित हुए हैं। दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये अटूट संबंध आज भी भारत और श्रीलंका के बीच मैत्रीपूर्ण रिश्तों का आधार हैं। बिरला ने ये उद्गार संसद भवन में श्रीलंका के 'महिला सांसद कॉकस' के साथ बातचीत के दौरान व्यक्त किये। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

श्रीलंका सरकार की महिला एवं बाल मामलों की मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही थीं।

हाल ही में एस.एम. मरिक्कर के नेतृत्व में आए श्रीलंकाई संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई अपनी बातचीत को याद करते हुए बिरला ने दोनों देशों के बीच बढ़ते संसदीय आदान-प्रदान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच निरंतर संवाद और नियमित मुलाकातों ने भारत-श्रीलंका के संसदीय संबंधों को नई गति दी है और आपसी समझ को मजबूत किया है।

बिरला ने कहा कि आज महिलाएं शासन और राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया से लेकर नीति निर्धारण और नेतृत्व की भूमिकाओं तक सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। भारत का दृष्टिकोण अब महिलाओं के नेतृत्व में विकास हो गया है। सरोजा सावित्री पॉलराज ने प्रतिनिधिमंडल के स्वागत और आतिथ्य के लिए बिरला का आभार व्यक्त किया।

संसद टीवी इंटर्नशिप कार्यक्रम उद्घाटन पर हरिवंश ने किया मूल्य आधारित पत्रकारिता का आह्वान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने संसद भवन परिसर में संसद टीवी इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी, संसद टीवी के सीईओ अमित खरे और आईआईएमसी की कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रज्ञा पालीवाल गौड़ सहित 19 चयनित प्रशिक्षु और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरिवंश ने कहा कि एक पत्रकार के लिए संसदीय साक्षरता उतनी ही आवश्यक है जितनी कि पेशेवर कौशल। उन्होंने कहा कि सदन वह स्थान है जहाँ राष्ट्र का इतिहास लिखा जाता है, और इसकी सटीक रिपोर्टिंग के लिए संवैधानिक ढांचे, नियम पुस्तिकाओं और भारत को आकार देने वाली संसदीय बहसों की समृद्ध विरासत से अच्छी तरह परिचित होना अनिवार्य है। उपसभापति ने मीडिया के तेजी से होते डिजिटलीकरण से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगाह किया कि डिजिटल युग में गति महत्वपूर्ण है, लेकिन यह कभी भी सटीकता की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षुओं से संसद टीवी को विश्वसनीय सूचनाओं का एक मानक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को संगठन के भीतर परिवर्तन का वाहक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवा एक अनूठा दृष्टिकोण लाते हैं जो जटिल विधायी प्रक्रियाओं और आम आदमी की आकांक्षाओं के बीच की दूरी को पाट सकता है। उन्होंने उनसे ऐसी कहानी कहने के प्रारूपों के साथ नवाचार करने का आह्वान किया जो युवा पीढ़ी के साथ जुड़ सकें।हरिवंश ने कहा कि यह इंटर्नशिप अनुशासन और समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का एक अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों को याद दिलाया कि वे केवल सामग्री निर्माता नहीं हैं, बल्कि जनता के जानने के अधिकार के संरक्षक हैं। हरिवंश ने प्रशिक्षुओं को जीवन भर छात्र बने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मीडिया और शासन का परिदृश्य लगातार विकसित हो रहा है, और एक सफल पेशेवर वही है जो जिज्ञासु बना रहता है।

पीएम की अपील के बाद पेट्रोलियम मंत्रालय ने दिया स्पष्टीकरण

पेट्रोल-डीजल का स्टॉक पर्याप्त, एलपीजी की सप्लाई जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार ने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा कि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई चेन पर असर पड़ा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसके बावजूद देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा कि जहां संभव हो वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल किया जाए। लोग कारपूलिंग अपनाए।

सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रहीं

देश में कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद

रोजमर्रा की जिंदगी में ऊर्जा बचाने की कोशिश करें

संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस वार्ता में कहा कि अगर हर नागरिक रोजमर्रा की जिंदगी में ऊर्जा बचाने की कोशिश करेगा तो देश पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं हैं।

3 दिनों में एलपीजी बिक्री 17 हजार टन से अधिक

घरेलू रसोई गैस की सप्लाई लगातार जारी है और पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है। पिछले तीन दिनों में 1 करोड़ 14 लाख बुकिंग के मुकाबले 1 करोड़ 26 लाख एलपीजी सिलेंडर घरों तक पहुंचाए गए हैं। कमर्शियल एलपीजी की बिक्री भी पिछले तीन दिनों में 17 हजार टन से अधिक रही है।

एलपीजी डिलीवरी को लेकर अलर्ट

जालसाज ओटीपी और ऑथेंटिकेशन के जरिए कर रहे फ्रॉड

सरकारी तेल कंपनियों ने देश में बढ़ रहे एलपीजी डिलीवरी स्कैम को लेकर चेतावनी जारी की है और कहा है कि जालसाज गैस डिलीवर करने वाले वेंडर बनकर ओटीपी और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर साइबर धोखाधड़ी के बारे में उपभोक्ताओं को आगह करते हुए कहा कि इस धोखाधड़ी में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को फर्जी एसएमएस और व्हाट्सएप मैसेज के जरिए निशाना बनाया जा रहा है, जो डिलीवरी नोटिफिकेशन की नकल करते हैं।

अंतर-मंत्रालयी बैठक के बाद विभाग ने कहा

खरीफ बुवाई के लिए उर्वरक का भंडार पर्याप्त, घबराएं नहीं: केंद्र

सरकार घरेलू उत्पादन की पूर्ति सुनिश्चित करेगी

यूरिया के साथ अन्य उर्वरकों का आयात कर रही सरकार

उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य स्थिर बने हुए है

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में उर्वरकों का 'पर्याप्त' भंडार है। साथ ही किसानों से अपील की कि वे घबराकर खरीदारी न करें। पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयी बैठक में उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने कहा कि सरकार घरेलू उत्पादन की पूर्ति के लिए और आगामी खरीफ मौसम के दौरान पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यूरिया के साथ-साथ अन्य उर्वरकों का आयात कर रही है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शर्मा ने कहा कि प्रमुख उर्वरकों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) स्थिर बने हुए हैं। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य सरकारें उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने एवं अत्यधिक इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए प्रयासरत हैं। राज्य सरकारें जमाखोरी पर अंकुश लगाने और व्यावसायिक उपयोग के लिए उर्वरक तत्वों के दुरुपयोग को रोकने के लिए कार्रवाई कर रही हैं।

भंडार सामान्य स्तर से काफी अधिक

अतिरिक्त सचिव ने कहा, '' भारत की उर्वरक सुरक्षा आरामदायक और सुव्यवस्थित बनी हुई है।'' शर्मा ने कहा, '' उर्वरक विभाग की ओर से यह बताया जाता है कि खरीफ 2026 के लिए कृषि विभाग द्वारा अनुमाति आवश्यकता के मुकाबले भंडार 51 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने बताया कि यह भंडार सामान्य स्तर (करीब 33 प्रतिशत) से काफी अधिक है।

उर्वरकों की कुल आवश्यकता 390.54 लाख टन आंकी गई

कृषि विभाग ने खरीफ 2026 के लिए उर्वरकों की कुल आवश्यकता 390.54 लाख टन आंकी है। उन्होंने कहा, उर्वरकों का भंडार पर्याप्त है और प्रमुख उर्वरकों के एमआरपी में कोई बदलाव नहीं हुआ है।''संकट काल के बाद घरेलू उत्पादन 76.78 लाख टन और आयात 19.94 लाख टन रहा है।

साप्ताहिक समीक्षा जारी है

इससे अगले 15-20 दिन में शुरू होने वाले सबसे अधिक मांग के समय में पर्याप्त उपलब्धता बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि सचिवों का एक अधिकार प्राप्त समूह इस स्थिति की साप्ताहिक समीक्षा कर रहा है।

घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा

उर्वरक विभाग ने पिछले सप्ताह जानकारी दी थी कि मार्च-अप्रैल के दौरान घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा है। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डीएपी (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (आठ लाख टन) शामिल हैं।

97 लाख उर्वरक की उपलब्धता बढ़ी है

शर्मा ने जानकारी दी, '' इस प्रकार कुल 97 लाख टन उर्वरक की उपलब्धता बढ़ी है।''शर्मा ने बताया कि भारत ने वैश्विक स्रोतों से सात लाख टन 'एनपीके कॉम्प्लेक्स' सुरक्षित किए हैं। इसके अलावा, देश के लिए 12 लाख टन डीएपी (डाय-अमोनियम फॉस्फेट), चार लाख टन ट्रिपल सुपर फॉस्फेट और तीन लाख टन अमोनियम सल्फेट भी सुनिश्चित किए गए हैं।

मार्केट न्यूज

बिजनेसमैन डा. संजीव जुनेजा को मिला "एक्सीलेंस इन ब्रांड बिल्डिंग एंड कंज्यूमर ट्रस्ट" अवार्ड

WPO अवॉर्ड्स 2026 में बिजनेस टाइकून संजीव जुनेजा को मिला प्रतिष्ठित सम्मान

नई दिल्ली। वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन द्वारा एक प्रतिष्ठित होटल में भव्य वैसाखी अवॉर्ड्स 2026 समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें देश-विदेश की जानी-मानी हस्तियों की मौजूदगी के बीच उद्योगपति एवं एसबीएस बायोटेक के संस्थापक डा. संजीव जुनेजा को ''एक्सीलेंस इन ब्रांड बिल्डिंग एंड कंज्यूमर ट्रस्ट'' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारतीय उद्योग में उनके उत्कृष्ट योगदान, सशक्त ब्रांड निर्माण और उपभोक्ताओं के बीच अटूट विश्वास कायम करने के लिए प्रदान किया गया। यह भव्य समारोह डब्ल्यूपीओ के इंटर नेशनल प्रेसिडेंट एवं राज्य सभा सांसद डा. विक्रमजीत सिंह साहनी (पद्मश्री) के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसके अलावा कई गणमान्य अतिथि, वरिष्ठ उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी इस अवसर पर शामिल हुए। समारोह के दौरान उद्योग, व्यापार, सिनेमा, खेल, मीडिया, फैशन, सामाजिक सेवा और वैश्विक व्यापार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्ष्ट कार्य करने वाले अनेक नामचीन लोगों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल उपलब्धियों का सम्मान था, बल्कि पंजाबी संस्कृति, विरासत और वैश्विक पहचान का एक भव्य उत्सव भी रहा। इस अवसर पर डा. विक्रमजीत सिंह साहनी ने अपने संबोधन में कहा कि वैसाखी केवल एक पर्व नहीं है।

रुपया 82 पैसे टूटकर निचले स्तर 95.31 डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। रुपया सोमवार को 82 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.31 (अस्थायी) पर आ गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिकों से सोना खरीदने से बचने और मितव्ययिता उपायों को अपनाने का आग्रह करने से बाजार की धारणा और कमजोर हो गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। दिन में 94.87 से 95.34 प्रति डॉलर के बीच कारोबार करता रहा। अंत में यह अबतक के सबसे निचले स्तर 95.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 82 पैसे की भारी गिरावट है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी विशाल, पुत्र: रूप किशोर पता: 35A/36,** गली नंबर 14, विपिन गार्डन उत्तम नगर द्वारका दिल्ली **FIR No. 494/19, U/s: 279/337 IPC, पुलिस थाना: राज पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **विशाल, FIR No. 494/19, U/s: 279/337 IPC, पुलिस थाना: राज पार्क, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ईब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर पश्चिम कमरा नं. 107, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5734/OD/2026
(Court Matter)

सेंसेक्स 1,313 अंक टूटा, पीएम की अपील से निवेशक चिंतित

मुंबई, (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 1,313 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। अमेरिका और ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,312.91 अंक यानी 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,370.79 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 360.30 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,815.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले बृहस्पतिवार से शुरू तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,950 अंक यानी 2.5 प्रतिशत टूटा है जबकि निफ्टी 515 अंक यानी दो प्रतिशत से अधिक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नये शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इससे पश्चिम एशिया में संकट दूर करने के लिए राजनयिक सफलता की उम्मीद फिलहाल कमजोर हुई है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रकाश वर्मा** पुत्र गोविंद वर्मा निवासी एस-587 शकरपुर स्कूल ब्लॉक, शकरपुर पूर्वी दिल्ली, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 524/2024, सी आर संख्या 933/2026 धारा 420/406/120बी/34 भा.द.स, थाना कृष्ण नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रकाश वर्मा** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **प्रकाश वर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **प्रकाश वर्मा, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 524/2024, सी आर संख्या 933/2026 धारा 420/406/120बी/34 भा.द.स, थाना कृष्ण नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **11.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
कमरा संख्या 3, दूसरी मंज़िल, पूर्वी ज़िला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/6196/SHD/2026

इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश में पांच फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि से जुड़ी चिंताओं के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में अप्रैल माह के दौरान 38,440 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया जो मार्च के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत कम है। उद्योग निकाय एम्फी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के माध्यम से किया जाने वाला मासिक योगदान भी घटकर 31,115 करोड़ रुपये रह गया, जबकि मार्च में यह 32,087 करोड़ रुपये था। म्यूचुअल फंड उद्योग में समग्र रूप से अप्रैल के दौरान 3.22 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जबकि मार्च में 2.4 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुमित उर्फ अभिषेक पुत्र** गोटे राम उर्फ सोते राम, **निवासी** मकान नं0 475, पोस्ट ऑफिस वाली गली, बवाना, दिल्ली, ने **FIR No. 18176/2023, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन बवाना, बाहरी उत्तर जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ अभिषेक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ अभिषेक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 18176/2023, U/S 411 IPC, पुलिस स्टेशन बवाना, बाहरी उत्तर जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सुमित उर्फ अभिषेक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.07.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री भारती बेनीवाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05,
कोर्ट नं0–114, प्रथम तल, उत्तरी जिला,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6157/ON/2026
(Court Matter)

ईरान के शांति प्रस्ताव को ट्रंप ने ठुकराया, सोना 600 रुपये टूटा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतें 600 रुपये टूटकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को ठुकराने के बाद यह गिरावट आई है। अमेरिका द्वारा ईरान की प्रतिक्रिया ठुकराने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से संघर्ष शुरू होने का डर बढ़ गया और कच्चे तेल की कीमतें ऊपर चली गई हैं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 600 रुपये टूटकर 1,55,300 रुपये (सभी टैक्स मिलाकर) रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। यह शुक्रवार के बंद भाव 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से कम है। हालांकि, चांदी की कीमतों में 3,700 रुपये या 1.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 2,65,000 रुपये (सभी टैक्स मिलाकर) प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछली सत्र में चांदी 2,61,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना एक प्रतिशत से अधिक टूटकर 4,661.68 डॉलर प्रति औंस रह गया, और चांदी भी मामूली गिरावट के साथ 80.28 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोना थोड़ा कमजोर रहा, क्योंकि बाजारों ने अमेरिका-ईरान शांति प्रस्तावों से जुड़े नकारात्मक घटनाक्रमों पर सावधानी से प्रतिक्रिया दी। खबरों से पता चलता है कि शर्तों को फिर से खारिज कर दिया गया है और संघर्ष के फिर से बढ़ने का डर बढ़ रहा है।

जेयूआईटी को मिला डॉ. प्रियंका प्रियदर्शनी का स्वागत करने का मौका

नई दिल्ली। जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना विज्ञान विभाग, जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी को 8 मई 2026 को पेनेसिया बोयोटेक लिमिटेड की हेड, आर एंड डी – बायोलॉजिकल्स, डॉ. प्रियंका प्रियदर्शिनी के स्वागत का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनका गर्मजोशी से स्वागत प्रो. अनिल कांत ठाकुर, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, डीबीटी, पीजी टीचिंग एवं प्रो. जटा शंकर, विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राजेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. सुधीर स्याल, डीन (आर एंड आई), प्रो. तीर्थ राज सिंह, एसोसिएट डीन (इनोवेशन), विभागीय संकाय सदस्य, छात्र एवं तकनीकी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका ने जेयूआईटी जीएटी बी मॉक टेस्ट – 2026 के विजेताओं के लिए आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में भी भाग लिया। इस मॉक टेस्ट में 12 विभिन्न महाविद्यालयों के 384 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों ने हिमाचल प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों का दौरा कर मॉक टेस्ट आयोजित किया, जिससे विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा आयोजित जीएटी बी परीक्षा की तैयारी में अत्यंत लाभ मिला। पुरस्कार वितरण समारोह 8 मई 2026 को जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलोजी में माननीय कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

रेलवे बोर्ड के सदस्य ने कामाख्या कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया

मालीगांव। रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन और रोलिंग स्टॉक) श्री आर. राजगोपाल ने 10 मई, 2026 को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के अधीन कामाख्या कोचिंग डिपो में महत्वपूर्ण परिचालन और रखरखाव सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्रू कल्याण, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, संरक्षा में सुधार और उन्नत तकनीकों को अपनाने पर विशेष ज़ोर दिया। इस निरीक्षण में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में रेलवे के वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान, सदस्य (टीआरएस) ने कामाख्या स्थित रनिंग रूम और क्रू लॉबी का दौरा किया, जहाँ वंदे भारत स्लीपर और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के क्रू सदस्यों को उपलब्ध कराई गई विश्राम सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। रेल कर्मचारियों के लिए आराम और परिचालन तत्परता के उच्च मानकों को बनाए रखने पर विशेष ज़ोर दिया गया। कामाख्या स्थित कोच मेनटेनेंस डिपो में, सदस्य (टीआरएस) ने भारत के पहले वंदे भारत रेक का निरीक्षण किया और डिपो में अपनाए जा रहे विभिन्न रखरखाव और संरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा की। पिट लाइन पर, रोलिंग स्टॉक की स्थिति की निगरानी के लिए अपनाए जा रहे नए और उन्नत तरीकों के संबंध में विस्तृत अवलोकन किए गए।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक/यॉंत्रिक (समाडि)/पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु खुली ई निविदा सूचना संख्या M/C&W/01/2026-27 दि० 08.05.2026 के माध्यम से एक पैकेट सिस्टम (वर्क्स टेंडर) पर आधारित ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर नये कैरेज वाटरिंग हाइड्रेन्ट का प्रावधान। कार्य की अनुमानित लागत (रुपयों में): रूपये ₹ 4,71,38,429.48 (रुपये चार करोड इकहत्तर लाख अडतीस हजार चार सौ उन्तीस एवं अडतालिस पैसे मात्र), बिड सिक्योरिटी राशि रु0–₹ 9,42,800.00 (रु० नौ लाख बयालीस हजार आठ सौ मात्र), निविदा प्रपत्र का मुल्य शुन्य (प्राधिकार एसजीसीसी वर्क्स, अप्रैल–2022, (रेलवे बोर्ड द्वारा अपने पत्रांक 2022/सीइ– I/सीटी/जीसीसी–2022/पालिसी नयी दिल्ली दि0 27.04.2022 के माध्यम से जारी), कार्य की अवधि–स्कोप आफ वर्क के अनुसार सप्लाइ, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग हेतु– स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 09 माह तक।

वारंटी/गारंटी:– हाइड्रेन्ट पाइपलाइन हेतु: कमीशनिंग तिथि से 18 माह तक। पाइप्स/फिटिंग्स/वाल्ब्स/इक्विप्मेंट्स इत्यादि हेतु:– कमीशनिंग/फिटमेंट तिथि से 18 माह या ओइएम द्वारा निर्धारित वारंटी–इन दोनों में से जो अधिक हो।

ई नि0 बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 05.06.2026 को समय 14.30 बजे, ई नि0 खुलने की तिथि एवं समय दिनांक 05.06.2026 को समय 15.00 बजे। निविदाकार निविदा को दि0–05.06.2026 को समय 14.30 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें।

वमयाइ/समाडि
मुजाधि/यांत्रिक–20 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरि. म. वि. इंजी./ई.एम.यू./गाजियाबाद भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली ई–निविदायें आमंत्रित करते हैं:

1	**निविदा संख्या :** 232-Elect-EMU-WC-06-25-26
2	**कार्य का विवरण एवं स्थान :** "ईएमयू कार शेड, गाजियाबाद में टावर वैगन में लगे 700 HP (CGL मेक) ट्रैक्शन मोटर का पुनर्वास/मरम्मत।
3	**निविदा दस्तावेज की कीमत :** NIL
4	**कार्य की अनुमानित लागत :** Rs. 82,54,017.48 inclusive of GST
5	**धरोहर राशि :** Rs. 1,65,100.00 (online payment mode available on IREPS website)
6	**कार्य पूरा करने की अवधि :** 24 Months
7	**ऑफर की अवधि :** 60 days
8	**निविदा विज्ञापन की तिथि (on IREPS website) :** 11.05.2026, 15:29
9	**निविदा जमा करने की तिथि (on IREPS website) :** 01.06.2026 to 15.06.2026, 15:00
10	**निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 15.06.2026, 15:00 Hrs.
11	**निविदा खुलने की तिथि एवं समय (तत्काल जब निविदा जमा करने का काल समाप्त हो जाए) :** 15.06.2026, 15:00 Hrs.
12	**निविदा छपाई की लागत (allocation) :** 07041132

Note 1: All participant Tenderer/Tenderers will submit their requisite documents along with their tender offer. "No post tender correspondence for submission of additional document shall be entertained after opening of the Technical & Commercial offer. Even suo-moto post tender letters of the tenders shall be treated as null & void".
Note 2: Duplicate documents should not be enclosed/uploaded.
निविदा सूचना website **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

सं.: 232-Elect-EMU-WC-06-25-26 दिनांक: 11.05.2026 1576/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खरीफ सीजन से पहले उर्वरकों का रिकॉर्ड स्टॉक: मांग के मुकाबले 51% भंडार सुरक्षित, कीमतें नहीं बढ़ेंगी

नई दिल्ली। देश में उर्वरकों की सुरक्षा व्यवस्था वर्तमान में सुदृढ़, स्थिर और बेहतर ढंग से प्रबंधित है, जिसके कारण सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता मांग से लगातार अधिक बनी हुई है। आगामी खरीफ 2026 सीजन के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कुल 390.54 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की आवश्यकता का अनुमान लगाया है। इस मांग के मुकाबले, आज की तिथि में देश के पास 199.65 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जो कुल आवश्यकता का 51% से भी अधिक है। यह स्टॉक सामान्यत: रहने वाले 33% के स्तर से काफी अधिक है, जो सरकार की बेहतर योजना, अग्रिम भंडारण और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रबंधन को दर्शाता है। संकट के बाद घरेलू उत्पादन और आयात की स्थिति (लाख टन में) पश्चिम एशिया में चल रहे हालिया संकट की स्थिति के बाद देश में कुल 97 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। घरेलू उत्पादन ने इसमें 76.78 लाख टन का योगदान दिया, जबकि 19.94 लाख टन उर्वरक आयात के जरिए भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचा है।

शब्द पहेली - 6223

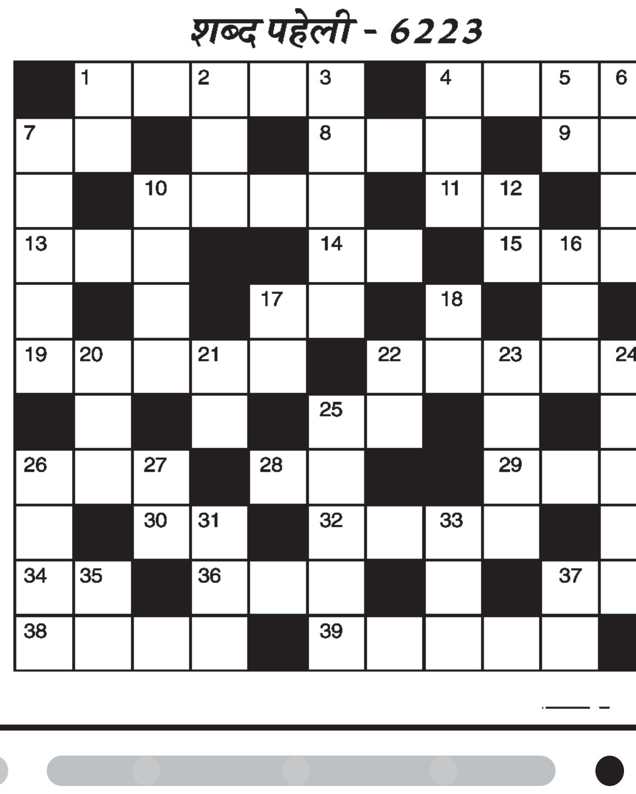

बाएँ से दाएँ
1.सहयोग की भावना–5
4.अकस्मात,एकाएक–4
7.पराजय–2
8.नाव चलाने वाला–3
9.भीगा हुआ–2
10.अनुवाद–4
11.बेल–2
13.योग्य,सही–3
14.घोड़ा गाड़ी–2
15.काव्य,गजल–3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान–2
19.नामकरण–2,3
22.राजा का महल–5
25.प्रेम,ममता–2
26.कपड़े की दीवार–3
28.रास्ता,मार्ग–2
29.सिर,खोपड़ी–3
30.माप–2
32.गुस्सा करना–4
34.व्यंग,चुटीली बात–2
36.नायक,नेता–3
37.एक आंख वाला–2
38.रचनाकार–4
39.कृष्ण का एक नाम–3,2

ऊपर से नीचे
1.महोदय (अंग्रेजी–2)
2.डरपोक,भीरू–3
3.व्यंग कसना –5
4.बुद्धि–3
5.झुका हुआ–2
6.कर देने वाला–4
7.चोरी करना,छीनना (मु.–2,3)
10.तहखाना–4
12.एकटक देखना–2
16.वियोग,जुदाई–3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म–2
18.खुजली–2
20.घोटना,मंथन करना–3
21.पत्र,चिट्ठी–2
22.रास्ता–2
23.सुगंधित होना–4
24.बिजली का कौंधना–5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू–5)
26.भगवान,ईश्वर–4
27.पेड़ का मध्य भाग–2
31.पटाखे की बाती,–3
33.अभिव्यक्ति–3
35.नृत्य,डांस–2
37.छोटी सवारी गाड़ी–2

शब्द पहेली- 6222 का हल

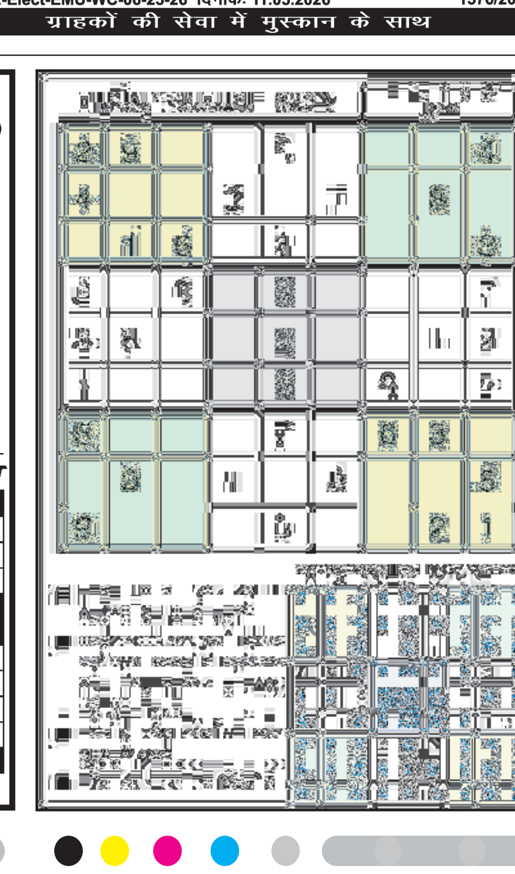

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	11	7	4	14
हैदराबाद	11	7	4	14
गुजरात	11	7	4	14
पंजाब	11	6	4	13
चेन्नई	11	6	5	12
राजस्थान	11	6	5	12
दिल्ली	12	5	7	10
कोलकाता	10	4	5	9
मुंबई	11	3	8	6
लखनऊ	11	3	8	6

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
494 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
21 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर पर जुर्माना

रायपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के कारण आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आईपीएल के खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।' इसमें कहा गया है, ' एंडी को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग' करने से संबंधित है। एंडी ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी अमित शर्मा के फैसले को स्वीकार कर लिया है।

बेहतर प्रदर्शन के साथ 31वें स्थान पर संधू

बार्सिलोना। भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू ने खेले गए एस्ट्रेला डैम कैटालुन्या चैंपियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर संयुक्त 31वें स्थान पर रहे। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरुआती दौर में 68 का शानदार कार्ड खेला था, लेकिन दूसरे और तीसरे दौर में क्रमशः 72 और 73 का कार्ड खेलने के बाद वह तालिका में नीचे फिसल गए थे। उन्होंने चौथे और अंतिम दौर में अच्छी वापसी करते हुए पांचवें, नौवें, 10वें, 16वें और 18वें होल में बर्डी लगाई, जबकि 12वें और 15वें होल पर बोगी की।

भारत की आठ महिला मुक्केबाज फाइनल में

ताशकंद। भारत की अंडर-17 महिला मुक्केबाजों का दबदबा सोमवार को एशियाई चैंपियनशिप में देखने को मिला, जहां आठ मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। राखी (46 किग्रा), खुशी चंद (48 किग्रा), नव्या (57 किग्रा), दीया (63 किग्रा), हिमांशी (70 किग्रा), ज्योति (75 किग्रा), वंशिका (80 किग्रा) और गुरसीरत कौर (80 किग्रा से अधिक) ने अलग-अलग मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई। ममता मुरलीधर (52 किग्रा), मंजुनाथ लमानी (54 किग्रा), इशिका (60 किग्रा) और हरनूर कौर (66 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इन चारों का अभियान कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ।

खेल मंत्रालय का बीएफआई को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने सोमवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को उसकी 'अस्पष्ट' चयन नीति के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया। मंत्रालय का कहना है कि यह नीति 'पारदर्शी नहीं लगती' और बार-बार याद दिलाने के बावजूद बीएफआई ने हाई परफोर्मेंस निदेशका जैसे अहम पदों पर नियुक्तियां नहीं की हैं। एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई को बताया कि बीएफआई को इस नोटिस का जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।

आईसीसी वार्षिक वनडे रैंकिंग में भारत 'नंबर-1', पाकिस्तान को झटका

दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर बरकरार

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत ने आईसीसी की पुरुषों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग के नवीनतम सालाना अपडेट के बाद अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा, 'नवीनतम सालाना अपडेट के बाद आईसीसी की पुरुषों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। वह दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड (113 अंक) से महज 5 अंक के मामूली अंतर से आगे है जबकि ऑस्ट्रेलिया (109 अंक) तीसरे स्थान पर बरकरार है और शीर्ष तीन टीम में शामिल है।' भारत को एक रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है और उसके खाते में 118 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका 102 अंक के साथ पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। सालाना रैंकिंग अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मुकाबलों को पूरा भार (100 प्रतिशत) दिया जाता है जबकि पिछले दो वर्षों के नतीजों को आधा भार (50 प्रतिशत) दिया जाता है।

बांग्लादेश 84 अंक के साथ नौवें स्थान पर

शीर्ष 10 में बाकी टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। श्रीलंका (96), अफगानिस्तान (93) और इंग्लैंड (89) शीर्ष आठ में शामिल अन्य टीम हैं। बांग्लादेश 84 अंक के साथ नौवें स्थान पर है जबकि वेस्टइंडीज के अब 74 अंक हैं। वेस्टइंडीज पिछले अपडेट में बांग्लादेश से छह अंक से पीछे था लेकिन अब यह अंतर बढ़कर 10 अंक हो गया है। आईसीसी ने कहा, ' इसके दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण परिणाम होंगे क्योंकि वे आईसीसी पुरुषों के क्रिकेट विश्व कप 2027 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने की कोशिश कर रही हैं।'

टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया

वनडे और टी20 क्रिकेट में भारत के लगातार दबदबे के साथ-साथ, ऑस्ट्रेलिया इस समय आईसीसी पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर है। यह देश महिलाओं की वनडे और टी20 दोनों ही टीम रैंकिंग में भी पहले स्थान पर काबिज है।

दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे क्वालीफाई

आईसीसी ने कहा, '31 मार्च 2027 तक आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष आठ टीम सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करेंगी। इनके अलावा मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे भी स्वतः क्वालीफाई कर चुके हैं।' इस संदर्भ में यदि दक्षिण अफ्रीका शीर्ष आठ स्थान में बना रहता है तो नौवां स्थान सीधे विश्व कप का टिकट पाने के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा।

आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को छोड़ा पीछे

आयरलैंड (54) ने जिम्बाब्वे (53) को पीछे छोड़ते हुए 11वां स्थान हासिल कर लिया है जबकि अमेरिका 13वें स्थान पर पहुंच गया है। अमेरिका (46) ने स्कॉटलैंड (44) को पीछे छोड़ा है यूएई को भी फायदा हुआ है और वह कनाडा को पीछे छोड़ते हुए 19वें स्थान पर है जिसके कुल 16 अंक हैं।

नामीबिया मामूली सुधार के साथ 23वीं पायदान पर

नीदरलैंड ने रैंकिंग अपडेट में सबसे मजबूत बढ़त में से एक दर्ज की, चार अंक जोड़कर 44 पर पहुंच गया, जबकि ओमान 33 अंकों तक पहुंच गया। नेपाल चार अंकों की गिरावट के साथ 25वें स्थान पर खिसक गया, जबकि नामीबिया मामूली सुधार के साथ 23वें स्थान पर पहुंच गया।

आईपीएल: अक्षर-मिलर के अर्धशतक, स्टार्क-माधव ने 2-2 विकेट लिए

पंजाब की लगातार चौथी हार दिल्ली ने 3 विकेट से दी मात

कैपिटल्स ने किंग्स को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार रखीं

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर के अर्धशतक से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां खराब शुरुआत से उबरकर पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराकर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से दिल्ली के 12 मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पंजाब की टीम लगातार चौथी हार के बाद 11 मैच में 13 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। पंजाब के 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 33 रन पर तीन विकेट गंवाने के बावजूद अक्षर (56 रन, 30 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) और डेविड मिलर (51 रन, 28 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) के बीच पांचवें विकेट की 64 रन की साझेदारी से 19 ओवर में सात विकेट पर 216 रन बनाकर जीत दर्ज की। अक्षर और मिलर के पवेलियन लौटने के बाद आशुतोष शर्मा (10 गेंद में 24 रन, दो छक्के, दो चौके) और माधव तिवारी (आठ गेंद में नाबाद 18, एक छक्का, दो चौके) ने टीम को जीत दिलाई। आकिब नबी ने दो गेंद में नाबाद 10 रन बनाए। पंजाब ने कप्तान श्रेयस अय्यर (36 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 59 रन) और प्रियांश (33 गेंद में छह छक्कों और दो चौकों से 56 रन) के अर्धशतक से पांच विकेट पर 210 रन बनाए। अय्यर ने कूपर कोनोली (38) के साथ तीसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की जबकि प्रियांश ने भी प्रभसिमरन सिंह (18) के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई।

पंजाब-210/5 (20)

खिलाड़ी	रन
प्रियांश का पारख बो तिवारी	56
प्रभसिमरन का आकिब बो मुकेश	18
श्रेयस अय्यर नाबाद	59
कोनोली का मिलर बो तिवारी	38
मार्कस का तिवारी बो स्टार्क	01
शशांक का अक्षर बो स्टार्क	00
सूर्यांश शेडगे नाबाद	21

अतिरिक्त:17
कुल:20 ओवर में पांच विकेट पर: 210 रन
विकेट पतन: 1-78, 2-97, 3-180, 4-187, 5-187
गेंदबाजी: स्टार्क 4-0-57-2, आकिब 4-0-32-0, एनगिडी 4-0-46-0, मुकेश 4-0-31-1, तिवारी 4-0-40-2

दिल्ली-216/7 (19)

खिलाड़ी	रन
राहुल का यानसेन बो अर्शदीप	09
अभिषेक पोरेल बो यश	05
साहिल का चहल बो अर्शदीप	13
ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट	12
अक्षर का ड्वारशुइस बो स्टोइनिस	56
मिलर का प्रभसिमरन बो ड्वारशुइस	51
आशुतोष का स्थानापन्न बो यश	24
माधव तिवारी नाबाद	18
आकिब नबी नाबाद	10

अतिरिक्त: 18
कुल:19 ओवर में सात विकेट पर : 216 रन
विकेट पतन: 1-10, 2-10, 3-33, 4-74, 5-138, 6-170, 7-205
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-21-2, यश 4-0-55-2, यानसेन 4-0-45-0, ड्वारशुइस 4-0-51-1, स्टोइनिस 3-0-44-1

प्लेऑफ की जंग, हैदराबाद और गुजरात में आज अहम मुकाबला

■ आज शाम 7 .30 से शुभमन और अभिषेक की टीमों में मुकाबला

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग अब जबकि अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है तब दूसरे स्थान पर काबिज सनराइजर्स हैदराबाद और तीसरे स्थान की टीम गुजरात टाइटंस के बीच मंगलवार को होने वाला मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है, जो प्लेऑफ की दौड़ को ध्यान में रखते हुए दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा। शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात की टीम ने सत्र की खराब शुरुआत से उबरते हुए कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं। इनमें पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स पर 77 रन की जीत भी शामिल है, जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस जीत से गुजरात की स्थिति थोड़ी बेहतर नजर आ रही है। अभी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स और टाइटंस सभी के समान 14 अंक हैं। ऐसे में नेट रन रेट प्लेऑफ की दौड़ में निर्णायक कारक बन सकता है।

पाकिस्तान-बांग्लादेश दौरा

ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान कमिंस, स्टार्क, जोश बाहर

एजेंसी ▶▶| सिडनी

■ मिचेल मार्श दोनों टीम की करेंगे कप्तानी

ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने के आखिर में पाकिस्तान और बांग्लादेश में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड को अपनी टीम में नहीं चुना है। ये तीनों खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। ऑलराउंडर लियाम स्कॉट और ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप टीम के कप्तान ओली पीक को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। युवा बल्लेबाज जोएल डेविस को जून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया है। उन्हें भी पहली बार मौका मिला है।

कोमल कोहर ने कांस्य पदक के साथ एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत का खाता खोला

गांधीनगर। कोमल कोहर ने सोमवार को यहां एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर मेजबान भारत के पदकों का खाता खोला। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की जगह खेलते हुए 23 वर्षीय कोमल ने धैर्यपूर्ण और संयमित प्रदर्शन करते हुए शानदार खेल दिखाया। उन्होंने कुल 177 किग्रा उठाया जिसमें स्नैच में 78 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 99 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में उनके इस प्रयास ने उन्हें एक अन्य कांस्य पदक दिलाया। इस प्रतियोगिता में एशियाई भारोत्तोलक के कई पारंपरिक दिग्गज खिलाड़ी शामिल नहीं थे जिसका फायदा उठाते हुए चीनी ताइपे ने पहले और दूसरे स्थान पर कब्जा जमाकर अपना दबदबा बनाया। हुआंग यी चेन ने 193 किग्रा (81 किग्रा और 112 किग्रा) के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी हमवतन फैंग वान लिंग ने 192 किग्रा (84 किग्रा और 108 किग्रा) के साथ दूसरा स्थान हासिल करते हुए रजत पदक जीता।

इटैलियन ओपन

जोडार ने अर्नाल्डी को हराया चौथे राउंड में किया प्रवेश

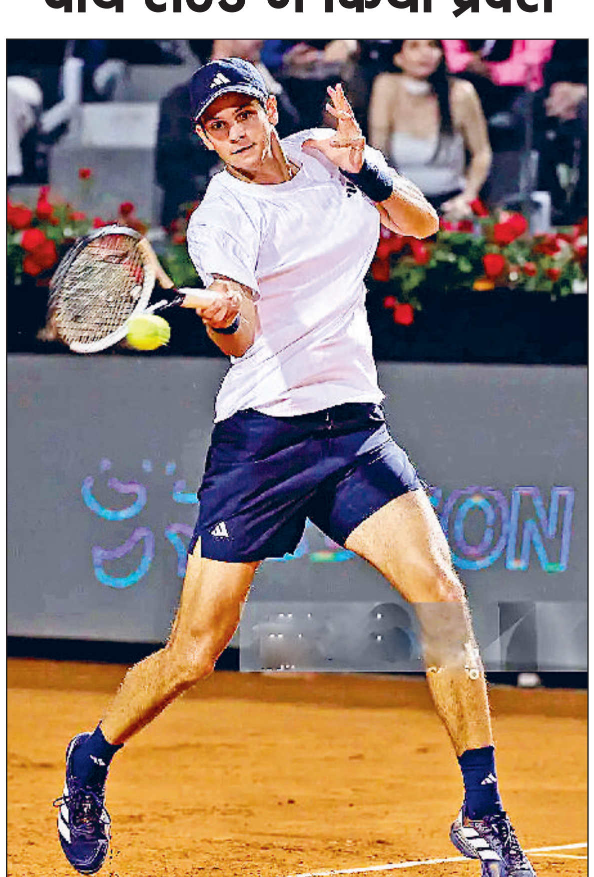

एजेंसी ▶▶| रोम

स्पेन के युवा खिलाड़ी राफेल जोडार ने अपने डेब्यू इटैलियन ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से एंट्री करने वाले माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया।

राफेल ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहले सेट को 6-1 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने जोरदार वापसी की और सेट को 6-4 से जीता। हालांकि, तीसरे सेट में जोडार ने कमाल का खेल दिखाया और लगातार पांच गेम जीतते हुए मैच को अपने नाम कर लिया। दो घंटे तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करने के साथ ही जोडार ने एटीपी जीत/हार इंडेक्स के अनुसार, साल 2026 में क्ले कोर्ट पर 14-2 का रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता, जबकि बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया।

एटा बुंडेसलिगा मैच जीतने वाली पहली महिला कोच बनीं मैरी लुईस

बर्लिन। *मैरी लुईस एटा जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में यूनियन बर्लिन की मैच के खिलाफ 3-1 की जीत के साथ यूरोपीय फुटबॉल की शीर्ष पांच पुरुष लीग में मैच जीतने वाली पहली महिला मुख्य कोच बन गईं। अंतरिम कोच के रूप में अपने पांच मैचों के कार्यकाल के चौथे मैच में एटा ने अपनी पहली जीत का जमकर जश्न मनाया। मैरी ने कहा, 'जीत से खुशी मिलती है। आप मैच जीतना चाहते हैं। आज की जीत से मैं बहुत खुश हूं। हमने जिस तरह से जीत हासिल की वह शानदार था।' यह मार्च के बाद यूनियन की यह पहली जीत थी।*

डब्ल्यूएफआई से तनातनी के बीच गोंडा पहुंचीं विनेश, बोलीं- रखती हूं पात्रता

एजेंसी ▶▶| गोंडा

विनेश फोगाट सोमवार को गोंडा पहुंची और भारतीय कुश्ती महासंघ के कारण बताओ नोटिस का जवाब देकर दावा किया कि वह संन्यास के बाद वापसी की पात्रता रखती है हालांकि राष्ट्रीय महासंघ ने दोहराया कि वह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकती।

महासंघ ने कहा कि अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी होने तक वह प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकती हैं। राष्ट्रीय महासंघ ने इससे पहले कहा था कि विनेश 26 जून 2026 तक घरेलू टूर्नामेंटों में भाग नहीं ले सकती क्योंकि डोपिंग रोधी नियमों के तहत संन्यास के वापसी के बाद उन्होंने छह महीने का अनिवार्य नोटिस पूरा नहीं किया है।

वाडा की संहिता का नियम नहीं होता लागू : विनेश

विनेश ने डब्ल्यूएफआई के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की संहिता का रिटायर्ड खिलाड़ियों से जुड़ा नियम 5.6.1 उन पर लागू नहीं होता क्योंकि वह जून में ही यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) को संन्यास के बाद वापसी के अपने फैसले से अवगत करा चुकी हैं। विनेश ने अपने जवाब में कहा कि उन्होंने यूडब्ल्यूडब्ल्यू को पहले ही अपनी वापसी की जानकारी दे दी थी लिहाजा प्रक्रियागत जरूरतें वह पूरी कर चुकी हैं। डब्ल्यूएफआई सूत्रों ने हालांकि कहा कि महासंघ उनके जवाब से संतुष्ट नहीं है और उसका मानना है कि विनेश ने सिर्फ पात्रता के पहलू पर जवाब दिया है जबकि उनके खिलाफ लगाए गए अनुशासनहीनता के आरोपों का जवाब नहीं दे सकी हैं।

चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराया

बार्सिलोना ने 29वीं बार जीता ला लीगा का खिताब

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

बार्सिलोना ने कैंप नोउ में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी और कुल मिलाकर 29वीं बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीता। मार्कस रैशफोर्ड के नौवें मिनट और फेरान टोरेस के 18वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित की। इससे उसने ला लिगा के तीन दौर के मैच शेष रहते हुए रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अब बार्सिलोना की 35 मैच में 91 और रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं।

बार्सिलोना ने शुरू से दबदबा बनाया

बार्सिलोना ने मैच में शुरू से ही दबदबा बना दिया था। उसने शुरू में बढ़त हासिल करने के बाद रियाल मैड्रिड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उसकी रक्षापंक्ति में रियाल मैड्रिड के हमलों को नाकाम करने में अहम भूमिका निभाई। रैशफोर्ड ने फ्री किक पर बार्सिलोना के लिए पहला गोल किया, जबकि टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर पेनल्टी एरिया के अंदर से गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया, जो आखिर तक बरकरार रहा।

पिता के निधन के बावजूद डगआउट में मौजूद थे बार्सिलोना के कोच

बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक मैच में अपने पिता के निधन के बावजूद डगआउट में मौजूद थे। बार्सिलोना ने मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही उनके पिता के निधन की घोषणा की थी। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने काली पट्टी बांधी और मैच शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा।

एनआईए और कर्नाटक पुलिस की अलग-अलग टीमें जांच में जुटी

पीएम मोदी के काफिले के रूट के पास कैसे पहुंची जिलेटिन स्टिक, मामले की जांच करने बेंगलुरु पहुंची एनआईए टीम

कर्नाटक पुलिस ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए छह विशेष जांच टीमें गठित की

एक आरोपी को पकड़ा, पूछताछ कर क्लू खोज रही पुलिस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रविवार को बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सुरक्षा में बड़ी भूल सामने आई। पीएम मोदी के काफिले से गुजरने वाले रास्ते से संदिग्ध परिस्थितियों में दो जिलेटिन की छड़े बरामद कई गई। मामले की जांच जारी है, एनआईए ने इस मामले को अपने हाथ में ले लिया है। दरअसल, पीएम मोदी के काफिले के रास्ते में जिलेटिन की छड़ियां मिलने के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मामले को अपने हाथ में लिया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक टीम बेंगलुरु के बाहरी इलाके में उस स्थान की ओर पहुंची है, जहां रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला गुजरने वाला था। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन जांच एजेंसियों ने दोषियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमों का गठन कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलुरु दौरे से पहले उनके काफिले के रास्ते पर जिलेटिन स्टिक मिलने के मामले ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इस मामले की जांच अब और तेज कर दी गई है। कर्नाटक पुलिस ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए छह

फाइल फोटो

विशेष जांच टीमें गठित की हैं। पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) और अन्य एजेंसियों की टीमें लोहित नामक एक व्यक्ति से लगातार पूछताछ कर रही हैं। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले इसी व्यक्ति ने कथित तौर पर धमकी भरा फोन कॉल किया था। इसके कुछ घंटों बाद पीएम के काफिले के रूट के पास संदिग्ध बॉक्स में विस्फोटक सामग्री मिली थी। पुलिस ने बताया कि काग्गलीपुरा थाना क्षेत्र की पुलिस और अन्य एजेंसियां बेंगलुरु साउथ और रामनगरा क्षेत्र की खदानों में इस्तेमाल होने वाली जिलेटिन स्टिक की जानकारी जुटा रही हैं। साथ ही इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड ने प्रधानमंत्री के दौरे से एक दिन पहले पूरे रूट की जांच की थी। इसके बावजूद जांचकर्ताओं को शक है कि विस्फोटक सामग्री वाला बॉक्स रविवार तड़के वहां रखा गया होगा। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल की नजर सड़क किनारे पड़े संदिग्ध बॉक्स पर पड़ी थी। सूचना मिलते ही बम स्क्वॉड मौके पर पहुंचा। जब बॉक्स खोला गया तो उसमें दो जिलेटिन स्टिक, चार डेटोनेटर, एक माचिस और दो बैटरियां मिलीं। पुलिस का कहना है कि विस्फोटक सामग्री को बॉक्स में रखकर चारों तरफ से टेप से सील किया गया था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत विस्फोटक सामग्री जब्त कर ली और पूरे रूट पर दोबारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। पूरी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ही प्रधानमंत्री के काफिले को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई।

लोहित को हिरासत में लेकर एंगल की तलाश

सूत्रों के अनुसार, कोरमंगला इलाके के एक निवासी को फोन करने के बाद पुलिस ने लोहित को हिरासत में लिया था। इसके बाद जब प्रधानमंत्री के रूट के पास जिलेटिन स्टिक बरामद हुईं, तो कई एजेंसियां सक्रिय हो गईं और उससे संभावित संबंधों को लेकर पूछताछ शुरू की गई। रविवार देर रात तक जांच एजेंसियों ने आरोपी से पूछताछ की। इसमें एनआईए, बेंगलुरु सिटी पुलिस, बेंगलुरु साउथ डिवीजन पुलिस और अन्य एजेंसियों के अधिकारी शामिल रहे। लोहित से सुबह 11 बजे से लेकर देर रात तक लगातार पूछताछ हुई और उसके बैकग्राउंड की भी जांच की गई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी खुद को पूर्व इसरो कर्मचारी का बेटा बता रहा था।

इसी वजह से पुलिस ने उसके माता-पिता से भी पूछताछ की। अधिकारियों को जांच में यह संकेत भी मिले हैं कि लोहित मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा है, ऐसी आशंका भी जताई जा रही है।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया बयान, नीदरलैंड, स्वीडन नॉर्वे और इटली से पहले यूएई जाएंगे पीएम

इस सप्ताह 15 से 20 मई तक होगी प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह शुक्रवार, 15 मई से लेकर 20 मई तक पांच देशों की विदेश यात्रा पर रहेंगे। जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देश शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि इस यात्रा की शुरुआत में प्रधानमंत्री सबसे पहले यूएई जाएंगे।

जहां पर उनकी यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ एक महत्वपूर्ण मुलाकात होगी। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं को भारत और यूएई के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलेगा। इस वार्ता में ऊर्जा सहयोग और दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा।

द्विपक्षीय व्यापक सामरिक साझेदारी को और अधिक उन्नत रूप प्रदान करने के लिए जरूरी उपायों का मसला भी इस बातचीत का हिस्सा बनेगा। यह साझेदारी दोनों के बीच बने हुए मजबूत राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और आमजन के बीच स्थापित संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी हुई है।

यूएई में रह रहे 4.5 मिलियन भारतीय

यहां बता दें कि पूर्व में मंत्रालय द्वारा पीएम की इस विदेश यात्रा में यूएई के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। लेकिन अब इस बारे में जानकारी साझा की गई है। वहीं, यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश है और बीते करीब 25 वर्षों से भारत के लिए निवेश का सबसे बड़ा स्रोत भी बना हुआ है। इसके अलावा खाड़ी क्षेत्र के इस अहम देश में प्रवासी भारतीयों की कुल संख्या 4.5 मिलियन है। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री भारतीयों के कल्याण के मामले को लेकर भी यूएई के दिग्गज नेताओं के साथ चर्चा करेंगे।

यह रहेंगे यात्रा के बाकी पड़ाव

मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी की इस विदेश यात्रा का दूसरा पड़ाव नीदरलैंड होगा। जहां पर वह प्रधानमंत्री जेटेन से मुलाकात करेंगे। नीदरलैंड में पीएम 15 से 17 मई तक रहेंगे। 2017 के बाद यह उनका नीदरलैंड का दूसरा दौरा होगा। जिसमें वह नीदरलैंड के किंग एलेग्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। उनकी इस यात्रा से दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में जारी उच्च स्तरीय गतिविधियों, संबंधों की गति में तेजी देखने को मिलेगी। यूरोप में नीदरलैंड भारत का एक बड़ा और प्रमुख व्यापारिक साझेदार देश है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच 27.8 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ है। भारत नीदरलैंड के लिए चौथा बड़ा निवेशक है, जिसमें 55.6 बिलियन डॉलर की एफडीआई भी शामिल है।

नॉर्वे में नार्डिक सम्मेलन में होगी भागीदारी

18 से 19 मई को पीएम नरेंद्र मोदी नॉर्वे की यात्रा करेंगे। जहां वह 19 मई को ओस्लो में आयोजित किए जाने वाले तीसरे इंडिया-नॉर्डिक सम्मेलन में शिरकत करेंगे। यह बीते 43 वर्षों में की जाने वाली किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नॉर्वे यात्रा होगी। नॉर्वे में प्रधानमंत्री की अपने समकक्ष और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास और किंग तथा क्वीन से भी मुलाकात होगी। जिसमें बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा होगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत-नॉर्वे बिजनेस-रिसर्च समिट को भी संबोधित करेंगे। इस आयोजन की मदद से दोनों पक्षों को अपने संबंधों में हुई प्रगति के अलावा उन्हें भविष्य में और अधिक मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। जिसमें भारत-ईएफटीए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट मुख्य रूप से शामिल है। नॉर्डिक सम्मेलन में फिनलैंड, आइसलैंड और डेनमार्क के राष्ट्राध्यक्ष भी शिरकत करेंगे। यात्रा के अंतिम पड़ाव में पीएम मोदी 19 से 20 मई तक इटली की यात्रा पर रहेंगे। जिसके लिए उन्हें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने आमंत्रित किया है।

यात्रा के दौरान पीएम की इतालवी प्रधानमंत्री मेलोनी और इटली के राष्ट्रपति के साथ वार्ता होगी। जिसकी मदद से द्विपक्षीय सहयोग, साझेदारी को और अधिक गति मिलेगी। दोनों देश फिलहाल संयुक्त सामरिक एक्शन प्लान 2025-2029 के तीव्र क्रियान्वयन की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री की इस आगामी विदेशी यात्रा से यूरोप के साथ भारत के संबंध और साझेदारी को और अधिक गहराई मिलेगी। जिसके केंद्र में हालिया समय में हुए भारत-ईयू एफटीए के बाद मुख्य रूप से व्यापार और निवेश संबंध शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय ने जारी किए संशोधित दिशानिर्देश, अब पूरी तरह से समाप्त हुए 2016

रक्षा खरीद से जुड़ी प्रक्रिया में बड़ी तब्दीली, अब भ्रष्टाचार, समझौते के उल्लंघन पर 10 साल तक बैन होगी कंपनी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक स्तर पर बढ़ते सुरक्षा खतरों और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर रक्षा मंत्रालय ने रक्षा खरीद प्रक्रिया (डीपीपी) में बड़ा बदलाव कर दिया है। जिसकी मदद से अब रक्षा उत्पाद बनाने वाली प्रत्येक कंपनी को चौबीसों घंटे अपने आंख-कान खोलकर रखने पड़ेंगे। एक बार रक्षा मंत्रालय या तीनों सशस्त्र सेनाओं के साथ कोई भी सैन्य समझौता करने के बाद अगर वह (कंपनी) किसी भ्रष्टाचार में लिप्त पाई गई, किसी समझौते का उल्लंघन किया, उत्पाद की गुणवत्ता प्रभावित हुई, सप्लाई में देरी या फिर वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े किसी मामले में दोषी पाई गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें कंपनी पर 5 से 10 साल तक का प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। मंत्रालय द्वारा डीपीपी में किए गए इन संशोधनों के साथ ही अब 2016 में जारी किए गए पुराने नियम पूरी तरह से समाप्त हो गए हैं। यानी यह संशोधित दिशानिर्देश ही अब इस संबंध में पूरी

तरह से लागू रहेंगे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता'

संशोधित दिशानिर्देशों के जरिए रक्षा मंत्रालय का उद्देश्य भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता और सैन्य उत्पादों की खरीद प्रक्रिया में जमीनी स्तर पर पारदर्शिता के सिद्धांत को शत-प्रतिशत लागू करना है। इसके अलावा इस कवायद के पीछे उसकी सोच के केंद्र में अब केवल हथियारों की खरीद का मामला ही नहीं रहेगा।

बल्कि किसी भी तरह के भ्रष्टाचार के खिलाफ अनियमितता को दूर करने, समयबद्ध डिलीवरी के साथ उत्पाद के बेहतर प्रदर्शन पर भी ध्यान दिया जाएगा। संशोधनों को मंत्रालय ने 'अमेंडेड गाइडलाइंस ऑफ द मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस फॉर पेनल्टीज इन बिजनेस डीलिंग्स विद एंटिटीज' नामक दस्तावेज के जरिए जारी किया है।

सहायक कंपनियों पर भी गिरेगी गाज

दिशानिर्देशों में मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि उक्त रूप से किसी भी मामले में दोषी पाए जाने की स्थिति में केवल रक्षा उत्पाद बनाने वाली मुख्य कंपनी पर ही पांच से दस साल का प्रतिबंध नहीं लगेगा।

बल्कि इसका प्रभाव उससे जुड़ी हुई सहयोगी कंपनियों, संयुक्त उपक्रम या विलय के बाद बनी हुई नई इकाइयों पर भी समान रूप से पड़ेगा। रक्षा मंत्रालय को तेजी से बदलती हुई तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं, एआई, नेटवर्क आधारित युद्ध परिदृश्य, तकनीक से जुड़ी हुई जटिलताओं और लगातार हाइटेक होते सिस्टम को समझ बूझ के साथ इस्तेमाल करने के लिए इन संशोधित दिशानिर्देशों की आवश्यकता पड़ी है।

बीएसएनएल का मदर्स डे ऑफर प्लान पर 5% छूट

नई दिल्ली। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने मदर्स डे के अवसर पर अपने करोड़ों यूजर्स के लिए खास डिस्काउंट की घोषणा की है। कंपनी के 1499 और 2399 वाले लोकप्रिय एनुअल प्लान अब 5% सस्ते हो गए हैं, जिससे यूजर्स को अब 200 रुपए तक की बचत होगी। इन दोनों प्लान्स में 365 दिनों की वैलिडिटी, अनलिमिटेड कॉलिंग और डेटा जैसे कई लाभ मिलते हैं। यह ऑफर 10 मई से 17 मई तक वैध है। इसका लाभ केवल बीएसएनएल की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के जरिए रिचार्ज करने पर ही मिलेगा।

आंदोलन को नई दिशा देने को लेकर विस्तार से हुई चर्चा

सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की भेंट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने और सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र लगातार सशक्त हो रहा है और किसानों, युवाओं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सहकारिता क्षेत्र की अपार संभावनाओं, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा ग्रामीण विकास में सहकारी संस्थाओं की भूमिका को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अरविंद शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से सहकारिता आंदोलन को नई पहचान मिली है और इसका लाभ देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहकारिता क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीबीआई की एक और बड़ी कार्रवाई

होमबायर्स फ्रॉड केस में सीबीआई की सातवीं चार्जशीट, नोएडा के बिल्डर समूह पर शिकंजा तेज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में हजारों होमबायर्स से कथित धोखाधड़ी और फंड डायवर्जन मामलों की जांच कर रही सीबीआई ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा स्थित हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े मामले में सीक्वल बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ सातवीं चार्जशीट दाखिल कर दी है। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि आरोपी बिल्डर कंपनी और उसके निदेशकों ने कथित आपराधिक साजिश के तहत मासूम होमबायर्स और निवेशकों को झूठे आश्वासन, भ्रामक दावे और आकर्षक वादों के जरिए फंसाया। एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने परियोजना से जुड़े तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत कर निवेशकों से भारी रकम हासिल की और इस दौरान पीड़ित खरीदारों को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

सीबीआई ने सक्षम न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित धाराओं के तहत चार्जशीट दाखिल की है।

इससे पहले इन बिल्डरों पर भी हुई कार्रवाई: इससे पूर्व सीबीआई विभिन्न बिल्डर कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, उनमें प्रमुख हैं, रुद्र बिल्डवेल, जेपी इंफ्राटेक, एवीजे डेवलपर्स,, सीएचडी डेवलपर्स, शुभकामना बिल्डटेक इन मामलों में कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में लाई गई है।

होमबायर्स को न्याय की उम्मीद: सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई की लगातार कार्रवाई से वर्षों से अपने घर के इंतजार में बैठे हजारों होमबायर्स को न्याय की उम्मीद जगी है। रियल एस्टेट सेक्टर में लंबे समय से लंबित परियोजनाओं और कथित वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर खरीदारों में भारी नाराजगी रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही यह जांच आने वाले समय में देश के रियल एस्टेट सेक्टर में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही है व्यापक जांच

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई देशभर में बिल्डर कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के कुछ अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कुल 50 मामलों की जांच कर रही है। इन मामलों में आरोप है कि बिल्डरों ने होमबायर्स से हजारों करोड़ों रुपये लेकर परियोजनाओं को अधूरा छोड़ दिया तथा धनराशि को दूसरी जगह डायवर्ट किया। सीबीआई का कहना है कि जांच का उद्देश्य केवल वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा करना ही नहीं, बल्कि उन सभी जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका तय करना भी है जिन्होंने कथित तौर पर खरीदारों के हितों से खिलवाड़ किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109